ENGYCLOPEDIA

OF

HINDUSTANI MUSIC

A COLLECTION (IN NOTATION) OF MASTERPIECES OF HINDI COMPOSITION OF ALL THE RAGAS (About 165) OF MUSIC OF THE NORTH CLASSIFIED UNDER 10 THÂTS (GROUPS) WITH A COMPLETE CHART OF THE RULES OF ALL THE RAGAS.

BY

FIRCZE FRAMJEE.

AUTHOR OF "THE HINDUSTANI SANGIT VIDHYA"

(in 4 VOLUMES.)

11, MAIN STREET, CAMP, POONA.

1927.

ALL RIGHTS RESERVED.

Price Rs. 3-8.

हें पुस्तक सन १८६७ च्या २५ व्या आक्टाप्रमाणें नोंदून सर्व प्रकारचे हक प्रंथकर्त्यानें आपल्या स्वाधीन ठेविले आहेत.

Printed at the Chitrashala, Printing Press, Poona,

BY SHANKAR NARHAR JOSHI

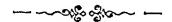
And

Published by FIROZE FRAMJEE

11, Main Street, Camp, Poona.

Registered Under Act 25 of 1867. All rights reserved.

AUTHOR'S PREFACE.



Indian Music possesses so much Value for the life of the people of India, that in this great day of national aspiration and progress, it ought to be known and understood by every man and woman who has India's good at heart, so that it may become cultivated in every city and village throughout the land. The purpose of this book is to provide sufficient information to make insight possible and play some part, however small, in the improvement and spread of this culture throughout India.

This little work is simply a collection of Masterpieces (in Notation) of Hindi composition of almost all the Ragas of Indian Music classified under 10 Thats (groups) according to the system of Shriman Pandit V. N. Bhatkhande, B. A. LL. B. Further the rules of all the Ragas are given very briefly by charts, which will prove a great help to all the scholars of Indian Music. A fuller and detailed description of all the Ragas, Talas (Time Measures), Glessary of Musical Words, History of Indian Music, etc., will be found in the four volumes of the author's "Hindustani Sangit Vidloya" published in Gujarati länguage.

No one feels more than the author the deficiencies of this book and the inadequacy of its presentation of a great and living culture. My only real qualification is my love and keen interest in both the theory and practice of Indian Music. I would therefore earnestly ask that readers will not fail to notify me of matters which are open to criticism, or which should be corrected in a subsequent edition.

Before concluding I take this opportunity to express my deep gratitude for the large help I have received in composing this book from the Musical Treatises published by Shriman Pandit V. N. Bhatkhande, Pandit D. K. Joshi, Thakur N. Nawab Ali Khan of Lucknow and various other eminent authors.

AND, I AM RECOMPENSED FOR MY WORK SO DEAR, AN UNAMBITIOUS COURSE REFLECTING CLEAR, THIS TASK THAT FALLS INTO PUBLIC HAND, SHALL STAND USEFUL BETWEEN WOMAN AND MAN.

FIROZE FRAMJEE.

11, Main Street, Poons, / st., January, 1927.

鑾 Dedication 鑾

安全会会会会会会会会会会会会会会

Shriman Pandit Vishnu Narayan Bhatkhande,
B. A. LL. B.,

High Gourt Pleader, Bombay.



HE WHO GOVERNS THE MUSICAL TREATISES WELL, WHO TEACHES HIS SUBJECTS, BY THE SELF SAME SPELL, FRIEND OF MY BOSOM WHO IS MORE THAN A BROTHER, TO HIM I DEDICATE, FOR ALL KNOWLEDGE I GATHER.

INDIA can ever be too grateful to this, my learned friend for the limitless labour, love and imagination he has lavished on the development of INDIAN MUSIC. He has done a great deal of useful work in stimulating interest in and promoting the study of Indian Music and in the systematization of Hindustani Ragas. He is the author of a number of musical treatises in Sanscrit and Marathi, amongst which LUNIA SANGIT has now been universally acknowledged as an authority on Music of the North. I have drawn very freely from his treatises and owe him a further debt for allowing me to consult him freely for a better practical and theoretical knowledge of Indian Music.

It is a deeply inspiring spectacle for one to see whole India surrounded by his musical treatises, which worldly greatness can present, living from day to day so simple, vivid and musical a life. It is impossible for me to conceive a more fruitful example of my duty and affection towards him, and I dedicate this, my humble discourse to him for all his invaluble co-operation at every musical stages, without which it would not have seen the light of this world.

多多多多多种的种种的

FIROZE FRAMJEE.

11. Main Street, Poena, st. January 1927.



B. A. LL, B.



Firoze Framjee (Author).

चिन्हांचा खुलासा तालांचा खुलासा तालांचा खुलासा १० थाटांचे पत्रक १० थाटांचे स्वर्ण सेल्ला विलावल १० थाला विलावल १० थालावल	•					
तालांचा खुलासा १० थाटांच पत्रक १० थाटांच्या जन्य रागांचें स्पण्टीकरण शुद्धिपत्रक कल्याण मेळजन्यरागा। सुरावर्त चतरंग गुनीयन मिल गाईए ना दर दर तना तुम सत बचन मान ले हमारा हे सन गाय प्रमुको माई धर रे मन धर खं सजन तुम कहेंवा जे गणश गण नाथ को गणश गणश गणश नाथ को गणश गण नाथ को गणश गण नाथ को गणश गण नाथ को गणश गण नाथ को गणश गणश नाथ को गणश गणश गणश नाथ को गणश गण नाथ को गणश गणश नाथ को गणश गणश गणश नाथ को गणश गणश गणश नाथ को गणश गणश गणश		राग	वृष्ठ.	गीताचें प्रथम चरण	राग	पृष्ठ.
सुरावर्त शिर्मार्ग हिंदोल रहर तानुम तदरना गावत राग विहागडा विहागडा विहागडा मालश्री १३ परा हु पैयां सावनी ३४ सा	तालांचा खुलासा १० थाटांचे पत्रक १० थाटांच्या जन्य रागांचें स्पण्टीकरण गुद्धिपत्रक कल्याण मेलजन्यरागा। सुरावर्त चतरंग गुनीयन मिल गाईए ना दर दर तना सुम सत वचन मान ले हमारा हे मन गाय प्रमूको माई धर रे मन धर तुं सजन सुम काहेना	यमन ११ थमन कल्याण चंद्रकांत ग्रु.कज्याण कैत क्ल्याण	, er er es sr es 5 \	विलावल मेलजन्य रागा क्यं करत अभीमान रवसों नेह लगा छं मनवा सरस प्रताप तेज वल राजा राम निरंजन भरन जो गई कैसे जाऊं वीच जमना आज नव नागरी तेरो परताप वडो तूं कित करत मान तिहार सैयां धुंघरवाले जवसें सजन प्रदस अजह समझ रे मन तेरे मिलन दाचावनी	रंकरा भरण विलावल अल्हेया शुक्तल गु. नट विलावल देवगीरी सरपरदा सरपरदा इच्छाशाल कुक्रव	₹ १
वोली ठोली जी ना दरों भालश्री १३ णरी हु पैयां भज मन राम नाम दाता मारे कर दया अवके राखो भगव न लेतेरो सुमरन कर्ल अब तो सुनी प्रमु जीवन भरी दथ वेचें ना देरे दानी तादानी दीम सांवरी सुरत मोरे हिंदोल मालश्री १३ एरी हु पैयां एरी हु पैयां १४ सुख कर दुख हर लेख कर दुख हर ली तननन नन तन वीरी तननन नन तन वीरी खबावत हमीर १७ सुनलीजो विवित हमारी केदार नट १९ केसी बणाइ तुने बांसरी पहाडी ३८ सांवरी सुरत मोरे नेद लालजी हो गालो मांड ३८	कौंठ वरन कर	सूप हिंदाल -	१०	कसे सुख सोवत	33	3. 3. 3. 3. 3. 3.
अवके राखो भगर न तेरो सुमरन कर्छ अब तो सुनो प्रभु जोबन भरी दथ बेचें ना देरे दानी तादानी दीम सांबरी सुरत मोरे हांबार नट २० वंद लालजी हो गाले। हांड ३८	वोली ठोली जी ना करो भज मन राम नाम	े हिंदोल मालश्री कदारा	2 2 8	गावत राग विहागडा परी हु पैयां	विहागडा { सादनी केदार	ર્છ ર્છ
जोबन भरी दथ वेचें इयाम १८ सुनलीजो दिनित हमारी देराकार ३७ ना देरे दानी तादानी दीम केदार नट १९ केसी बचाइ तुने बांसरी पहाडी ३८ सांबरी सुरत मोरे कामाद नट २० नंद लालजी हो गाले। मांड ३८	अवके राखो भगव न तेरो सुमरन करुं	छायानट गौड सांरग	१६ १६	तों तननन नन तन	ः { शेकरा	સ્યુ સ્ક્ સ્ક્
	जोवन भरी दृष वेचें ना देरे दानी तादानी दीम	स्याम केदार नट	१८ १९	केंसी बजाइ तुने बांसरी नंद लालजी हो गालो	पहाडी सांड	5 4 4 5. 5 8. 5. 5.

गीताचे प्रथम चरण	राग	व्रष्ठ	गीताचें प्रथम चरण	राग	নি ম
राम भजन कर लीजे	आशागोडी	४०	नीर भरन केसे जाऊं	(तिलक	५३
जलधर केदार गुनी	(जलधर	So	·	र कामोद	
	र केदार		किल मोरे गुलकी खिलाई	75	५३
रोको न मन मोहन	्र मछहा केदार	४१	जाय सूनावों हरिसों	्र छाया तिलक	५४
अरी मेरो लाल खडो है	हेमकल्याण	८१	मीरां भितत करे रे प्रकटकी	विहारी	५४
वालमारी हमसे रुठा	(सावनी	४२	तीरे कैसे धोरे आऊं	जेजेवंती	५५
	े क र याण		ताना तुंद्रे तद्रे दानी	गारा	५५
नवरोचिका रुप वखाने	नवरोचिका	४२	कोन अलबेलेकी नार	73	५६
मैने सिखाई तैं तोये	गुनक्ली	४३	लागी मोरी विंदीया	मंजरी	५६
पतेरो जोवन रुप	भवसाख	४३	नांरायणको नित भज	नारायणा	५७
खाजे मोइनु दीन	दुर्गा	88	तरसे जिया निसीदन	(प्रताप	५७
गंधर्प लंबोधर दुख	पटमंजरी	88	·	र वराळि	
रुप जोबन गुन खेलत	,,	४५	सजन हमसे नाहीं बोले	[नाग	46
भिन्न पडज राग गाँव	भिन्नपडज	છુષ		स्वरावि	
राधा वर कारो कान्ह	हंसध्वनी	४५	वेलन कान्ह होरी	भटियार	५८

्खमाज मेळजन्य रागा			भैरव मेळजन्य रागा		
अरे मन समझ समझ	सिंसोटी	८७	दीम तदीम तदीम	भैरव	६०
जय जय जगिदश	,,	८७	बोलो शिव शिव वानी	1	६०
हे गोवींद राखो शरण	∫ पहाडी	85	नमो नारायन संसार	र्वगाल भैरव	
	े झिंझे। टी	1	कर जोर मोर मोर	अहीर भरव	६१
वंसी धुनसों वृजाय	खमाज	85	मेरे मन खमरन क्र	आनंद भैरव	६१
प्रथम् परवरदिगार	तिलंग	86	याको पार ना पावे	∫ शिवमत	६२
मै तो जागी जारी रात	खम्बावती	1	222.2	८ भैरव	
प्रथम सुर्साधे	रागेश्वरी	40	कलाव कैसेके परे	कोम्ल भैरव	६२
मन काहेको शंक करे	दुर्गा	40	प्रभु किरतार तुम हो अपार	सौराष्ट्र	६२
तेरोहि ध्यान धर	सारठ	48	ं दारीद्र दुख भंजन	हिजाज	६३
ओदेताना तानोम देरेना उपकर्त सम्बद्धाः	देश सोरठ	ı	हरि हरि हरि हरि जपना	रामकर्ला	६३
नाद्रद्र ती तान दरेना	देश	42	1	,,	દ્રં ડ
ए अति धूम मचाई	53	143	भज हरि नाम तुं मोरे	37	६४

गीताचे प्रथम चरण	राग	র ম্ভ	- गीताचें प्रथम चरण	राग	वृष्ठ
भार माई ढीट लंगरवा	रामकली	६४	फूली सांझ मधुवनमें	गौरी	७८
मोरवा तूं मोरेही आंग	कोमल	६५	नदी आईलो हमारे	35	७८
~	रामकली		कहा करुं पग न चलत	"	७९
किरतार तूं हय मेरो	गुणाकि	६५	जेहीं जेहीं अंग बू सिये	तिरवन	७९
अखिल गुनन भंडार	जोगिया	દ્દ	शिव शिव क्या करे	,,	60
मिजमानोंसे काहेकु लरिये	जिगिया	६६	सुमरन कर भज राम	श्रीटंक	60
	आसावरी		आयो फागुन मास	मालवी	60
हर विन कोई काम न आयो	सावरी	६७	मृंदरियां मारी रे	मालश्री	८ १
ताना ताना तानानाना	झिलफ	६८	भज मन नारायण हैस	इंसनारायण	
मेरी मदद करो या शाह		६८	जागीय गोपाल लाल	बिभास	<u>ر</u> ۲
ये नरहर नारायण	ग्र विभास	६८	काहे वजाई बिन सांवरे	परज	८ २
प्यारी प्यारी वतियां		६९	दीर दीर तनीम तनीम	परज	८३
छांडो छांडोजी मोरी कलैयां	" गु. विभास		,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,	कालिंगडा	•
धन्य दिन दयाल तूं	देशगौड	90	नबिके दरवार सब	वसंत	८३
ललत न अहीर न प्रमात	मेघरंजनी	७०	काहे न लेत प्रभुका नाम	,,	48
ऊठि प्रभातं सुमरीये	प्रभात	७१	आई रुत बसंत नवेलरियां	77	58
राम नाम भजन करो	कालिंगडा		वसंत रुत आइ माइ	"	८५
जप मन हर गिरीधारि	,,	७२	फागुन आयो मनोरा	55	64
submissional princip different			डगर चलत दीनी गारी रे	गौरी	८६
ं पुर्वी मेलजन्य रागा			जोगन रुप मा जोगन	ललितागाै री	८७
तननीतों तनां तो तनन	पुर्वी	७३	तु मान छै मना आली	5 <i>7</i>	८७
वन वन ते आवत	5.5	৩३			
पिया बिन नाहीं वनेगो	पूर्व्या	७४	मारवा मेलजन्य रागा		
सुमरन हरको करो रे	∫ पूरिया	৩५	अब गुन बक्स करम कर	मारवा	८८
	े धनाश्री		बोलन बिन कबहू चैनन	"	८८
कान्हर जनम लीयो	जेतश्री	७५	तदीयन रे दे दे	पुरिया	८९
डीमक डफ वाजे	दिपक	७६	मोरी अरज सूनो दस्तगीर	25	८९
कवन देस गये पिया	रेवा	७६	प्रथम मणि जोंकार	{ दिनकी	९०
नादर दर तुम तन देरेना	श्री	७६	, ,	रे पुरिया	
पूरन ब्रह्म दयानिधे	,,,	७७	जाको बेद रटत	जेत	98
, भटकत काहे फिरे	गौश	७७	फलस जोत लागी रहे	33	९१

-					
र्गाताचे प्रथम चरण	राग	<u> इह</u>	गीताचें प्रथम चरण	राग	पृष्ठ
मुकुट चटक गिर्घर	मालीगौरा	ે	सुरा वर्त	सिंदुरा	१०४
ठाडो रहत विच रोकी	**	९२	लाडली मानन कीन	,,	१०५
पीर तिहारी ए में सुरीद	साजगिरी	९३	शास्त्रमु मत राग गाय	धनाश्री	१०५
प्रथम आदि शिव शक्ति	वराटी	९३	तानों तनननन नीहों	,,	१०६
विरहन वावरी वेग सुध		९४	चले जा भोरी ननदीयां	पिछ	१०६
सोहनी सुरत मोहनि मुरत	;; सोहनी	९४		र घनाश्री	
सद्गुरु चरण कमल	22	९४	धरन मुरन तान तालके	मिनपलासी	१०७
अरे मन तुं भज रे	लालित	९५	अव तो विड वेर भई	,,	1900
ए अला तेरी सांची नाम	22	९५	एसी कवन लगन लगाई	**	१०८
मारु वस मारव्यात मेलन	पंचम	९५	किरणा सुरारी त्रिनती	धानी	? 0 6
मसायरव बौलिया दुरकरन	**	९६	मोरी कर पकरत गई	•••	१०८
फागुन मास आयो	(लालित	९६	कर हरीको भजन नित	पटमंजरी	१०९
•	र पंचम		मेरो मन हर लीना		१०९
फूल रही वेलरिया	वसतपंचम	९६	प्री कडुं पीत नई माई	**	११०
गाय गुणी प्रथम प्रहर	ं पंचम	0.9	पटदीपकी सुरत एसी वनी	पटदीपकी	
क्हा करू न मानेरी सखिरी	भाटियार	9,9	वना सारी रेनका लागा	,,	१११
लाल रंग भरे दरस देख	भएत्रार	९८	धन हंसकंकणी अताचित्र	हंसकेकणी	
पलन लागी मोरी अखीयां	,,	९८	में तो तोंसे ना बोलूं	अहिरी	1
हरि भज रें तूं मनुजा	विभास	९९	ना दीर दीर दीं तनन	वागीश्वरी	1
ताल सुरनकी विद्या	,,	९९	अब गुण कही नहीं जात	i	११२
प्रात समय नंदलाल्	"	९९	तेरी बलिहार तेरी मेंडा	[वागीश्वरी	११३
एरी मेरो स्याम कनैया	र्विकल्याण	१००		कानहा	
Special service services			शीर मोरके पंक धरे	मालगुंज	११५
काफी मेलजन्य रागाः			धरतुम धरतुम ताना	-	858
सुरा वर्त	काफी	१०१	तुवे मोमद्सा दरवार	{	
चंचल चटकेली नार	72	१०१	दैया पिया विन मैका	सुबराई	११६
खेलो मन ज्ञानकी होरी	**	१०२	कद तनन दीं तनन	∫ हसिनी	११६
अब न मानुंगी तोरी बात	जिल्हा	१०२		र कानडा	
कत्ल मूर्ज कर दाला रामा	•••	१०३	लगन दी चूंप चटपटी	**	११७
माता माती मदमाती झ्मत	संघवी	१०३		। नायकी	
श्रि गजानंद विघन हर	1 ,,	1808	पापी हरी गुख बोल र	र कानडा	

			the state of the s		**
गीताचे प्रथम चरण	राग	वृष्ठ	गीताचें प्रथम चरण	राग	विष्ठ
मिध मंदर निरतत	{ नायकी कानडा	११८	सामत सारंग विलसत	{ सामत सारंग	१३०
रतियां वित गई करुं	देवसाख	११९	नींद मोहे मारा जियरा	,,	१३०
चमतकार दीदार			माईरी में कासे कहं	र शब्द	१३१
ओदेनात तानानाना	(शहाना	•	,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,	े सारंग	
	र् कानडा		द्यानिधि द्या करियो	(मियांका	१३१
अब गुन भज्यो सकल	,,	१२१	• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	र सारंग	
वेग तुम करम करो			रट हरप्रियाको नाम	[लंकदहन	१३२
	र कानडा			सारंग	
आयो फागुन मास सखी	,,	१२२	हेरी सिव सावन आयो	12	१३२
अाज मन वस गई	ु सिंदुरा			लंकादहन	1
	रे कानडा		"	(देस अंग)	4
मैं जब देखी गोपाल लाल		१२२	लाग रही अरी ये सावनकी	(पिलु अंग)	(" ' "
	िकानडा		आयो सावन सोहावन	(वखा अंग)	1
मनस। पूरन कींज	(जैजैवंती	१२३	कनक बरन विरज छनन	, शुद्ध	•
	िकानडा			र मल्हार	
वहार आई वेलरियां	वहार	१२४	ऊमड धन घुमड वरसे	मेघ	१३५
वजों न माने एरी	4		गरजत घटा धनकारे	· **	१३६
फ्ले अलवे केतवा	सुहा बहार	१२५	आयेरी मां गरजत	सुर मल्हार	१३६
ओदेतन दीर तना	(अहाणा	१२६	गढ दे बीर बढ़ैया	"	१३६
	िवहार :		करीम नाम तेरो तूं	(मियांकी	१३७
तानन तानन तदरे	भैरव वहार			। मल्हार	
कोयालिया बोलत लजात	र हिंदोल	१२७	विजली चमके बरसे	"	१३७
	रे वहार		तुम धन ते धन गरजे		१३८
ता ढा नाद्रे तनन नाद्रे	मध्यमादी	१२८		की मल्हार	
•	सारंग		कितक दुर हैगो मथुरा	रामदासी	१३९
तारन निसतार्	,,	१२८		मल्हार	
ं करत हरप्रिय मेल तजत		१२९	हमें बोली वोल लेके	🕽 चर्जूकी	१४०
	सारंग			र मल्हार	
नेटवर पनघटपर ठाडा	,,	•	ईंद्रकी असवारी पपिया	∫ गौड	880
मरो मन सखी हरन कीनो	∫ बडहंस	१३०		रे मल्हार	
	े सारंग				

*	·		•		
गीताचें प्रथम चरण	राग	ৰ্ব ষ	गीताचें प्रथम चरण	राग ।	<u>র</u> প্ত
ना दर दर दीम दीम	गौड मल्हार	१४१	संग लिये अमीर गन	आभीरी	१५४
मै तो वदरा देख डरी डरी		1 I	परिए वाके पायन	3,5	१५४
घ्रेंगन बदरा भर आये	नट मल्हार	, ,	_	गुः सिंध भरवी	१५५
जाने ना दूंगी माई	1	१४२		,,	१५५
कारे जाने न दूंगी	(कामोद	1 1		,,	१५६
•	र मल्हार		जसुमत सुत कारों कान	7,	१५६
वरखा रुत आई मल्हार			हम परदेसी दुखदाय	देसी	१५७
	र मल्हार	1	गोकल धूम मचाइरी	,,	१५७
रुम झूम बादरवा वरसे			निरंजन कीजे मुकात मेरी	. 75	१५८
कौन खता मेरी सो	,,	1 -	प्रथम सुध ठाठ नट भैरवी	्र षड्राग	१५९
वरखा रुत आगम पिया	जियावंती			र्(खंट)	
	्री. मल्हार		तु है धर्मराज कायम	,,	१५९
. नितं ऊठ सुमरन हरिको			आज खेलत विर्ज	32	१६०
ना दीर दीर दीं तनन	72		तनन देरना तदानी	कौंसी .	१६०
विरजमें जडत है गुलाल	7,	1	हे जगदीश चतुर मुरार	,,	१६१
गावत रागनी गुनीजन वरवा	वरवा	,	सो धुरि धुरि आवेरी	33	१६१
कसकर मारा तीर	पीलु वरव	3	J	्र दरवारी	१६२
मोहे कहा तूं दूंढत	• ,,	१४८	f .	िकानडा	
हारे जियरा लगाये लिनो	जंगला	१४९	धुंघटके पट खोल	,,	१६२
गोपाल मेरी करुना	∫ जिल्हा	१४९	खिल कलियां डार डार	,,	१६३
· · ·	र जंगला		ता देरना देरना देरना	अडाणा	१६३
सुर सुख खिन तूं	किर्वाणी	१५०	मुंढ अबुढ नर तज	35	१६४
			राम चंद्रेण सौं रिक्षता	माझी	१६४
आसावरी मेळजन्य रागा					
सुरावर्त	आसावरी	रिपर	भरवी मेलजन्य रागा		
अरे मन समझ समझ	75	१५१	चतरंग गाइए सुनाईए	भरवी	१६५
सुरावर्त े	जौनपुरी	१५३	रचा प्रभु तूंने यहं	,,	१६६
प्रभुको सुमर सुमर मन	,,,		नाहीं परत मैका चैन	}	१६६
गावत मिल गांधार	देवगंघार	१५३	ताना नादर दर तुम	गः मालकोश	१६७
मारत पिचकारी दैया	,,		तों तनन तन देरेना	,,	१६७
व्यास शाम अनगन	٠,,	१५३	कृष्णा माधो राम निरौंजन	37	१६८

		ì			
गीताचें प्रथम चरण	राग	वृष्ठ	गीताचें प्रथम चरण	राग	वृष्ठ
आई खेलके फाग	आसावरी	१६८	तोडी मेळजन्य रागा		
मत कोई प्रेमके फंड परे	धनाश्री	१६९	साचे सुरन गाये वजाये	तोडी	१७३
साधना करत हो	भृपाल	१६९	सुंदर सर्जनवा सांई	23	१७३
तेरे दीरगन देख मिरग	ू (लाचारी	१७०	सव निस वाराजोरि	्रिमयानी 	१७४
पर्यापा देव तर्रा	रे तार्डा	•	अनुद्रुत द्रुत विराम	े तोडी ∫ बहादुरी	१७४
सौतन संग माधो खेले	11	१७०	रंग देरी रंग रेजवा	े तोडी ∫ जौनपुरी	१७५
मेरे तो अला नाम	(विलास-	१७१	तेरो वल प्रताप	८ तोडी गुर्जरी	१७५
` ,	र्खानी तोडी		मलो मेरो दथल विगारो	"	१७६
अंगिया दरकी जात	35	१७२	नाद्र तुंद्र दीं तनन	मुलतानी	१७७
•	,,		दुर्जन लोगनको संग	. 33	१७७
			सलामी	{ शंकरा	१७८
				८ भरण	



ह्या पुस्तकांत योजिलेल्या चिन्हांचा खुलासा.

当るからの人のかるである

रेग ध नी

शुद्ध स्वर

कोमल स्वर

तीव्र मध्यम स्वर

ज्या शुद्ध, कोमल किंवा तीत्र स्वरांच्या खाली विंदु असेल ते मंद्र स्थानचे समजावे, जसें:- मृ पृ घृ नी इ. ज्या शुंद्ध, कोमल किंवा तीव्र स्वरांच्या माध्यावर बिंदु असेल ते तार स्थानचे समजावे, जसे:- सां रें गं मं.इ. विंदू शिवायचे सारे स्वर मध्य स्थानचे समजावें.

सारे , सारेग इ.

अशा चिन्हांत लिहिलेले स्वर एका मात्रेच्या कालांत गावयाचे आहेत असें समजावे. सा अशा मोकळा ठेवलेल्या स्वर एक मात्रेचा समजावें.

प ग, प म ग,

हें चिन्ह कोणत्या स्वरापासून कोणत्या स्वरापर्यंत मींड आहे, हैं दाखिततें.

हें चिन्ह स्वर आंदोलनाचें आहे.

स्वरापुढें हें एक चिन्ह असेल तेथें मागला स्वर एक मात्रा, दोन असल्यास दोन मात्रा, इ. लांबवावा. गीताच्या शब्दापुढें हें एक चिन्ह असेल तेथें मागच्या अक्षरांतला अंत्य स्वर (अकार, उकार इ.) एक मात्रा, दोन असल्यास दोन मात्रा इ. लांबवाबा.

हें चिन्ह एक मात्रेची विश्रांति दाखवितें.

(सा) = रेसानीसा

ज्या स्वराला असा कंस केला असेल, तेव्हां त्याच्या पुढचा स्वर, तो स्वर, त्याच्या मागचा स्वर, व पुनः तो स्वर, असे चार स्वर एका मात्रेंत म्हणावे.

R. 1, R. 2 ई.

हें चिन्ह पहिली, दुसरी इ. ओळीची पुनरावृत्ति दाखितें. R. म्हणजे Repeat.

×

हें चिन्ह गीताच्या अंतराचा प्रारंभ दाखिवतें.

XX

हेंचिन्ह गीताच्या संचारीच्या प्रारंभ दाखितेते.

XXX

हैं चिन्हं गीताच्या आभोगचा प्रारंभ दाखवितें.

 $R. \times$

जेथें हैं चिन्ह असेल तेथें प्रथम अस्ताइचा तालाचे फक्त पहिला आवृत्तचा पुनरावृत्ति करूण अंतरा द्यांवें.

+

हें चिन्ह गायनाच्या तालाची सम दाखितें.

,, सामान्य ताल ,

,, ,, काल किंवा खाली ,,

हैं चिन्ह तालाचें अंग दाखिवतें. ह्याला तालस्तंभ म्हणतात.

55 °

हें चिन्ह तालाची समाप्ति दाखितें. यास आवर्त म्हणतात. (30)

तालाच्या मात्रा, नियम व बोलांचें पत्रक. 🚟 🧑





व्यवहारांत ज्या ताळाचा नेहमीं उपयोग होत असतो त्या ताळाचे वर्णन केळे आहे.

तालांचें नांव	मात्रांची संख्या	नियम व बोल
(१) केरवा	. 8	+ 0 १ २ ३ १ धागि नाति नाकः भ्रिन
(२) दादरा	ε,	+ 0 + - 0 १२३ १२ ३१ ५६ धीं धीं था घातूना किंवा धीं धीं था घातूना
(३) खेमटा अथवा हिंच	દ્	ी १२३ ४ ५ ६ धी न्नाधि नक ति न्नाति नक
(४) तीव्रा अथवा तेवरा	9	े
(५:) प्रतो (गजल) किंवा रुपक	9	० (सम) १२ ३ १ ५ ६ ७ र्थी - न्यान्या ती - तक
(६) धुमाली अथवा कवाली		
(७) झपतान्र	50	+ -

तालांचें नांव	मा त्रांची संख्या	नियम व बोल
(८) स्लताल	१०	+ ० ० १२३४५६७८९१० धाधादीं ता किट धातिट कट गदि गन
(९) चौताल	१२ · ·	+ ० - ० १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १
(१०) एकताल अथवा एका	१ २	+ 0 - 0 7 - 7 - 7 - 7 - 7 - 7 - 7 - 7
(११) आडाचौताल	१ 8	१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० १११२ १३ १४ धीं तिरिकड धीं ना तूना क त्ता तिरिकड धीं ना धीं धीं ना
(१२) धमार	१४	- ० - १११२१३१४ १२३४५६७८९१० १११२१३१४ क स्थिट घिट घा - कित्ति ट ति ट ता - किंवा +
(१३) दीपचंदी	१४	1
(१४) झ्मरा	१४	+
(१५) त्रिताल	१६	१२३४ ५६७८ ९१०११ १२ धा विधि घा घा विधि घा घा ति ति ता - १३१४१५१६ ता धि धि घा
•		

and the second s		the second of th
तालांचें नांव	मात्रांची संख्या	नियम व वोल
(१६) जळद त्रिताल	ረ	+ - 0 - 2
(१७) तिलवाडा अथवा ख्याल	१६	+
(विलंबित लय)		९ १० ११ १२ १३ १४ '१५ १६ ता — त्रक धीं — धीं — घीं — घीं — घीं —
(१८) अद्धाः (स्यालचा दुसरा प्रकार)	१६	- 0 १२३४ ५६७८ ९१०१११२ १३१४१५१६ ता थिं - थिं ता - थिं - ता थिं - थिं ता -
(१९) टप्पा (विरुंबित लय)	. १६	-
(२०) पंजावी (विर्लंबित लय)	१६	+
	1	९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ ता तीं - क धा - धा तीं - क धा -

🕸 रागस्पष्टीकरणचें शुद्धीपत्रक व त्यांचा अधिक खुलासा. 🕸

The state of the s

रागस्पष्टिकरणांत पुढील सुधारणा प्रथम करून घ्याच्यात.

पृष्ठ १५ (९) केदार—ह्या रागाच्या आरोहांत फ़िप्म व गांधार हे स्वर असत्प्राय आहेत व अवरोहांत गांधार असाहाय आहे ह्यणून ह्याची जाति कोणी औडुव-पाडव म्हणतात.

पृष्ठ १६ (१२) गाँड सारंग-गानसमय दिवसाच्या तिसऱ्या प्रहराच्या प्रारंभ वहुसमंत आहे.

पुछ १६ (१३) स्याम—ह्या रागांत वादिस्वर फ़िष्म व संवादी पंचम आहे.

पृष्ठ २० (१४) हंसच्चनी—कोणी वादिस्वर पडज व संवादी पंचम मानितात. गान समय रात्राची पहिला प्रहर आहे.

पृष्ठ २२ (२०) हेम कल्याण—ह्या रागाच्या आरोहांत धैवत स्वर वर्ज्य आहे व अवरोह सातही स्वरांनीं होतो म्हणून याचा जाति पाडव—संपूर्ण आहे. निपाद स्वर यांत असत्प्राय आहे. गानसमय रात्रीचा पहिला. प्रहर मानितात

पृष्ठ २२ (२१) सावनी कल्याण—हा राग कल्याण थाटांत्न निघतो म्हणून ह्याचा गानसमय रात्रींचा पहिला प्रहर मानितात. अरोहांत निषाद स्वर पण दुर्वल ठेवण्यांत येतो.

पृष्ठ २३ (२२) मत्यूहा—या रागाच्या आरोहांत क्षिप्रभ आणि घैवत हे स्वर वर्ज्य आहेत व अवरोह सातिह स्वरानी होती म्हणून थाची जाित औडुव—संपूर्ण आहे. वािदस्वर मध्यम व संवादि पडज आहे. गानसमय रात्रीचा पहिला प्रहर मािनतात. हा राग केदार रागाचा एक प्रकार आहे.

पृष्ठ २३ (२३) जळध्यर केदार—ह्या रागांत आरोहावरोहांत गांधार स्वर वर्ष्य आहे, म्हणून याची जाति पाडव आहे. आरोहांत धैवत स्वर दुर्वल आहे, वादिस्वर पंचम व सवादि ऋषभ आहे. गानसमय रात्रीचा पहिला प्रहर मानितात.

पृष्ठ २४ (२८) पहाडी--कोणी ह्या रागांत आरोहांत मध्यम व निषाद स्वर दुर्बल मानून ह्याची जाति संपूर्ण सांगतात.

पृष्ठ २६ (४) खंबावती—ह्या रागाची जाति संपूर्ण-पाडव आहे. अवरोहांत किष्यम खर वर्ज्य आहे. वादि स्वर गांधार व संवादि धैवत आहे. अवरोहांत पंचम स्वर वक होतो.

पृष्ठ २७ (८) देस—या रागाच्या आरोहांत गांधार व धैवत हे स्वर फारसे घेत नाहींत, व अवरोहांत फिल्म स्वर वक्ष आहे.

पृष्ठ २७ (११) गारा-वादि स्वर पडज व संवादी पंचम आहे.

पृष्ठ २७ (१२) नारायणी-शा रागाचा गानसमय दिवसाचा दुसरा प्रहर मानितात.

पृष्ठ ३० (६) अहीर भैरव-नादिस्वर पडज व संवादि पंचम आहे.

पृष्ठ ३१ (८) सीराप्र्टंक—यांत निषाद स्वर दुर्वल असतो.

पृष्ठ ३१ (९) रामकली—वादि स्वर पंचम व संवादि क्षिप्रभ स्वर आहे.

पृष्ठ ३३ (१८) शिलफ--वादिस्वर धैवत व संवादि गांधार आहे. गानसमय सकाळचा पहिला प्रहर मानितात.

पृष्ठ ३३ (१९) लालित पंचम—हा राग भैरन थाटांतुन निषतो. याच्या आरोहांत पंचम स्वर वर्जने आहे व अवरोह सात स्वरांनीं होती हाणून याची जाति षाडव—संपूर्ण आहे. वादिस्वर मध्यम व संवादि षडज आहे. गान-समय रात्रीचा तिसऱ्या प्रहरीं मानितात. हा राग ललित रागाच्या आंगानें गाण्याचा परिपाठ आहे. याचा अवरोह वक्तआहे.

पृष्ठ ३७ (९) ट्रंकी-कोणी या रागांत थोडेसें तीन मध्यम घेऊन याची जाति संपूर्ण मानितात.

पृष्ट ४० (४) जेत-वादि स्वर पंचम व संवादी षडज आहे.

पृष्ठ ४१ (५) माली गौरा—या रागाची जाति संपूर्ण आहे. आरोहांत पंचम दुर्वल आहे. वादि स्वर ऋषभ व संवादि धैवत मानितात.

पृष्ठ ४५ (११) भटियार-गानसमय रात्रीचा तिसरा प्रहर आहे. तीव मध्यमाचा प्रयोग याच्या आरोहांत किनत होतो.

पृष्ठ ४५ (१२) भंखार—कोणी या रागांत आरोहांत पंचम स्वर दुर्वल मानून याची जाति संपूर्ण सांगितात. यांत दोन घेवत घेण्याचा कांहीं घराण्यांचा परिपाठ आहे. गानसमय रात्रीचा तीसरा प्रहर आहे.

पृष्ठ ४७ (୬) परमंजरी—कोणी आरोहांत गांधार व धैवत स्वर दुर्वेल मानून याची लाति संपूर्ण सांगितात.

पृष्ठ ४७ (८) पटदीपिकी-वादि स्वर षडज व संवादि पंचम आहे.

पृष्ठ ५० (१६) देवशाख—कोणी या रागांत कोमल धैवतस्वर देऊन याची जाति संपूर्ण मानितात. हा राग सारंगांगाने गाण्यांत येतो. वादि स्वर पडज व संवादी मध्यम आहे.

पृष्ठ ५२ (२६) लंकादहन सारंग—कोणी या रागाची जाति षाडव सांगितात, म्हणजे आरोहावरोहांत धैवत स्वर वर्ज्य मानितात.

पृष्ठ ५३ (२७) सावनलंकदहन—ह्या रागाला लंकदहन सारंगही म्हणतात. वादिस्वर ऋषभ व संवादि पंचम मानितात.

पृष्ठ ५५ (३५) बरवा—कोणी या रागांत आरोहांत गांधार व धैवत हे स्वर वर्ज्य मानून याची जाति ओडव-संपूर्ण सांगितात. हा राग कांहीं घराण्यांत दोन गांधार घेऊनही गाण्याचा प्रचार आहे.

पृष्ठ ५५ (३९) निह्यंबरी—हा राग काफी थाटीतून उप्तन होती. याच्या आरोहांत धैवत वर्ण्य होती व अवरोह सात स्वरानीं होती, हाणून याची जाति षाढव—संपूर्ण आहे. वादिस्वर पंचम व संवादि षडज आहे. गानसमय दिवसाचा तिसरा प्रहर मानितात. या रागांत आरोहांत तिव्र गांधार स्वर लागलेला केव्हां केव्हां दृष्टीस पडतो. गांधार स्वरावर कंपन असतें. यांत भिमपलासी व मधुमाद या रागांची छाया दृष्टीस पडतें.

पृष्ठ ५५ (४०) रामदासीमञ्हार—या रागाची जाति संपूर्ण आहे. गुद्ध मल्हारांत सुधराई रागाचें मिश्रण झालें म्हणजे हा राग होतो.

पृष्ठ ५६ (४) अभिरी —या रागांत वादिस्वर मध्यम व संवादी निषाद आहे. गान समय दिवसाचा तिसरा प्रहर मानितात,

पृष्ठ ५७ (५) सिंधभैरवी-कोणी ह्या रागांत वादिस्वर मध्यमं व संवादि वडज मानितात,

पृष्ठ ५७ (६) देसी-या रागांत वादिस्वर पडज व संवादि पंचम आहे.

पृष्ठ ५७ (८) कौर्रा-कोणी हा राग संपूर्ण मानितात, व कानडा आणि मालकोशचा मिश्रण म्हणतात.

पृष्ठ ६० (४) विलासखानी तोडी-जाति संपूर्ण आहे.

पृष्ठ ६० (५) छाचारी तोडी-जाति संपूर्ण आहे, वादिस्तर धैवत व संवादि गांधार आहे.

पृष्ठ ६० (७) मोटकी—हा राग भैरवी थटांतून उलन होतो. याची जाति संपूर्ण आहे. वादिस्वर मध्यम व संवादि पडज आहे. गानसमय दिवसाचा दुसरा प्रहर मानितात. याच्या आरोहांत ऋषभ स्वर दुर्वळ व अवरोहांत धैवत दुर्वळ ठेवितात. या रागांत दोन्ही धैवताचा प्रयोग होतो. या रागांत वागेसरी रागाचा थोडासा भास होतो.

🎇 १० थाटाचें अथवा मेलाचें पत्रक. 👼

|--|--|

प्रचलित नांवें				********			
	ļ			स्वर			
(१) कल्याण	सा	î	ग	¥ं	प	ध	नी
(२) विलावल	सा	रे	ग	म	Ч	ध	नी
(३) खमाज	सा	रे	ग	म	ų	घ	नी
(४) भैरव	सा	2	ग	. म	ч	ध	नी
(५) पूर्वी	सा	रे ।	ग्	¥	प	ध	नी
(६) मारवा	सा	<u> </u>	ग	मं	प प	घ	नी
(७) काफी	सा	रे	ग	म्	प्	ध	<u>न</u> ी
(८) आसावरी	सा	रे	ग्	म्	प	घ	नी
(९) भैरवी	सा	रे	<u>ग</u>	म्	प	ঘূ	नी
(१०) तोडी	सा	<u>₹</u>	ग	¥	प	ध्	नी
	(२) विलावल (३) खमाज (४) भैरव (५) पूर्वी (६) मारवा (७) काफी (८) आसावरी (९) भैरवी	(२) विलावल सा (३) खमाज सा (४) भेरव सा (५) पूर्वी सा (६) मारबा सा (७) काफी सा (८) आसावरी सा (९) भेरवी सा	(२) विलावल सा रे (३) खमाज सा रे (४) भेरव सा रे (५) पूर्वी सा रे (६) मारवा सा रे (७) काफी सा रे (८) आसावरी सा रे (९) भेरवी सा रे	(२) विलावल सा रे ग (३) खमाज सा रे ग (४) भेरव सा रे ग (५) पूर्वी सा रे ग (६) मारवा सा रे ग (७) काफी सा रे ग (८) आसावरी सा रे ग (९) भेरवी सा रे ग	(२) विलावल सा रे ग म (३) खमाज सा रे ग म (४) मेरव सा रे ग म (५) पूर्वी सा रे ग म (६) मारवा सा रे ग म (७) काफी सा रे ग म (८) आसावरी सा रे ग म (९) भैरवी सा रे ग म	(२) विलावल सा रे ग म प (३) खमाज सा रे ग म प (४) भैरव सा रे ग म प (५) पूर्वी सा रे ग म प (६) मारवा सा रे ग म प (७) काफी सा रे ग म प (८) आसावरी सा रे ग म प (९) भैरवी सा ने ग म प	(२) विलावल सा रे ग म प ध (३) खमाज सा रे ग म प ध (४) भैरव सा रे ग म प ध (४) पूर्वी सा रे ग म प ध (६) मारवा सा रे ग म प ध (७) काफी सा रे ग म प ध (८) आसावरी सा रे ग म प ध (९) भैरवी सा रे ग म प ध

(१) कत्याण मेलजन्य रागांचे स्पष्टीकरण.

मी.
ক্র
ط
- #
F
de
स्बर: —सा
मेलने
क्रस्याण

राग गाण्याचा समय	रात्रीचा पहिला प्रहर	£	£ ;	2	
पकड व गागाची विशेष मााहिती	ग, र, नीर, सा, ग, रेग, पर्मग, रे, प, रे, सा.	म, रे, नीरे, सा; म, रेम; वर्षमम्म, रे; प, रे, सा	म, रे, सा, नीय, नीयप, सा; म, रेग, थर्मन, प, रे, सा	ग, रेसा; रेसा, नीधृष, धृसा; रेग, पंगे, रे, सा. (अवरो- हांत मध्यम स्वरदुर्बल आहे.)	ग, रे, सीध, सा, रेग; पी,/ धपग, रे, सा.
आरोहायरोह स्वरूप	सार्गमेपथनी हो; सांनीधपमेगरेसा.	सारेग पेप घनी सां। सांनी घपममामा,रेसाः	सारेग, प, धनी सां; सांनी धप, पंग, रेसा.	सा, रेम, पथसां; साँनीधष, मंम, रेसा; रेम, पिम, रे,सा.	सारे, गप, थ, सां; सां, घप, ग, रे, साः
क्राधाम । एक	मिहिष्ट	33	23		2
प्रदेश हिम्से .	作	. 2	5	च स	द
वादी स्बर्	#	£	2	रे सिवा	=
क्षेत्र जाउन्हास स्ट्रिक्ट माउन्हास स्ट्रिक्ट माउन्हास					- 바 다
क् कि निंडिएँ।स्		· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	_¤_	∓े स-	-> 4-
D F FISHER		<u>स</u>		,	
क्ष्य हो हो ड्रांग्राष्ट्र		•			
नाति	संपूर्ण	=	पाडव संत्रुण	अोडव संपूर्ण	अं। डब
स्मांची नांवे	(१) यमन	तः (दुसरा प्रकार्) यमन कल्य[ण	२) चंद्रकांत	३) शुद्ध मत्याण	8) भूष (भूपाली)

		Ć.	१५)	,	
· *	प्रात‡काळ	££	दिवसाचा चतुर्थः प्रहर्	रात्रीचा। पहिला प्रहर	, <u>, , , , , , , , , , , , , , , , , , </u>
साम, पी, पथपम, रेसा। पिनः, पथम. (धेवत स्वर् असत्प्राय आहे.)	ग, साध, मैथ्सा; ग, मैथ नीय, मैग, सा (आरोहांत निपाद स्वर दुर्बेळ	आहे.)	सा, गप, सां; नीपमंग, प ग, सा. (मध्यम स्वर दुर्वल आहे.)	सांनीधप, मेप, गमथ. (आरोहांत निषाद दुर्बल व अवरोहांत गांधार वक्र आहे.)	सा म, म प, घ प, नी घ, सां; साम, मप, धपम; पथपम, पम, सां, नी घ, प; में प घ नी रिसा, साम. (गांधार गुप्त स्वर्ध घ प, म, म म रे सा. अहे व आरोहांत निपाद हुबेल अहे.)
" सा, रेसा, ग प, मां, सां, प, साम, पी, पथपम, रेसा। पथम, पथम, पथम. (रेवत स्वर् सां, पथम, पथम. (रेवत स्वर् सां, पथम, पथम. असत्याय आहे.)	सा म, मंथ, नीथ, सो; सों, नीथ, मंग, सा.	सा ग, मेथनी थ, मेग, मथसा, सां, रेनी थ, मथनीथ, मंग, पग, सा.	सा, ग प, पंग, प,नी, सां; सा, गप, सां; नीपपंग, सां, नी प, पंग, सा. प ग, सा. (मध्यस स्वर् हुर्वत्र आहे.	सा, रेसा, गमथ, नीथ, स्सां, सं, नीथ, तिथ, पं, मेपथप,	साम, मप, घप, नीघ, सां; सां, नीघ, प; मंपथनी घप, म, नमरेसा.
	गि <i>रति</i> रु		म् प्रदेश	2.2	
म्	न	2	स	*`	स
Þ	ক্	2	Þ	\$	Ħ
2	च भार		লে ক		
-	in D	23	क्र, क		(hr
				ান	2
ीं. •				- #	*
. Ac	4	ओडव संगूर्ण	अ <u>ो</u> डव	संयुग	पाडच संपूर्ण
(५) जेत कल्याण	(६) हिंदोल	,, (दुसरा प्रकार)	(७) मालश्री (कत्याणथाट प्रकार)	(८) हमीर	(९) केदार

(२) बिलावल मेलजन्य रागांचे स्पष्टीकरण.

विलावल मेलचे स्वरः - सारे ग म प ध नी.

		(१७	•)		
	राग गाण्याचा समय	सकाळचा पहिला प्रहर	5	•	\$:
	पकड ब रागाची विशेष माहिती	ं। गरे, गप, ध, नीसां. (आरोहांत मध्यम व निपाद दुर्बेरु आहे.)	(आरोहांत मध्यम व निषाद दुर्वेल व अवरोहांत गांधार वक्त आहे. बिलावस्याचा सर्वे प्रका-	रांत गांधार स्वर अवरोहांत वक्र होतो जसे:-ग, म रे, सा.) (आरोहांत ऋषम व निषाद	दुबल जाह.
•	आरोहाबरोह स्वरूप	सा, रेम, म, प, ध नी सां, सां नी ध, प, मम, रेसा.	सा, रे, गरे, गप, धनी ध, नीसों; सांनी थ, नी घप, मग, मरे, सा.	सा ग, गम, मप, ध नी ध, नी साँ; साँ नी ध, नी घप, म ग, म रे, सा.	साग, गम, पनी, सां; सांनी थ, नी घप, मग, मरे, सा.
	फ़्नाप्राप्त गिर्फ	मिंग्र क्ट	*		2
ļ	र्म्न हिम् म	듁	\$	· 甘	\$
	पृष्ट्य विष्	ফ	2	Ħ	~
	मार्गहात में हो हो है।	8	1 Marieta de la compansión d		-
-					Ar br
	Figippe Figippe		ीं ।		<u> </u>
	E B DISTIP		والمراجعة	**************************************	
	माति	संयूण		**	ओडव संत्र्ण
	रागांची नांवे	(१) शुद्ध विलावल	(२) अल्हैया विकावक	(१) गुफल विकाबल), (दुसरा प्रकार)

(२) विलावल मेलजन्य रागांचे स्पष्टीकरण.

विलावल मेलचे स्वरः --सा रे ग म प य नी.

म्।	गाण्याचा	रात्रीचा दुसरा प्रहर	सकाळचा पहिला प्रहर्	*	
पक्ट	व रागाची विशेष माहिती	ति सा, म, म; पगम; रंगमप, मिम, मरे, सा. (अवरोहांत गांधार व धेवत वक्त आहे.)		न्तिस, थ्रनीय्सा, रेग; मग, प, मग, मरे, सा. (आरोहांत मध्यम व निषाद हुर्वेल आहे.)	
	आरोहावरीह स्वरूप	सा, म, म, प, गम; रंगम स प, थनी सां; सां, नी थनी प, मग, मरे, सा.	सा, गम, पम, गम, रेगमप, थनीथ, नीसाँ; साँ नीथ, प, थ नी प, म ग, म रे, सा	ने सा, थ्र नी थ्र सा, रे म; म म, प, थ नी थ, सां, सां नी थ प; म प, थ नी प, प म, म रे, सा.	
le	नेमा प्राथाः	तुवाग	ाग् <i>र</i> म्ह	* .	
7	ह े, डि़ाइम़े	स	* . •	ব	
3	वार्ग स्वर	म	*	सा	
	र्ट्ड <u>हिंडिए</u> म्स होडार्ग्रह		r		
}	क्री हों इंग्रिम्ह				
आंगतुक	ह्य <u>निज्ञ</u> ीस्ट निज्ञाप्रहास्ट	أعلى	*	*	
खां	हें नोइग्रिष्ट	-ਸ		,	
	जाति	संग्र्	2		
	रागांचीं नांवें	ं१) गुद्ध नद	प्) नट विखावल (विखावल व नटचे मिश्र प्रकार)	ह) देवगिरी (विलावल व कल्याणचे मिश्र प्रकार)	

(280)

		•	(38)			
* .		*	*			32
सारेग, मग, पर्मथप, मग, मरे, सा. (आरोहांत मध्यम व निपाद दुवेरु आहे.)	सा, रेगम, घ, प.	प, मग, रेष, मग, धनीासाः, नेष्य, प, मग, मर, सा.	रे, गमग, मरे, सा; रेसा, नेप्युप, मप, थमग, मरे, सा.		साग, मथमग, मथनीसाँ; नीययग, थमग, साः	ध, नीध, मग, साग, म म.
" मारे म, म म, प में घप, सारेम, मम, पर्मथप, मम, मम, पर्मथप, मम, म, म, य नी थ, सां; सां मरे, साः (आरोहांत मध्य नी थ, प, म म, म रे, साः व निपाद हुबेरु आहे.)	सा,रेगम,थ,प,नी ध,नी सां सांनी घ, प,मग,मरे,साः	सारेग मप्य नी सां; सां नी घप, मग, मरे, सा,	सा, रे, मप, मम, रे मसा; रे गमप, यनी ध, नी सां: सांनी घष, मष, घमम, मरे, सा.	सा ग, ग म, प म, ग रे, ग म प, थ, सां; सां, घ प, म प म म, म रे, सा.	साम, मध, नीसां; सांनीध, मम, सा.	सा ग, म, घ, नी सो; सों नी घ, म; म ग, सा.
*	*		*	\$	3.5	*
	*	<u>দ</u>	(hr	स	ᆏ	2
*	*	ু হৈ	ъ	म	ন	<u> </u>
•	,			기	(H D	*
				ন	(H) D	*
	\$	*	·			
						·
*	*	5	2	पाडन	ओं दव	î
७) इमनी (बिलावल व यम- नचे मित्र प्रकार)	८) सर्पदाँ (बिलावल प्रकार)	<) छच्छाशास्व (विलावल व झिझा- टीचे मिश्र प्रकार)	१०) ककुभा बिलावल व जयल- वैतीचे मिश्र प्रकार)	n (दुसरा प्रकार)	११) ओडव विलाबल	१२) मित्र पडज

(२) बिलावल मेलजन्य रागांचे स्पष्टीकरण.

विलावल मेलचे स्वरः--सारे गम पथ नी.

	·			
स्मा माण्याचा समय	सक्राठ्य पहिला	मुंद्र	सात्रीचा दुसरा	महर्म
पकड व रागाची विशेष माहिती	ध, पः गषधपः, गः, रेसाः, धः, धपः	-		प, मप, घमरे, प, सांध, सांरे, सां, घ्रसा.
आरोहावरोह स्वरूप	सारेग, प, धसां, सांध, प, गपग, रेसा.	नीरेग, पथसां; सां, धनीधप, गप, गरेसा.	सा, रेग, पनी, सां; सांनी, पग, रेसा.	सारेसा, मरे, प, पथम, मपसां, सांधसां रें, सां, पधम; रे, पम, रे, सारेसा.
भंग प्राधान्य	ाग्रे 555	33	पृष्टीम	2
रुम् शिर्म	큐	7	নী	Ħ
मह्ये हिम्	ান	*	ন	Ħ
भ्रत्रहात में से	नें म	Ħ	द्यं स	नेः न
क्रि हो हो हो स	म पेंच	표	दं म	카리
ह्य हो हो हो हो है। ह्या हो	2			
क्षे होडार्गस			/////////////////////////////////////	
जाति	फ्)हव	पडिव	ओढव	6
रागांचीं नांबें	(१३) देशकार	" (दुसरा प्रकार)	(१४) हंसध्वनी	(१५) दुगां (विकावल थाट प्रकार)

				1 27 /		
	~					
	~	^				
_			•			
		_	•	•	•	
	्रिषपः, गमप, नीसां, नी, भषः, गः, मषः, गमगः, रेसाः (अवरोहांत ऋषम व धेवत इत्रेल आहे.)				<u> </u>	
	中京				. –	
	16 14 15					
	年年					
	共五光	4				
	· ^ ~ /-					
	中門派)					
	中一一一一一	. `			•	
4	いずがめ		•		•	
c	ं भषः, मष्, म (अयरोहांते (अयरोहांते दुर्वेख आहे.)				•	
	For the					
一部 祖, 中田内, 南班,	F				No.	
.••	The F	-	·	٠.		
Ť.	the H	· F	न नि			
¢ =	म,	中年				
16	b d=	व, मं, मममा, प, ममा, रेसा.	भी सा, गमप, नी सो; रेगमप, घनी घप, घनी सों,सो, नी,घप,मग्रेम	में सा, गमप, मी सां, सां, मी य, पम ग, रेसा.		-
P .		7	华节节	E che	, म म, म घ, रे, य प म, म प, रेंग म, मं से सी, प प, म, प प म,	
Ħ	5 5 6		15 de 15	带户		
F	ar #===	- F	D 121 P		出自 上 出 出	
E 4	£ # #	, AT	西西西	P #	1. " " " " " " " " " " " " " " " " " " "	
HS 1	E'r	#	中电流	F 2	" 中 年 年 "	
告语		本产	EH	क न	五 五 五 五 五 五 五 五 五 五 五 五 五 五 五 五 五 五 五	
-	F#	- P	FE	で作	सं, य, म मध्यों, थ में सं, भें, भ सं, मिं थ संसा, सं,	
- 2		- A	年。一		म म म म म म म म म म म म म म म म म म म	
T.				ुन न	भागिय संभ	
			2		一中中作话吧	
H-				:	:	
	_ ;			2		
			2		E THE	
क क					H	
	2				H	
<u>.</u>						
	**			क क		
	-#					
10 12		-	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·			
ओड्ब संपूर्ण			·			
क्र फ	*	C- <u>}</u>				
		संपूर्ण	D	4		
		n/ 	ओडव			
(१६) विहाम	" (इसरा प्रकार)	-	~ °	· Ē	7	
re ·	民	₽ Æ	K	1		
Cla.	4	म्क द्ध	न म	EP O		
w w	स्ट ५७७	य व	E F	医院		•
3		节巨	说 语		-	
4	*	の無		医		
≖ .	•	ي شم	E	109		
		(१७) पदविहाम (विहास न बिह्ने-	ंटीन मित्रप्रकार (१८) विहामडा (विहास न न्या	जने मित्र प्रकार) " (इसरा प्रकार)		
			9	3		

(२) बिलाबल मेलजन्य रागांचे स्पष्टीकरण.

विलावल मेलचे स्बरः — सारे ग म प ध नी.

	,	अागंतुक स्वर्	तुभ स	वर्य स्वर्	1			h-lt-		प्रकड	र्मम
रागांची नांवे	भाति	होंड्डॉग्रह होंड्डॉग्रह	हां इग्रिक्ष	. होड्डांग्रास्ट संड्लास्ट	અંવ(<i>દિવિ</i>	क्षिड़ि	शिहमे	न्यया	आर्हिवर्हि स्वरूप	् रामाची विशेष माहिती	समय
१९) शंकरा	पाडव	_		Ħ	12	म	4	lilp	सा ग, प, नी थ, सां;	सां, नी, थप, नीघ, सां,	रात्रीचा हसम्
(आरोहायराहात हप्म वज्ये केल्यांने					=	कवा स	d	<u>ъ</u> .	नी, प, प म, प प, सा,	नाम, गम्म, साः (आरोहाबरोहांत ऋषम अस्प	प्रहर
रुसरा ओडव पकार नोजे					·		,			आहे. कर्षा कर्षा अवरोहांत थोडासा तीव्र मध्यम घेतात	
وَالِمَاءُ ﴾										जसः-सां, नीप, पर्मगपम, साः	
्) हेमकल्याण	••			म	내	स	b	*	सा, रेसा, म म, प, थ प,	व, श्रृष, सा, रेसा, सा,	4.
(कल्याण व कामें।- दंचे मिश्र प्रकार)	पांडव						·····		सां, सां, घपा, गमप, गमरेसाः	मग, प, धप; गमप, गमरसा.	
.१) सावनी	पाडच			F	Ħ	2		2	सा, रेसा, म, प, घप,	म, रेसानीय, नीय्प, सा,	\$
कल्याण									सां; सांनी घप; पथ	रेसा; सा, ग, पपथ, पथपग,	
			~~~	<del></del>					प म, रे साः	रेसाय. ( अवरोहांत थांडासा	
					<del></del>				(आरोहांत ऋपम व वेचत दुवेल	गुद्ध मध्यम कथी कर्षी घेतात	
<del></del>		_			<del>,</del>	<del></del>	———		आहे. )	जसं:-सा, मग, प, धप.)	

	•	• • •	,	
<u>}.</u>	***	Ë	सकाळचा किया रात्रीचा पहिला पहर	सात्रीचा दुसरा प्रहर्
, रसा, प्, मृष्, नी, साः, गमप, गमर, नीसाः	दुर्वल आहे. )		सा, रे सा, ग प, घ नी थ, गरे, सानी, यनी, रेसा, सा, मं, सा, गरे, सा. किंग प, प म, (आरोहांत मध्यम व निषाद सां, घ प, ग प, ग रे सा. हिनेल आहे.)	
सा, म ग, प, ध प, नी, साँ; साँ नी ध प, गम प, गमरे,	ता रे, सा म,रे प, मप, सां, प नी सां रें, सां नी थप म; थ प, मरे, सा.	मृष्, धृष्, नी, सा; सा, रेसा, गरेसा; सा, गम, प, धृष, मगम; पग, मरेसा.	सा, रेसा, गप, घनी घ सां, सांनी घप, पग, मरे, सा. किंघा सां, घप, गप, गरेसा.	साग, मग, रेसा; रेसा, नी घप, रे, गसा; पमन, रेसा,
5	2	5	ार्ग <i>रह</i> ः .	nî¥p
72	स	व सि	Þ	22
2	Ħ	<b>H</b>	<del>.</del>	23
	F			
	저지	ফ		
		ी।		
* <b>I</b>	a	AND DESCRIPTION OF THE PERSONS ASSESSMENT	·	
संपूर्ण	ऑडव बाडव	पाडव संपूर्ण	स् वर्ष	#\ #\
(२२) महहा (केदार, कामोद व ज्यामचे मिश्र प्रकार)	(२३) जल्डधर केदार (केदारव मल्हारचे मिश्र प्रकार)	(२४) नवरोचिका	(२५) गुणकली ( विलावल व कस्याणचे मिश्र प्रकार )	(२६) <b>पटमंजरी</b> ( विरुावल थाट प्रकार )

(२) बिलावल मेलजन्य रागांचे स्पष्टीकरण.

# विलावल मेलचे स्वरः--सारे ग म प ध नी

राग गण्याचा । समय	रात्रीचा दुसरा महर	ाप,  ,,किंवा व्यम् सार्वेन्नालिक	÷ 	<del>.</del> .
पकड े व रागाची विशेष माहिती	प, थप, धमम, रसा, म, मेमप, थमम, रेसा.	ग, रेसा, थ, प्यसा; गपथप, ग, रेसाध्. (अवरोहांत मन्यम व निषाद दुर्बेल आहे.)	सां, नीथ, म; प, ध नीं; , प प, थ, रेंसां, ( वक स्वरूप आहे. )	धम, पथसां, नीघ, पध, मगरेसा, रेग, मपथ.
आरोहावरोह स्वरूप	नी रेसा, म, गमप, ध, पधसां, सांनी धप, मग रेनी, रेसाः	सा, रेग, गप, घसां; सांध, पग; गमगरे, सानी घृ, पृ, घसा.	सा ग, रे म, ग प, म ध, प नी, घ सां; सां ध, नी प, ध म, प म, म रे, म साः	सा, रे (किंवा म) म प ध, सां, नी सां; सां नी ध, प ध, म ग रे सा, रे ग सा,
म्नाप्ताप्तांक	ក្មើគុម្ភ	5	2	2
प्रम् शिक्ष	_ <del> </del> <del> </del> <del> </del> <del> </del>	<b>D</b>	۲ ,	33
प्रह्म हि।ह	Ħ	म	<b>~</b>	2
सहिति हे निडारिहस				
	(Ar	中市		
E BISITIES DISITER			र्यहा	क्र
हैं होड़िंगि				শ্ব
आते	पाड्व संपूर्ण	अरेडव संपूर्ण	संवूप	. "
रागोनी नांबे	(२७) भवसाख	(२८) पहादी	(२९,) मीड	(३०) आशामोडी

(३) खमाज मेलजन्य रागांचे स्पष्टीकरण.

स्वमाज मेळचे स्वरः—सारे म प थ नी ( ह्या थाटाचे रागांत आरोहांत शुद्ध निपाड वेण्यास परवानगी आहे. )

		( \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \			
	र्गा माष्याचा समय	रात्रीचाः दुसरा प्रहर		£.	A
	पफड व रागाची विशेष माहिती	धृसा, रेमग; प, मग, रेसा, नीधृष्. ( आरोहांत निषादं दुर्वेल आहे. )	( ह्या प्रकारांत कोमल निषाद् वेत नाहीत. )	गमथ,नी,सां,नीसां,नीभोसांरे, सां, नीथ; मष, थ, मग.	सागमप, नीप, गमग; प, गमग, नीसा.
	आरोहाबरोह स्वरूप	सा, रेगमपथनी, पध सां, नी सां; नीधप, मग, रेसा, नीधृष्, ध्सा.	सा नी थ पु, धु नी सा, रेग म पध नी सां; सां नी घ प, मग, रेसा.	सा, गम, प, धनी सां; सांनी घ, प, गग, रेसा.	नी सा, गमप, नी सो; सां, नी प, मन, सा.
I	संगित्रसिन्त	្រីគ្រៃ្	.2	2	2
1	प्रम्ने जिन्नि	ामें के प्र	î.	। না	*
	रहरे हिव	Ħ	. 20	卡	£ .
1	हैं हैं <u>निंडिंगि</u>				ক ক
}	,;			Ar	দে ত
	हा है। हो हो ह	।च	<u> </u>	5	s'ler"
	हु कि निंडारीक	-#-	<u> </u>		
	जाति	संपूर्ण	<b>.</b>	पाडच संपूर्ण	मोडच
	रागांची नांवे	१) सिसोधी	(दुसरा मकार)	८) समाज	) तिलंग

(३) ख्रमाज मेलजन्य रागांचे स्पष्टीकरण. ख्रमाज मेलचे स्वर:--सा रेग म प भ मी

$\overline{}$
अहि.
परवानगी
घेण्याची
निपाद
સુજ
आरोहांत
रागांत
थाटाने
(सा

		( २५ )			
	स्म माण्याचा समय	रात्रीचा दुसरा प्रहर			दुसच्या प्रहर्गच्य शेवटी
	पकड व सागाची विशेप माहिती		गसा, नीथ, नीसा, मग; मधनीथ, मग, साः	रेसा, <u>नीय, सा, मग; मथन</u> ीय, मग, रेसा. किंवा रेसा, <u>नीय,</u> नीसा, मः घनीधम, गरेसा.	रे, मष, नी, सां, नीध, मष, धमरे. (अवरोहांत गांधार गुप्त आहे.)
	आरोहाबरोह स्वरूप	नीसा, गम, रे, मधथ, पथसां, सां, नीधष, थम, ग, म, सा	सा म, मधनी सां; सां, नेधमम, सा	सा म, मथनी सौं,रें सों, नीथ, नीथम,गरेसा.	सा, रे, म ष, नी, सां; सां नाथ ष, थमरे, सा.
,	हन्।।।।।।।	म् गिहिष्ट	2	23	F
	प्रह्म हिम्से	<b>H</b>	র	म म	<b>12</b>
1, 1, 1,	प्रहर्न हिन्ह	<b>4</b>	<b>ਜ</b>	म _{विया} सा	pter
-	अव्यव्हात में स		'H, P	<b>b</b>	
1	l trefrite	-	(H) b	なな	द्यं म
	ह्य हो	1=1	<del></del>	<del>^</del>	14
<b>ر</b>	क्ष हो हों डाँग्रास्थ		-		
	जगाते	संपूर्ण	ओडव	औडव पाडव	अंडिव संपूर्ण
	स्मांचीं नांबें	( ४ ) संवावती	(५) दुगाँ (खमान थाट प्रकार)	( ६ ) रागेश्वरी	(७) सोर्ड

		(	40 /		
*		\$	<u>.</u>	,, किंवा सावकालिक	रात्रीचा दुसरा प्रहर
रे, मप, <u>न</u> िश्रप; पत्रपम, गरे, गसा.	प्नीसारेग, सा, रे, पमग; सा, रेग, सा, नी. (आरोहांत धेवत दुर्वल आहे व	अवराहात ऋषभ वक आह. ) 'ग ( ह्या प्रकारांत कोमल निषाद स्वर पेत नार्हात. )	रेगरेसा, नृष्यु, रे, गमप, म, रेगरे, नृसा. ( हार रागांत कोमल गांधार आंगेक स्वरापैकी आहे. )	साम, गम, रे <u>ग</u> रेसा, नीसारेसा, धृनुष्यः, मृम्धृनुः, सा, रेऩीसा.	सां, नीघ, मप, नीधप; मप, मरे, श्सा.
प [,,   सा, रे, म प, नी घ प, नी,   रे, मप, नीथप; पत्रपम, सां; म म प थ, नी सां, नी गरे, गसा.	सारेगसा, रेमपथमप, नीसां, सां, नीथ, मपघ मगः, सा, रेग, सा, नी.	सारे गसा, रेमपथः मप, सां, नी सां, पथ मम, सा, रेम, सा, नी.	सा, रेरे, रेग रेसा, नी ध्य, रे, ग म प, नी सौं। सौं नी घष, घ म, रेग रेसा.	(हा राग एक मिश्र प्रकार आहे, म्हणून या रागाचें स्वरूप सरळ आरोहायरोहांने दाख- वितां येण्यासारखें नाहीं.)	सा, रे, म प, घ सां; सां, नी घ प, म रे, सा.
\$	<u>~</u>	3	5	*	~
দ <b>'</b> ৮∕	Þ	66	2	Ħ	च औं स
子には	11	<u>^</u>	\$	<b>H</b>	(hr
					F
					ाके स
Ħ١	\$	\$	•		
संपूर्ण	<b>~</b>	<b>*</b>	<u>.</u>	33	ओडव पाडव
(८) देस	(९) तिकक कामोद	_{7,} (दुसरा प्रकार)	(१०) जयजयवंती	(११) गारा	(१२) नारायणी

			( 20 )						
				्राण्याचा समय	रात्रीचा दुसरा प्रहर	; :	सार्वकालिक		
) खमाज मेलजन्य रागाचे स्पष्टीकरण.		( ह्या थाटांचे रागांत आरोहांत शुद्ध निपाद घेण्यास पर्वानगी आहे. )		ब रागाची विशेष माहिती	रे, मय, धप, मय, धसाँ; पधषम, गरे, गसा.	(अवरोहांत ऋषम वक्र आहे.) पृथ्सा, गम, गसा, गमपग, मग, सा.	सा, रंगम, पथ; पथ, पमग; रंग, रंम, रेग, सा.		
	खमाज मेलचे स्वरःसारेग म प द नी.			आरोहावरोह स्वरूप	सा, रे, म प, घ सां; सां, घ प, म ग रे, म सा.		सा, रेगम, पथ, नी सां; सां नी घप, मग, रेसा,		
/FF	उने न	भारेहि		अंगमाथा	ក្រុះ	**	**		
12	न मे	गंत	<u> </u>	रिंगार्	<b>D</b>	<b>#</b>	ь		
Ō	नमाउ	। सार		म हिहि	14	म	म		
m	₩.	<u>।दां</u>	व्ययं स्वर्	होंडाग्रहरू होंडाग्रहरू	ाँची	। में भा			
<u>)</u>		क म		- Eisfrits	ानः च	। चीं भ			
			आगतुक स्वर्	हों इंग्रिस् हों इंग्रिह्म		<u>-</u>			
		,			ना <u>त</u> नात	ओडव पाडव	ऑडव	संपूर्ण	
,		N		सागिची नवि	(१३) मतापवराळी	((१४) नागस्वरा- बली	(१९५) मंजरी ( कजरी )		

1	( 29)	
	प्रात:कोल	
जा । जा	الله الله الله الله الله الله الله الله	
म म प्	में प्रमुख्ये स्थाप में स्याप में स्थाप में स्याप में स्थाप में स	[हचा]
E G	रामांची विशेष माहिती  म, मप, खे, प: म, महे;  पम, मु, सा.  मम, महे, सा.  प, म, महे, सा. हांत गांवार वक्त आहे.)  सरंत अवरोहांत होन्ही निपाद वेतात.) रंत आरेहावरोहांत र व निपाद वेतात.) र व निपाद वेतात.)	रवी थ
	रागांची विशेष माहित ना. माम, मा, यु, यु, पु, मु, मा, डेप, मा, मु, सा, पु, यु, सी; धुप, म, मुरे, सा. (अवरोहांत गांवार वक्त आहे.) (बा प्रकारांत अवरोहांत होन्ही गांधार व निपाद धेतात.) हा। प्रकारांत आरोहावरोहांत सह गांधार व निपाद धेतात.)	# /MX
	नी सां, सा, म, मप, खे, पः म, म, सा, खे, पः म, मा, खे, सा, मो, सा, मा, दे, सा. मो, खेप, मा, मुं, सा, पः, सा. मो, सा. मो, सा. (खा प्रकारांत व्यक्रोहांत वोन्हीं गांचार वे ने वाहीं हो। हो	प्रकार आहे. ) भरमी थाटचा
मिरण. भेरच मेल जारोहानरोह स्वह्नप	是	/ प्रका
ं <b>व.</b> हिनसः	म् म म म म म म म म म म म म म म म म म म	
(8) भैरव मेलजन्य रागांचे स्पष्टीकरण. भैरव मेलचे स्वरः—सा हे ग म प ध मी.    अगांतुन बज्र स्वर स्वर स्वर स्वर स्वर स्वर स्वर स्	रागांची विशेष माहिती  सां में ये प म, प ये, नी सो; सा, म, मप, खे, प; म, मोरे;  सां, ये प, म म, प ये, सां, विष, मम, मोरे, सा.  सां, ये प, म म, म रे, सां, विष, मम, मोरे, सा.  सां, ये प, म म, म रे, सां, विष्य, म, मोरे, सा.  सां, ये प, म म, म रे, सां, विष्योहांत गांचार विश्व वाहे.)  नीसां, नी ये, नी ये, म, मोथ, म, विषय विश्व	
क्रिकास स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स्य	(1) (1) (1) (1) (1) (1) (1) (1) (1) (1)	
प्रम्भ कि । कि	तिम चें भी	
मि मिं हों हों हों हों हों हों हों हों हों हो		
म् म् म् म् म् म् म् म् म् म्	केंद्र	
DISIMP		
	त्ये . त्या	
नां वां	- <del> </del>	
रामांची मांबे (१) भेम्ब	में से में में में में में में में में में मे	
5	(३) शिवमत भैर्च (१) मोमेल भैर्च (१) मोमेल भैर्च	

10	
मेलजन्य	
भेरव	

	राग	समय	 प्रातःकाल	سند کنندست
स्बर:सारेगमपथनी.	त्र स्टब्स स	्र रागांची विशेष माहिती	गम, रे, ग, पम, गम, रे,	i, ध, प; नी ध, प, म म, सा; म, म, सां, थ, प, मम, सा.
रागांचे स्पष्टीकरण. भैरव मेलचे स्वर		आराहाबराह स्वरूप	नी सा, गम, प, थप, साँ;	सं, घ, प, नी घ, प, ग म, हे, सा.
<b>1</b>		श्राप्ताः	Itjy	<del>5</del> 5
		हि।हमे	Ħ	
12	<u> </u>	ि हि। ह	स	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
मेलजन्य	वुरुये स्वर्	हों इंग्रिस् हों इंग्रिस्		
(४) भैरव मेल	अ ।गंतुक स्वर	हों इंग्रिस् हों इंग्रिस्		
		मा <u>ति</u>	संपण्	
		रागांची नांचे	(४) आनंद भैरव	(मेरव व विलावल शाटाचे मिश्रप्रकार)

	सा; म, म, सा	म, रे, सा.	
न्ति, न म, प, थ प, सा	सां, घ, पः नी घ, प, ग म,	रे, सा.	

३०)		
	# ~	
म, सा; म, म, सां, थ, प, मम, म, रे, सा.	साः। म, म, रे, साः रेग, म, प, सा. धर्नोध, प, मप, मग, मरे, साः	
Ħ.	स्ताः, साः	

नी सा, गम, प, धनी सांनी थप, गम, रे,

, सा ,, ।

किंवा

2

(६) अहीर भैरव (भैरव व काफी

थाटाचे मिश्र प्रकार

Ħ

H

4

साम, ग थनी थ पमन,

33 23

:

थाराचे मिश्र प्रकार)

33 2 (ग) गो साम, मम, य, मथ, सो। गमप, गम, रे. सा; गम, य, मि, यो। मम, मो। मम, मो, रे. सा; गम, यो। मि, मरे; रे. सा. 3 33 लान, मप, यु, पु; मैप, ी थ्नीयुष, मम, रेसा. है, सा, यु, सा; मरे, प, | य प, रे म, प य, सों, सो नी रेम, पय, सो, हैं, सों, धम, | य प, यम, पे सा, रेसा. | रेसा. | ज़प, महें, माहे, सा. साम, मप, य, नी सां; सांनी यु, पा, मैप, थनी थ प, मम, रेसा. | सा म, मप, घ, भी सां; | | सां नो घ, प, मम, रेसा. | सा, मस, रे, मप, ध, सां; सां ना घ, प, मम, रे सां; / सा, ग म, प, यु, नी सां; | |रे, सा. सा, देसा, मप, य, सां, | 33 33 33 121 : प् क्षेवा , , 33 का 2 13 rh-1 H क्रा म 中中 F 4 # 4 33 क्ता 33 2 में।डव संपूर्ण ( मेरव, कालिंगरा व मंत्र्ण (८) सौराष्ट्रंक लिल रागांचे मिश्र मोडव ओडव " ( दुसरा प्रकार ) पाडव " ( तिसरा प्रकार) " ( चन्या प्रकार ) 7新尺) (१०) मुषमी (११) जोानेया

प्रातःकाळ.	रात्रीचा शेवटचा पहर		, ,
गमग, रे, सा, रेसा, धु, नीसा, म, म, ख, प, मग, रे, गम, मैं.	गम, पधु, मप, मग; नृी, सा <u>रे</u> ग, मग.	नीरेंग, म, ग, रेंगम,नी, सां, रेंसां, म, ग, रेसा.	( आरोहांत ऋषम व निषाद दुर्बल आहेत.)
में सागम, रेगमप, धनी सां, रें रें, सां, नी धपम, रें, गममें, गमगरेसा, नी नी सा.	सारेगम, पधनी सां; सांनी धप, मगरेसा.	सारेगम, नी, सां, सां, नीम, म, रेसा.	सारेगम, प, ब, सां; सांनी घुष, म, गम, सा.
ां <i>रुद्ध</i>	#	*	
स	म सा	स	5
<b>.</b>	य य	ম ।	5
	•	ाह्य च	तम्।
		।हां च	
		-#T	
संदूष	*	ओहव	संपूर्ण पाडव
(१५) प्रभात (भैरव, कार्लिगरा, गैरी व ललित रागांचे मित्र प्रकार )	(१६) क्राल्विगरा	(१७) मेघरंजनी	(१८) मिलफ



मं
ार्द च
रेग गंप धनाः
H H
स्वर्
मेलचे
पुर्वा
स्पष्टीकरण
रागांचे
मेलजन्य
पुवी
5

	•		
र्।म माण्याचा समय	दिवसाचा रेवदना प्रहर स्योत्ता		
पकड न सागांची विशेष माहिती	नी, सारेग, मग; गममे, गमग, रेग, मैधमेंग, मग, रेसा. अथवा नी, सारेग, रेग, मंग; पर्मग,		, मेंग, रेसा. मेंग, रेसा.
आरोहायरोह स्वरूप	सा, रेग, मेप, घ, नी सां, सांनी घप, मेग, मग, रेसा अथवा सांनी घप, मेग, रेसा.	,, निर्म में प, ध प, नी सां। रेनी ख प, में में में में रेसा.	निसा, म, प, पंषप, नी सां, ने सां नी घप, प, पंषप प, गं मं म, रेसा.
स्रोधिराम्	र्षिङ्क	÷	£ .
प्रम्त्र हिम्म	ार्ग्हे इंट	, भि	ने स
मृह्य हिंहि	ᆏ	च	म
हु हू <u>होंडोर्ग्रह</u> होडोर्ग्रह			ার ৮১
हूं हैं <u>गंड़ ज़</u> ह			-
नाति	संपूर्ण		कोडच संयूर्ण
स्मांची नांबे	(१) पुर्वा	(२) प्रियाघनाश्री	(३) जेताश्री

	Ì			
*		स्यांत्ताची वेळ.		*
पिंग, मेग, रेसा, नीरेसा; गर्मप, यप, मेग: मेथ्रमेग, प्रो, रेसा.	पन, पनरेसा, रेम; प्यप्सा, रेसा, रेम, पने, रेसा.	1, <u>रे</u> रे, सा, <u>रेष, प, मंत्र</u> पंग, ; मेंगरे; गरे, <u>रे</u> , सा.	रेरे, प, प, मप, धप, मेरे; मेरे, रे, सा.	
सा नी सा, रेर सा, गर्म प, गर्म थ, मंत्र प, सां, रेसां, गर्म ग, पेसां, मंत्र सां, नी सां, मंत्र सां, नी सां, नी रेसां, मंप्र नी सां, नी रेसां, गर्म सां, ना पेप ने सां.	सारेग, प, यसां सं, यपम, रेसा	सा, रेरेसा, रे, भंष, नीसां, रे सां, नी, रेनी घष, भंगरे,	नी सा, रूमे प, नी सां; सां, नी, रूनी घप, मेरे, रे, सा.	सा नी घु नी, रेग रे, में ग रे, सा रे, नी, सा; सा सा पप, में में पथ, में ग, रे, में गरे, सा रे, नी नी सा.
*		<u>\$</u>	5	2
Þ	ক।	5	<u> </u>	2
स	큐	Cerl	33	£
(F	चे स-		뒦	
/ <del>a</del> / ,	よりた	ाल म	। हां स	F
,				
पाडव पाडव	भ डिव	ओडव संपूर्ण	ओड्य पाडव	पाडच संपूर्ण संपूर्ण
(४) दीवक	(५) रेवा	(g) Mi	(७) मौरी (श्री अंग-प्रकार)	"( दुसरा प्रकार ) ( पुर्वी थाट प्रकार )

	राग गाण्याचा समय	सूर्यात्ताची वेळ 	in .	<u></u>
सारेग मंप घनीः	पकड ब रागांची विशेष माहिती		,	
(५) पुनीं मेलजन्य रागांचे स्पष्टीकरण, पुनीं मेलचे स्वरःसारे	आरोहाबरोह स्वरूप	्रिसा, हे नी यू नी, मंध्र नी सा, हे, सा, नी रूगम, मंभ, रेग, हे, सा, मपम हेग, म, हे, सा.	नी सा, रेनी ध, मंध, नी ध नी, सा, मंध मं, सां, सां, रेनी ध, मंध मं गरे, गरे, सा.	म, रे.म, रेसा, नी सा, धृष, मृष्, नी सा, धुनी सा, सा रेम, मरे; पम, मरे, सा नी सा.
स्पष्टी	क्ष्मायाधान्त	पिंगि	£.	\$
वाः	प्रम् हिमि	<b>b</b>	ক্র।	<u>.</u>
	मही हि	121	<u> </u>	2
क	ह्य हिं <u>डाप्र</u> ारू होडाप्रहार		ㅁ ㅁ	
र्गी मेलज	प्रकृष्टि <u>नोंडोंग</u> ुष्ट्र मुक्ते में नोंडोगुम्स्			
( ४ ) वि	जाति	संपूर्ण	भोडव पाडव	षाङ्व संवर्ण •
_	रागांचीं नोवें	(. तिसरा प्रकार) ( ललिता गैरिरी )	,, ( चवथा प्रकार ) ( मारवा किंवा पूरिया अंगप्रकार )	,, (पांचवा प्रकार ) (भैरव थाट प्रकार )

Ā	<b>#</b>	· in	2	i.	ž2.
		, रेसा, गषगरे, साः हे, प, ध्रम, सां, नीध्रप, गप, गरे, सा.		ग, रेसा; पषगरे, गप, गरेसा; हेग, पप, धप, धनीयप, गप, गरेसा, गगप.	सां, नीप, ग, पंग, रसाः साग, मंथ, रसां.
नी य नी, रेग रे, म रे, नी नी सा; नी सा,	त्र म, ग र, म ग र, र, सा। सा नी घु नी, रेग रे, म ग रे, सा रे, नी नी सा, मं घ में घ, मी नी सा, रे रे, सा- है.	सा, रेरेसा, रेप, प, प, प, रे य प, सां, नी, रें नी थप; ध य, नी सां नी थप, गप्ग रे, रे, सा. किंग प में गरे, गप्न रे, गरे, सा.	सा, रें रे सा, नी रेग, मेथ, सां; सां, नी थ, मेथ मेग, रेसा.	सा, रे सा, ग प, घ प, सां, सां, नी घ, प, ग प, ग, रे सा.	सा म, में य सां, सां, नों प, में म; रें म, प म, रें, सा.
•		23	2	56	2
	5,	\$	. !ড	ا جا ،	tr
5		99	2	ם	11-1
	•	- <b>=</b>	ם	- <b>P</b>	হৈ।
		<b>-</b>	Þ	-14	45
		77			
संपूर्ण	. 1	पाडव	Ř	£	पाडच पाडच
,, (साहावा प्रकार) ( कालिंगरा जंग- ० प्रकार )	,, ( सातवा प्रकार ) ( परज कालिंगरा अंगप्रकार )	(८) त्रिबंगी (तीरवनं)	,, ( मार्वा थाट प्रकार )	(6)	(१०) मान्नर्ग

			'	(40)		
	स्थि	समय	सूर्यास्ताची बेळ		रात्रीचा शेवटचा प्रहर्	वसंत ऋत्त् सावकालिक.
सारेग मंप घनो.	पकड	व रागांची विशेष माहिती	(आरोहांत निषाद दुवेल आहे.) सूर्यास्ताची बेळ	<b>.</b>	सां, नीयुष, मंष, यष, गमग, रेसा. (आरोहात ऋषम दुर्बेल आहे.)	(या रागांत मधून मधून थोंडेसे ,, किलेत रागांने अंग घेतात जसे: वसंत ऋतूंत नीसा, म, म, मंमग, मंधरें, सार्वकालिक.सं.) (आरोहांत ऋषम व सिं.) (आरोहांत ऋषम व सिं.)
(५) पुर्वी मेलजन्य रागांचे स्पर्टीकरण. पुर्वी मेलचे स्वरः सारे ग मं प ध		आराहावराह स्वरूप	सा नी, सा ग, पिम, सी; मैं यु सीं; सीं, नी प, म प मैं म, पिम, सा.	नी रेग में प, सां; सां, रेनी प, में गरेसा.	नी सा म, मंथ नी सो; पथ नी, थ नी सो, नी घ प; मंप घ प, गम म; म ग् ( किंवा मंग ) रे सा.	साम, मं ख, रें, सां, रें, नी ध, (प, मं म, मं म; मं ध मं म ह । हिन्दा नी, मंग, मं म), रेसा.
स्त	k-1	भाषाम्ब	ा। विक्रम	2	गों5हरू	*
型	₹ <b>5</b> 7	हिाह्म	H .	(hr)	<b>b</b>	\$
राग	) je	विद्या	<b>b</b>	<b>5</b>	<u>.</u> #	*
नि	वुउर्य स्वर	<b>हांड्रा</b> र्ह्छ	াক। হিন	ান।		
Z Z	1	TiEdure	(fo/1	<u>ক্রি</u>		<b>5</b>
THE STATE OF THE S	आगंतुक स्वर्	होंड्रिहिस्				
चु	M	न्रांड्राग्राष्ट		······································		
3"		जाति	षांडव अोडव	पाडच	संपूर्ण	षाड्य संपूर्ण
)		रागांची नांचे	११) मान्त्रश्री पूर्वी थाट प्रकार)	१२)इंसनारायणी	१३) पर्ज	् ह) बसंत ं

•	*	. 66	दिवसाचा दुसरा प्रहर	प्रात;काल
साम, में थ सां; रें, नी थ, प, ( आरोहांत छाद्ध धेवत व मेंग, मेग; मेथमेंग, रेसा. अवरोहांत कामल धेवत घेतात.)		•		य, प, मेप, घप, गरेसा; य, ध, प. (या प्रकारांत मध्यम व निषाद हुर्बल लाहेत.)
	सा, म म, नी घ; प, मैप, मैम, भैध नी सां; सां, नी घ; नीं, मैम, मैम, रेसा.	सा, गम, नीय, पंथपंग, पेथसो; सां, नीय; नी, पंग, पंग, रेसा.	सा ग, प भ, प घ प म, में य सां, सां, रें, नी थे, प, मेंग, मेंग, रेसां.	सा, रेसा, गप, ध, सां; सांध, नीयप; मंग, पध, रेसां, नीयप; मेपयप, गरेसा.
			22	*
\$		<b>#</b>	ם	F
\$	<u> </u>	<b>.</b> #		হৈ।
6		<b>,</b> b		
	\$	ש		क्त
			<del></del>	
5	<b>£</b>	पिडिंब.	पाडच संपूर्ण	22
,, (दुसरा प्रकार ) (पुर्वी व मारवा शहाचे मिश्र प्रकार )	ं,, ( तिसरा प्रकार ) (मारवा थाट प्रकार)	ु, ( चवथा प्रकार ) ः(सारवा थाट प्रकार)	,, (पांचवा प्रकार) (तोडी थाट प्रकार)	(१५) विभास (पुर्वी शाटच्या देशकार राग )

		•			
	राग गाण्याचा समय	दिवसाचा शेवटचा प्रहर् संधि-		33	
मार्वा मेलचे स्वरः — सार्म म प य ना.	पकड ब रागांची विशेष माहिती	ध, मंगरे, ग, मंगरे, सा; नीध, मंध, सा, रे, सा. (आरोहांत निषाद दुर्बळ आहेत.)	म, नीरेसा; नीथ्नेति, मेंग, मेथ्, रेसा; मंग, रेसा.	( आरोहांत निषाद दुर्वल आहेत. )	सा, गप, ग, रेसा; ग, पी; रेग, पथग, पी, रेसा. ( आरोहांत धैवत अस्तप्राय अाहे च अवरोहांत हुर्वेछ आहे.)
रागांचे स्पष्टीकर्ण, मार्वा मेलचे स्व	आरोहात्ररोह स्वरूप	सारे गर्भ थ, नीय, सो; सो, नीय, मैंग, रे, सा.	नी रेसा, ग, पंथ, निर्मा; सांनी, थ, मंग, रेसा. अथवा सां, नी, रेनी, मंग, मेरेग, रेसा.	सारेग मेप, घ, नीघ, सां। सांनी घप, में म, रेसा.	सा, रेसा, गप, प, पथम, प, र सां, सांप, भ म; रेम, पथपम, रेसा.
1	हनामाम्ब	र्वधीर्य च	2.	22	F.
व	प्रवृ हि हि	ফ	क्र	5	दा
	मृह्ये हिष्ट	(i+1	7	٤.	
	से हो होत्रिक्ष	5	•		े चे म
货	Fisitie	<b>D</b>	**************************************		ने म-
म् म	ह्य हो <u>हों इंग्रि</u>				
वा	क्ष   हांडाग्रारू	_			<u> वह</u> -
(६) मारवा मेलजन्य	जाति	पाडव	:	संपूर्ण	भोडव
	रागांचीं नांवें	११) मार्बा	(२) पुरिया (रेनकी पूरिया)	( है ) पूर्वकल्याण (दिनकी पूरिया)	४) जेत

	F.	£	£	5
	सा, रंसा, गप, प, पथग, प, ( या प्रकारांत दोन्ही ऋषम व सां, सां रे सां, सां प, य माः थेवत वेतात. फक्त शुद्ध थेवत रेग, भंग्रमेग, रेसा. रागांचाएक मिश्र प्रकार होहरू.)	र्मम, रे. सा, नी, रेनी, प्, म्म, मेंत्र, साः नीरेग, रेसाः	( या प्रकारांत कोमल धेवत घेतात. )	( या प्रकारांत दोन्हीं धेवत घेतात. )
सा, रेसा, गष, ष, पथम, ष, सो, सो ष, घम; रेम, पंत्रमेम, रेसा.	सा, रेंसा, गप, प, पथग, प, सां, सां रें सों; सां प, थ गः रेग, पंत्रपंग, रेंसा.	ग, नीरेसा, नी, थनी, रेनी, प, मंग, मंथसा, नीरेसा; रेप, मंथप; मंथम, रेग, मंरेग; मंथपं, रेशा.	, सा, ररेसा, नी, रे नी घु प्, में गु, में घु सा; रेप, मंधमंग, रे,सा.	सा, रेरेसा, नी, रे नी घ प, मे गु, में घ सा; रे प, प, मेप, धप, मेथग, रेग, मेथमंग, रे, सा.
3	2	<u> </u>	~	*
*	<u> </u>	<b>D</b>	2	*
	· 5	اجن	\$	-
क्	\$,			
मं	*	<b>च</b>	<b>*</b>	2
5	2			
प <u>।</u> इन्	6	पाडव संपूर्ण		5
" (दुसरा प्रकार)	" (तिसरा प्रकार)	(५) मालीगौरा (पूरिया व श्री रागांचे मिश्र प्रकार)	" (दुसरा प्रकार) (पुर्वी थाट प्रकार)	" (तिसरा प्रकार) ( पुर्वी व मार्चा याटाचे मिश्र प्रकार)

	स्।म माण्याचा समय	संधिषका- शची वेळ,		रात्रीचा शेवटचा महर.
सारेगमंपथनी	पकड व रागांची विशेष माहिती	पथग, प, घ, मंग; रेंग, मंग, झंधिषका- रेसा.	( या रागांत दोन्ही मध्यम ब धेवत वेतात. )	मंघ, नीसां, रेंसां, नीघ,नीसां नीघ, ग. ( आरोहांत ऋषम हुर्बल आहेत. )
( ६ ) मार्वा मेलजन्य रागांचे स्पष्टीकरण. मारवा मेलचे स्वर:मा रे म म म म न नी	आरोहाबरोह स्वरूप	नें। रे म, प, प थ म, मै ध, सां. अथवा नें। रे म, प, प ध म, प, प ध सां; सां, रे नी, प, प ध, मै म; प म, रे सा.	नी, रेग, मंग, रेसा; नीघ, मंथ, सा, रेसा; ग, म, नीनी, मंथत; गर्म, गर्म, पर्मग; रेसा; नीं, रेनीघ, मंथ, सा.	नी सा म, मंध नी सां, टें टें सां, नीध,म; सां नीध, मेग;म मंध, म, मंग, रेसा.
स्पृष्ट	हनामाम्ह	ltĺfp	2	<b>गां</b> रहर
व	्राष्ट्र हिम्	ু ক	<u> </u>	j <del>,</del>
<u> </u>	नादी स्वर	<b>F</b>	F	় হৈ
<b>ृत्</b>	म् हाडाप्रहास			ם
असं	नांडार्ग्रास्ट		<u></u>	<u> </u>
में	स्ट्री स्ट्री स्ट्रीहार्गस्			
रवा	हि है हो डाई। छ			
ह् ) मा	जाति	संपूर्ण		पाडव
	रागांची नांचे	( ६ ) बराटी ( बरारी )	(७) साजागिरी (पुरिया, पुर्वी व शलित रागांचे मिश्र कार)	८•) सोहनी

				`	हर् /		
		;	į	٠			
	-			A			
	र्मु	- TT			. 5		•
	for	fig.	E.	. 17			Ŕ
	.₽	F		当問期	ET.		
	ों सा ग, म ग, में घ नी सां, ( या पकारोत अबरोहांत दोन्ही। डेंसां, नी थे, म गः, में गः,   मध्यम घेतात. ) डेंसा.	नी सा ग, मथनी सां, रें सां। नी थ म ग, म ग रे सा. वितात. दाक्षिण एज के	नी रे.म., म. में म म., मं य, (आरोहांत निपाद दुर्गळ आहे.) मा, रे.मी भ, मंथ, मंभ, (आरोहांत निपाद दुर्गळ आहे.) म, रे.सा.	धेतात, परंतु आपह्या में में छव धेनत घेण्याचा त्यमहार अधिन असतो: )	भिष्ममा, मेम, रेसा, साम, मे, आहे. आरोहांत निषाद दुनेंहें मम, मेथ, नीघ, नीमेंघ, सा. आहे. आरोहांत निषाद दुनेंहें	月上	
	अव	10 J	त्युं या व	压油下	F 109	四	
	) मध्यम् येतातः, )	http	by her	भू जिस	सुर थः	<b>E</b>	
	温温	r Þ	京 思	E E E	使作品	£ 60	
	경험	泛原	TP 7	Ē [®] ⊨	में में	'চ	
	EE	19	में ज़ें	> .₽₽ E	he he he	<b>∠</b> ⊢	
		11 11d	五 石屋	वेतात, पर् धेनत वेण्या असतो. )	当年	Æ	
	1	- 16.		11 H	F 13 13	ns7	•
	F		क	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	to he he	作。	
	CF -	RD :herr her	15		~ 5 F		
	ं कि		न्म मे		5 5	ho/	
	THE	To stort	E T		dr		
	F. H	न मे	H 15		停作的	F	2 -
	म क्र	म ज	47 75		中心性	ا) احلا	F. P.
	产作	7 F	12 15			E L	\$ <b>E</b>
	河…"	# #	, c=		12 (4) 12		
	三年年	नः स	FIFE	_	म में भे	मस	
		4-4-	العلاميالعل		~ . ~ !b	10.E	, 压, 格
	2		न चान		一年节	-##- -**	िरसा; नीसा, म, म, पम, धपम, पम, मंथसां, (
	2		6	F	泛定民	4 4	च ना
	· .	5				E, ~	E E
	:	-	स				र्ने। कि
	-		Ħ	#		_ 2	
-		*				-	
*****		II.	2				
			5	<b>b</b>			
*****		-	-	्रान्ता व			
-			-				
£.	<b>5</b> 1.		-				
	51, 61,						<del>-</del>
				्य खे			
# 1	E -			मोहच पाइच		to ch	•
म	魯				c i	म्। हिन संपूर्ण	•
	E E	le			,	_	
(p)	Æ	ক্ত		ने अ			
" (दुसरा मकार) [	(तिसरा प्रकार)	ं ९) हाहित		(१०) पंचम (हिंदोल व लालेत रागाचे मित्र प्रकार)	(इसरा प्रमा)	•	•
	3,6	or or		一个信任	<u>~</u>		-
				का जो ०	E.		
				ご一声	(v)		
				h-	66		

संस	गाण्याचा समय	रात्रीचा शेवटचा प्रहर	â	<u> </u>
पक्ट	व रागांची विशेष माहिती	( या प्रकारांत कोमल धेवत घेतात, म्हणून पुर्वी थाटाचा प्रकार आहे.)	( दाक्षण पद्धतीच्या सूर्यकांत शाटाचे प्रकार आहेत. अवरोहांत ऋषभ वर्घ केल्यांने दुसरा ओस्य प्रकार दोनो	( हा प्रकार पण सूर्यकांत श्राटाचा आहे. )
	आरोहानरोह स्वरूप	सा, म, मैं य सां; सां, रेंनीय, प, मैप, यनीयप, मेम, म; मैगरेसा; नेसा, म, म, सां, रेंनीय, नीयपम, सां.	सा, रेसा, म, म, म, मध, नीसां; रॅनीथ, मथसां; नीथ, म, मग, मगरेसा.	सा, रेसा, म, म, म, मथसां; सां, रेनीय, मा; प, म, पग, मरेसा.
k=11	श्रीप्राप्त	<b>गां</b> र्रह	*	~~~
	मुंशड <u>्</u> री		15	<b>.</b>
	। हि।ह	<u>.Ħ.</u>	2	*
वर्ध स्वर्	हांड्रांफ्रह		<b>b</b> .	_
1	हों इंदि <b>स</b>	y <del> </del>	(HID:	*
आगंतुक स्वर्	<b>ह्यां ह्यां</b> इंग्रह			
अं।	<b>हां झा</b> ग्रास्			
	नाति	पाडच सैरूर्ण	ऑडव पाह्न	अंडिव संप्णं
	रागांचीं नोवें	<b>पंचम</b> (तिसरा प्रकार) ( वसंत पंचम )	" (चव्या प्रकार)	" (पांचवा प्रकार)

(88)

<b>.</b>		प्रात;काळ	*		33
सा, थ, प, थम, पग, मंथ, सां; रेंनी, थ, पूम, पग, रेसान	( हा राग सूर्यकांत शाटाचा आहे व स्थांत दोन्ही मध्यम घण्याचा स्ववहार आहे. ) नीसा, गमप, म, पग, मध,	मंग, पंग, रुता, पं, पंगा, मंग, रेसा. मंग, पंग, मंग, रेसा; गप, गपथ, मंग, पंग, रेसा. (आरोहांत निपाद टर्झेल आहे.)	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·		-
म सा ,, सारे म, म, पम, म पथ सां,	प म, प म, रे सा अथवा सांथ, नीप, थम, पम, रेसा. नी सा, म म प, म, प म,	नीय, मग, पत्त, रेसा; नी, सारेम, मगरेम, पम,रेसा. सारेम, मग, पथ्मेंग, पम,रेसा; गप, सार, नी, रेग, पग, रेसा; गप, व्य, पंत्र, पंत्र, पंत्र, पंत्र, प्रमां; सां, नीघर, पंत्र, पंत्य, पंत्र, प	सारेग प, भेय, पथसां; सां, य, प, भेगरेसा; य, प, गरेसा.	नी, <u>रे</u> म, पथसां; सां, धनीधप; ग प, म, <u>रे</u> सा.	सारेग प, थ, सां; सांध, प, गप, ग, रेसा.
		<b>*</b>	2		*
<u> </u>	#	· F		*	2
II.	ש	ফ	2	2	
			ক	-H	मं ंच
		· ·			
<del></del>	Þ		ं <del>ह</del>	-\ar	事中
· Ex		₹6 ° <b>E</b> 2		-H	
संपूर्ण	पडिय	संकृष्ट स्		**************************************	आंडच   म

		(≀ <b>इ</b> इ	)		
	स्मा समय समय	मध्य रात्र किवा साविकाछिक	£	<b>.</b>	<b>.</b>
आहे. )	पफड व रागाची विशेष माहिती	सासा, रेरे, ग्रा, मम, प.	सारे गमपः गमपभनी (या प्रकारित दोन्ही गांधार व साः नी थपम, गमपम अवरोहांत क्रिनंत कोमल धैवत गरेसा नी साः	रेमपं, थ, साँ; नी थ प म ग्र, रेसा.	मप, नीसां, रेंगे, रेंसां, नीय- पम <u>ग</u> , रेसा.
रागांत आरोहांत शुद्ध निपात बेण्यांस परवानगी आहे. )	आरोहावरींह स्वरूप	सारेग, मे, प, य मी साँ। साँ नी घप, मगु, रे, सा.	सारे मुमप, गमपधनी साँ: नी घषम, गमपम गरेसानी साः	सा, रेम प, य, सां; सां, नीथप, मां, रे, साः	सा, रे म, रेसा, रेमपथ, नी सां, सां, नी यपम म,
सिहा	क्रनामामार्ग्ध	एरिट	\$ .	2	
ज <b>च</b> च	मृद्धी स्वर	स	-		सा
	्रिक्र रहेर हिम्	ъ	<b>S</b>	स	Þ
(७) काका मलजन्य (ह्या श्रायांचे	E Disiyie Disiyie Disiyie Disiyie Disiye			াকীন	FI
<del>\</del>	नाति	संपूर्ण	2 2	ओहव संपूर्ण	पाडव संपूर्ण
	(मांचीं नांचें	) काफी	ग्र प्रकार )	संचर्वा	सिंदूरा वी व काफी चे मिश्र प्रकार)

		•	( 00 )	•	
हित्रसाचा तिसरा प्रहर्	<u>.</u>	2	<u> </u>		<u> </u>
निसा, गुषष, घष; नीत्रपग्, मगु, रेसा.	न्सा, म, म, रसाः नीयपु, मृष्नुसाः मम्, मप, मम्रसाः	म प, नी सां: गमनीप, सांनीपमाः नीसा, म ग्र, सा. ग्र, सा.	निसा, रेसा, नीथ्रप, सा; रेस, प, धगु; रेगुष्ण, रेसा.	सा, रेम, प, नी सां, सां नी (या प्रकारांत दोन्ही गांधार्ध प प, यम, गम, गर, गसाः, वेतात. खमाज व काफी मेळ - गरे, मग, पम, गम, रेग, वा मिश्र प्रकार अहि. ) सां, रेरे, रेग, रेसा.	पण, मण, रेसा; नीसा, गम, पगम; नीधप, मगम, गरेसा. ( या रागांत दोन्ही गांबार हेतात. )
नीसा, गुमप, नीसां, सां, नीयपः गुमप्य, मग्र, रेसा.	नी सा म, म म, प, नी सां; सां, नी घप म, म रे सा.	ने सा गु, म प, नी सां सां, नी प, म गु, सा.	नीं सा, रेम, प, नी सां। सांनी घप, घम गु, रेसा.	सा, रेम, प, नी सां, सां नी थ प, यम, गम, गरे, गसा; गरे, मम, पम, गम, रेग, सां, रेरे, रेग, रेसा.	नीसा, गम, प, नी सो; सो, ने ध प, म ग म; प्ण, प्ण,
lijeh	**	. 23	23	25	2
5	'দি।	पंतर विस्तर	ರ	2	Þ
	Ħ	ĦI	म	2	Ħ
	•	দে ফ		•	
ता भा	*	ান ক	त्र।म	ফ	/H
ঠো		de			
Carrier 1 4 4 4 14	. To have a second and a second and a second and				
ओडव संगूर्ण	*	आंडव	भोडव संपूर्ण	पाडव संपूर्ण	अं हिंद संपूर्ण
(४) धनाश्री (काफी थाट प्रकार)	(५) भीमपत्नासी (या रागांत कोणी कोमल धैवत घेतात.)	(६) भानी	(७) <b>परमंजरी</b> (काफी थाट प्रकार)	"( मित्र प्रकार )	(८) परद्गिकी

## (७) काफी मेलजन्य रागांचे स्पष्टीकरण. काफी मेलवे स्वरः—सारे मु म प ध नी.

( सा थाटाचे रागांत आरोहांत शुद्ध निपाद घेण्यास परवानगी आहे. )

		(-80)		
	<b>राग</b> गाण्याचा समय	दिवसाचा तिसरा प्रहर	<b>*</b>	मन्य राज
	पक्षड व रागाची विशेष माहिती	सा, रे ग, म, प, धनीसां; (या रागांत दोन्ही गांधार व सांनीधप, म, पधम, रेग, साः, धैवत वेतात. ) रेगम, रेग, साः	नीसा, ग, मष, म, षग, मष, साग, मष, गरेसाः नीसा, ग, नी साँ; साँनीधष, मग, मष, मष, म, पग. एथा रागांत दोन्ही गांधार बेतात. )	सा, नीथ, नीसा, पग, मथनी- (आरोहांत ऋपभ दुर्धळ आहे. सां, रंगुरंसां, नीध, म ग, या रागाळा कोणी काशिक मागरेसा. आफ्याळा पसंत नाहीं. )
	आरोहावरोह स्वरूप		नीसा, म, मप, म, पम, मप, नी साँ; सांनीघप, मम, मप, गुरेसा.	सा, नृष्टि, नृस्ता, मण्, मथनी- सां, रेंग्रेंसां, नृष्टि, म ग्र, मग्रेसा
	<u>क्तिविशिक्ष</u>	<u>स्</u> ग्रिंड्र्	2	<b>ग</b> ्रिक्ट
	प्रहर्न हिव्हिं	T.	<u>स</u>	#
	प्रह्म हिवि	<del>با</del>	<del>5</del>	<u> </u>
	स्र हिं हो अध्य			Ď
	हि कि निर्डिगर		দে ফ	<b>b</b>
	श्रे हो हो हो हो हो हो है। हिंह है   हो डो हो			
,	क्ष्र हों हों हों हो			· .
•	म सि	संपूर्ण	भे। द्व संपूर्ण	प्रिंडन
	स्मांचीं नांवें	(૦,) અફોર્મ	(१०) हंसकंकणी	(११) वागीव्यरी ( वागेश्री )

*	*		दिवसाचे दुसऱ्या प्रहरांत	*
सा, नीय,नीसा, मण, मथनी- सा, नी थ नी सा, मण; मथ सां, सां, नीय, पथनीय, नी थ, प; पथ, पथनी, यपगः,	मा, मारेसा अथवा सां, नी मा, रेसा. ध प म ग, रे सा. सा, ग म, ध नी सां, सां, साम, ग, रेसा, नी, भ नी नी ध, म ग, रे सा. (या रागांत दोन्ही गांधार घेतात)	कानड्याचा सर्व प्रकारांत गांधार स्वर अवरोहांत वक होतो. अर्थात ''गुमरेसा" असा प्रकार वार्तवार देषोस पडेळ.	कानडा रागांचा चलन मुख्यतः सारंग अंगांने होत असल्यामुळे गांधार व धेयत या स्वरांचे दोंवे- ह्य असते. या रागांत थोडासा	कोमल धेवत स्वराचा उपयोग काचित केटा जातो, जमें मप, यनीप, नीघ, नीसां, धनीप, मप, गम, रेसा. कोमल धेवत स्वर अगदीं गीण आहे.
सा, नीय,नीसा, मग्न, मथनी- सां, सां, नीय, पथनीथ,	मगु, मगुरेसा अथवा सां, नी धपम गु, रेसा. सा, गम, धनी सां; सां, नीध, ममु, रेसा.	नीसा, मु, मरे, सा; गम, पृथनी सां; सां, नीधप, नीमप, मु, मरे, सा.	नी सा, मेरे, सा; नीसा, गम, पम, गम, नीप, सां; मप, नीसां, नीप, मप, गम,	सा, रे, म, म, रेसा; नीसा; रेम, प; घ म प, नी सां; सां, नी प, घ प, म प, गम, रे, सा.
**	*	\$	2	
~		b	<b>#</b>	<b>#</b>
5	~	臣	Ħ	<b>b</b> ·
*********	ש		ফ	
	(h/ b			
संपूर्ण	ओडव पाडन	स. जु	मादव	माडव संपूर्ण
,, (दुसरा प्रकार )।	(१२) मालगुंज	(११) हसीनी कानडा	(१७) सुहा कानदा	(१५) मुघराइ ऋनिडा

( सा थाटाचे रागांत आरोहांत ग्रुद्ध निपाद घेण्याची परवानगी आहे. )

	( 4	9)		
र्गम गण्याचा समय	दिवसा। दुसऱ्या	मध्य राज	£	ारीने सार्वकाालक । )
पकड य सागांची विशेष माहिती				म प म म, घ, नीसां. ( आरोहांत मध्यम व स्वरांची संगती आहे. या सं वागेशी रागाचा भास होतो
आरोहावरोह स्वरूप	नीसा, मरे, पम, नीप, सां; सां, नीप, मप, ग्रम, रेसाः	नीसा, रेंग, मरे, सा; नीधप, धम, मप, सां; नी ध नी प, मप, गु, म, पग, म, रेसा.	सारे, गूप, रे, सा; नीप, मप, साँ; नी साँ रें सां, नीसाँ; नीप, मप, गु, मप, गुम, रेसा.	नीसा, गुम, प ग म, घ, नी सां, सां, नी घ नी प, भप, गुम, रेसा.
स्राधाद्यास	<u>इं</u> ग्रिक्ट	2	*	<u> </u>
प्रम् हिम्मे	#	Ē.	<b>4</b>	
मृह्ये विश्	Ħ	<b>5</b>	Ħ	
में हैं में होंडोंग			ফ	b
l Elem		~	2.	14
होता है। हो हो ह	ke			-
है है मिंडिंग	<u> </u>			F
जाात	पांडव	पाडव संपूर्ण	. पीडव	पाडव पाडव
स्थानिधं नवि	(१६) देनशास	(१७) महामा कानडा	(१८) नायकी कानडा	(१९) बहार वागीधारी, मल्हार व अञाणाने मित्र प्रकार.)

		`	•		
- दिवसाच्य≀ मध्यान्ह प्रहर्श	<u> </u>		<u> </u>	13	
नीपमरे, सा, नीष, नीसा, रे; मरे, पमरे, सारेसा.	चतुर पंडीतांचे मत असे आहे की मध्यमादि सार्गात आरोहा वगेहांत फक्त क्रोमळ निपाह	स्वरांचा उपयोग करावा आणि बुदावनी सारंगात आरोहांत शुद्ध व अवराहांत कोमल निषाद स्वराचा उपयोग करावा.	नीनीप; मपनीप, म, रेसा, रेस, प.	( या प्रकारांत धेवत स्वर , अगदीं गोण आहे. )	(या प्रकारांत शुद्ध गांधार स्वर् अवरोहांत थोडासा वक्र रीतींने घेतात. हा स्वर अगदीं गीण अहे.)
सा, रे, मप, नी, सां, सां, नीपमरे, सा.	नीसा, रे, मप, नी, सां, सां, नीप, मरे, सा	नीसा, रे, मप, नी, सां; सां, अप, मप, नीप, मरे; रे, मप, अप, मप, मरे, सा.	सा, रेम, प, नीप, नी, सां; सां, नी, पम, रेसा.	सा, रेम, प, नीप, नी, सां; ( या प्रकारांत हैं सां, नीप, यप, धमप; रेम, प, अगदीं गीण आहे. धनीप, म, रेसा; सां, नी, मप, नीनीपम, रेसा.	नीसा, रेम, प, धनीसां; नी सां रें सां, प, नीधनी, मप; रेम, ममरे, सा.
lelep	5	22	5	*	
IIÎpp	*	*	स		*
cla/	23	\$	ъ	3	2
दान	£	FI	त्राम	ार्च :	*
ा व । च		\$	2	· F1	
					F
ओहव	4	जोडव पाडव	भोडन	विद्व	£
(२०) मध्यमादी सारंग	(२१) हंदावनी सारंग	7, (दुसरा प्रकार) (या प्रकारांत घेवत स्वर गीण आहे.)	(२२) वडहंस सारंग	गै( दुसरा प्रकार )	3, (तिसरा प्रकार)

		स्राम
. काफी मेलचे स्वरः —सारे मुम प घ नी.	ति आहे. )	पक्रड
रागांचे स्पष्टीकरण	टांने श्मांत आरोहांत गुद्ध निपाद घेण्याची परवानगी आहे.	वुरुयं   प्र स्वर् प्र स्वर् प्र
) काफी मेलजन्य	(या थाटाने	आगतुम, इ स्वर
<u></u>		

				( ५२	)		
		साम	माण्याचा समय	दिनसाच्या मध्यान्ह प्रहरी	2	*	*
:सारेग्मपथनी.	मि आहे. )	पक्रड	व रागांची विशेष माहिती	नीसा, रं, मप, नी, सां; रें, पि, मा, नीप, मरे, साः रे, मेरे, सां, नीप, मप, मप्प, पम, नीधप. रे, साः	सा, रे, मरे, मप, नी, थनी, सा, नृंसा, धृनो, पृथ्सा; रे, पृथ सां; सो, नृंप, मरे; म, पमरे, सा. पृथ, मरे, सा; नृषि, रेसाः (आरोहांत निषाद व अवरो- हांत धैवत दुर्बल आहेत. )	सा, रे म रे, प, मैप, नीप, (या प्रकारांत आरोहांत थोडासा मप, मरे, सा; नीप, नीसा. तीव मध्यम स्वराचा उपयोग	$\sim$
रागांचे स्पष्टीकरण, काफी मेलचे स्वरः-सारे गु म प ध नी.	रागांत आरोहांत गुद्ध निपाद घेण्याची परवानगी आहे.)		आरोहावरोह स्वरूप	नीसा, रं, मप, नी, सां; रें, मेरें, सां, नीप, मप, मनीधप, रे, साः	सा, रे, मरे, मप, नी, थनी, प ध सां; सों, नीप, मरे; म, प, धप, मरे, सा; नीध, रेसा.	सा, रे म रे, प, भैय, नीप, मप, मरे, साः नीप, नीसाः	सा, रेमरे, प, मप, नी, सां; सां, नीप, भैप, घप, मरे; रे, प, मरे, सा.
#	राष्ट्र		क्षाप्राध	nî इं	-		ŝ
वाः	जा	75	हिम्म	ط	2	2	<u>.</u>
	शम्	<u>}</u>	में ज़िक्ष	der .	2	13	2
नु		वज्ये स्वर्	होंड़ार्रहरू	ाच	।च	ष । च	FI
अस	(या थाटाचे	l	नार्डाग्रास	ष । च	lच 	ष । च	. 2.
土	या	आगतुर. स्वर	<b>नांडा</b> र्ग्रहारू	-	-		
कि	)	ल	नाडाग्रास्				
(७) काफी मेलजन्य			जाति	. आदव गाडव	पाउन	अं। खब	ओडव पांडव
<u>`</u>			रागिषीं नवि	(२३).सामंत सारंग	(२४) मीयां सारंग	(२५) कुद्ध सारंग ( सुर सारंग)	ं,, ( दुसरा प्रकार ) (या प्रकाराला कामु- दसरी जाने म्हणतात)

33	वर्षा ऋतुत सावेकालिक, क्रिया मच्य रात्र.		,	,	<u> </u>
·	(या रागात आरोहांत थोडेसे गुद्ध गांधार स्वर घेतात. )	मपथसां, अपम, सारेम.	रेम, रेसा, नीष, नीसा; रे, म रे, प, रेम, रे, सा. ( ऋषमांदोलित व कोमल गांधार	गुप्त स्वर आहेत. )	रेम, रे, सा, नीप, मृष, नीथ,
सा, रेमरे, मप, नीसां, सां, नीप, रेमरे, सा, नीसा, मु, मरे, सा:	साम, रेम पनी, सां, नी थ प; थ, पम गम, गु, मरे, साः, थ सां, नी थ पम, ग रे, साः	सारेम, प, मप, थसां; धषम, रेसा.	सा, रेम, रेसा, रे, मरे, प, मय, नीप, नीसों, सां, नीप, मप, रेम, रे, सा.	नीसा, रेम, पम, नीघप, नी- सां; सां, नीप, मरे, सा.	सा, रेम, रेसा, मरे, प, नीथ, नीसां; सां, नीष, मष, गुम, रेसा.
	 ड्यर्गग	2			
	# T	~~~~	<b>b</b>	, E	5
	<b>14</b>	<u> </u>		#	<u> </u>
্য়ান —		। में । च	मा जि	1#	μ,
		ागि।च	रः। च		
ओडन पाडच	मपूर्ण	ओडव	£ .	अंडिव · पाडव	संपूर्ण पाडव
(२६) कंकदहन (सारंग व कानड्या- © चा मिश्र प्रकार.)	(२७) साबन कंफदहन ( सार्रा, कानडा ब मल्हारचा मिश्र	४ मार. ) (२८) मुद्ध महहार	(२९) मेघ ( सारंग अंग )	(३०) सुर क्षिया सुरदासी मल्हार (सार्गा व मल्हार गामंत्रा मिल्	रागाया । मत्र प्रकार. ) (३१)मीयां मल्हार (कानडा व मल्हार रागांचा मिश्र प्रकार.)

काफी मेलजन्य रागांचे स्पष्टिकिरण, काफी मेलचे स्वरःसा रे ग म प थ नी.	( या आयाने आगेहांन झट निवाट सामानी मामाना सामे )
र्हा मेल्जन्य	रा शास्त्राम् ग
(の)	

					( 4	28 j	)					
		414	गाण्याचा समय	वया ऋत्त	सावेकां लेक   क्रिया मध्य				· .	<u> </u>		
रःसारे गुम पथ नी.	ी आहे. )	प्रमुख	्ब रागांची विशेष माहिती	(या रागांत दोन्ही गांधार व	धनत घतात. )	-	सारेम, प, घ सां; सां, नी संनिष, मप, घसां; नीप, मप, प, म प, गम, रेसा.	रेगरे, म, गरेसा: मपधतां.	थपमग.	तानसेन मीयांचे घराण्याचा प्रकार	युष, धन्तिमा; साग, गरे, गुम आहे. अंशात ह्याला धनुका थात पम, गरेसा.	ऋषम व गांधार स्वर वेतात. ।
रागांचें स्पष्टिकरण, काकी मेलचे स्वरःसारे गुम पथ नी.	( या थाटाचे रागांत आरोहांत शुद्ध निपाद केण्याची परवानगी आहे. )	-	आरोहाबरोह स्वरूप	i ——	सा, थनाप, मप, गम, प, घ घवत घतात. ) म प, ग म, रे सा.		सारम, प, घसां, सां, नी प, मप, गम, रेसा.	रेगरे, म, गरे, सा, रेप रेगरे, म, गरेसा: मपधनां.	म प, घ सां, घ प, म मः, मप, घ, नीघ, नीसां: सांध.	नी पम न, मरे, सा. नेसा, गु, रेसा, नीसा, नी	युप, धन्तिः, साग्, गरे, गुम	-
प् वो	रोहां	<u> </u>	विष्या	गिरित	:E:		*	:		विषा	b b	• •
E	त स	163	िहाइस	Ħ				2		। जी		_
	रागां	44	म् हिम्ह	#			:	*		।च		•
अस	टाचे	व्यये स्वर्	हांडाग्रास्ट हांडाग्रहस्ट			·						-
( ७ ) काफी मेलजन्य	( या थ	आगंतुक स्वर्	होंडाग्रिष्ट होंडाग्रेहस्ट नंक्स									-
ि ( १)	,		जाति	संपूर्ण			,,			*		,
<b>\</b>			रागांची नांबे	(३२) मीगंबाइकी	न मल्हार रागांचा	मिश्र प्रकार. )	(स्र) गांड मल्हार् (काफी थाट प्रकार्)	गौड मरहार	(गाड, अरुह्या व मल्हार रागांचा	ामश्र प्रकार. ) (१४) पीछ		

•			•	
	सार्वकालिक.	£.	****	दिवसाचा तिसरा प्रहर
नीसा, गरे, नीसा, गमप, ग्र, (या प्रकारांत वारा स्वरांचा   नी, सा; नीसा, ग्र, रेग, मप, उपयोग करण्यांत येतो. मैरवी, घप; नी प प, मप, ग्र, नीसा; गौरी, भीमपलासी, इ. रागाच्या रेनीघप, मेप, धन्नीसा; प, मप, सिश्र स्वरूप आहे. ) ग्र, नीसा.	सा, रे ग सा; रे म पथुमप, (हा राग पीछ, काफी, सिंदुरा सिंककालिक नीसा; सां नी घ प, म प, व देशी रागांचा मिश्र प्रकार अहि. या रागांत दोन्ही गांधार, धेवत व निपादचा उपयोग होतो.)	ह्या रागाचे स्वह्तप-सरळ आरो- हावरोहाने दाखविता येण्या- सारखें नाहीं.		नीस', रंगरे; ग्रसानी, ध्रम्प, थ्रसा. (आरोहांत निषाद दुर्बेल आहे.)
निसा, गरे, निसा, गमप, ग, नी, सा; निसा, गु; रेग, मप, धप; नी घ प, मप, गु, नीसा; रेनीधप, मेंप, धन्तिसा; प, सप, ग, नीसा.	सा, रेम सा; रेम पश्चमप, नीसा; सां नी घप, मप, रेगरे, नीसा.	सा नी थ् प्, थ्सा, रेगरे; रेगमप, गमप, गरे; रे, रेग, सारे, नीसा. इ.	त्र, <u>नीगरेग,</u> रेसा, गु, रेसा, ध्रनीसा; मध्रनीसा, ध्रनीसारे, गु, सा, रेसा. इ.	नी सारेगम पष्यसो; सांनी घपमग्रेसा.
5	\$	. 6	*	*
*	ದ	\$	Þ	ם
•	Ar	*	म	( <del> +</del> /
*	*	<b>÷</b>	*	#
1, ( मिश्र प्रकार )	(३५) वरवा	(३६) जंगला (पीछ व झिसोटी रागांचे मिश्र प्रकार.)	(३७) जिस्हा ( कार्की, खमाज, पीछ इ. रागांचे मिश्र प्रकार.)	(३८) किनीणी

		\ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \ \			
HAT.	राग गाण्याचा समय	दिवसाना दुसरा प्रहर			
	पकड ब रागांची विशेष माहिती	रे, भष, नीघ, ष, घ सो; नीघ, प, मष, म, रे, सा.	मप, ध, नीसां, नी, ध, पः मप, म, रे, सा. (आरोहांत । हिनेत शद्ध निपास धेतात.)	(अवरोहांत किनित कोगल अध्पर बेतात. )	, ममपरतां, निधपः ग्रम, प ध प, ग्रम, गरेसाः (भिमपञ्जासी रामानी श्रमः आहेः)
	आरीहाबरोह स्वरूप	सा, रे, म प, घ, सां; सां, नी घ, प, म म, रे सा. ( आराहानरीहांत कागल घडाम केतल्यांने मेरवी भादना प्रकार	होतो. ) सा, रे, म प, थु, मी सां; सां, नी थु, प, म गु, रेसा.	सा, रेमप, नीघ, प, सां; नीसां, रेसां, नीघप; मप, नीधप, मपण, पां, रे, सा.	सा, ग्रम, प, नी, सां; सां, म नी घप;ग्रम, पथ्रप,ग्रम, ग्र
	स्राधाराः	Fiyps	-	<b>\$</b>	
	प्रम्न शिह प्रम्न शिहमे	म्।	2	<u> </u>	स
	प्रम्न शिष्ट	হা		2	耳
भागंतुक विस्थ	E Distype Distype Distype Distype	। ज्ञान	।न	ार्याच	भ हा
	माति	ऑडन संपूर्ण	पाउस संपूर्ण	ओडच संपूर्ण	2
	रागांची नांबे	(१) आसावरी	(२) जोनपुरी	( ३ ) देवगधार ( गंभारी )	( ४ ) आभीरी

(५६)

<b>*</b>	8. 6.	*	मध्यरात्र.
प्रारेग, सारे, नीसा, युप्, असा, नीयप.	ं (पंचमाश पडज कत्र्न मैरवी गाथली असतों या रागांज स्वरूप व्यक्त होते. ) रेमपः, रेमपथपः, नीधपः, रंगरे, नीसा. (आरोहांत शुद्ध निपाद व अवरोहांत कोमल ऋषम स्वर् काचित घेतात.कोणी दोन्ही धैवत स्वरांचा उपयोग कारितात. तर	कोणी फक्त शुद्ध वैवत स्वर् बेतात ) नीसा, गुम, प, श्रप, मप्यप; सांनीधुप, मपगम; नीथप, मपगम, गरेसा	·
सारेगमपथनी सां;	( आरोहांत शुद्ध वैक्त वेण्याचा व्यवहार आहे. ) नीसा, रमप, नी, सां; सां, नीयप; रे म प ध म प, म, रे सा.	हा राग सहः रागांचा एक मिश्र प्रकार आहे, करितां ह्याछा स्वट (म्हणजे सहा) राग म्हण- तात. ह्या रागात दोन्ही ऋषम, गांधार, वैवत व निपाद स्वरां- चा उपयोग होतो. ह्या रागांचे स्वरूप सरळ आरोहावरोहाने दाखवितां येण्यासार्खे नाहीं	न्सिसम, गुम, पग्न, मग्न, रेसा; म, ध, नीसौ; नीथ, मधनीधम, पग्न, मग्न, रेसा.
सा ।;		F	
<b>4</b>	H) 17	<b>E</b> 1	#
प् किंबा	च ।त	ত।	<b>म</b>
	छ। च		य भ
संपूर्ण ।	ओडंव संपूर्ण	संपूर्व ,	ओडव संपूर्ण
(५) सिंघभैरवी	( ह ) देसी	(७) पद्भाग (स्वट)	(८) कौशी (मालकोश व धनाश्री रागांचे मिश्र प्रकार.)

		( 10 )	
•	र्गा गाण्याचा समय	रात्रीचा तिसरा प्रहर	मध्यस्।ज्ञ
न्य रागांचें स्पष्टीकरण, आसावरी मेलचे स्वरःसा रे गु म प थु नी	पकड व रागांची विशेप माहिती	सार्मम प, ध नी सो; सांधुनी प, म प, गुम, रेसा. ( बा रागात सारंग अंग अस- ( हा राग राजीचा सुहा राग स्यासुळे आरोहावरोहांत गांधार समजावा. कांही अंथकार छुद्ध स्वरृद्धेल जाहे. आरोहांत दोन्ही वेबत मानून स्वाचा थाट काफी निपाद बेतात. )	नीसा, रेग, रेसा, मप, घ, गि, रे, सा; घ, नीसा, रे, सा; नीसां; सां, घ, नीप, मप, गु, नीघ, नीसा, रे, गु; घु,रे, सा. परे, सा. (बारागात गांधार दुर्वळ आहे.) हन कारच वेचित्र्यदायक असते.)
पष्टीकरण, आसावरी मेलचे	आरोहावरोह स्वरूप	सारे म प, ख नी सो; मिं सां सां प्रमा में सा. (बा रागात सारंग जैग अस- रिवासुळे आरोहाबरोहांत गांवार स्वर्दुबंह आहे. आरोहांत होन्ही स्वर्दुबंह आहे. आरोहांत होन्ही	नीसा, रेग, रेसा, मप, घ, नीसां; सां, घ, नीप, मप, ग, मरे, सा. (आरोहांत गांधार दुर्बळ आहे.)
ਜ∙ //ਨ	स्त्राधाराम्ह	<u> </u>	ក្រុំទុក្ខ
<u>-</u>	प्रहर्न हिल्हें प्रहर्न हिल्हें	-	ב
	्रह} हि  <b>ह</b>	4	. ler
सम्ब	हि हि निर्देश	হৈ।	· \$
मेळ	Eisfers		
<u>₹</u>	श्री हो <u>जिं</u> डीग्रास्ट स्ट्रिक्ट <u>जिंडीग्रास्ट</u>		-
(८) आसावरी मेल्ज	जाति	सेपूर्ण पाडव पाडव	£.
(v)	रागांचीं नांवें	(९) अडाणा (कानडा व मेघ रागांच मिश्र प्रकार.)	१०) दरवारी कानडा

(40)

GT!
मिम पथ्रमी
Þ
Ħ
ान ।सं,
11-1
H
i
स्तरः
15
वाः
मेलचे स्व
क
THE
•
b
1
4
% <del>125</del>
半
FB-
P
य
4
_
10
PA
φ ₀

		होन ति	स चि	المنظ الما	her ho	
र्मान	समय	दिवसा प्रहर्परं	किया सार्व कालिक	रात्रीचा तिसरा प्रहर	दिवसाचा दुसरा प्रहर्	
hv)	्व रागांची विशेष माहिती	निसा, गुम, ख, पम, गुरे, गुम, दिवसा दोन गरेमा: ग्रेम रेग, मारेमा		मम, सा, <u>यनी,</u> सा, म.	गप, यसा, थप, था, रेसा.	
	आराहाबराह स्वरूप	नीसा, रेगम, प, थनीसां; सां. नीथवम, ग. रेसा.	( आरोहांत अनेक बेळा तीत्र ऋषमाचा प्रयोग केलेला हधीस पडता. )	नी सा ग म, घ नी सां। सां, नींधम, ग्रम, ग्रसा,	सारेगप, यसाः, सां, यप, यग, रेसाः	
. kalk	ព្រៃម៉ែ	गांरु हर		3.5	2	
रेडर्	डि <b>म्</b>	<b>≒</b> 1	<b>#</b>	स	।इ	
<u>}</u>	વાિં	बिंह्य । तर	म	Ħ	ক্র।	
वर्ध स्वर्	हांडांर्रहरू			च ।का	ानः म	
- व न	हां इंग्रिष्ट			(H) D	ा म	
। स्वर् -	हांड्रांप्रहार	- <b></b> #				
आगंतुक स्वर्	हांड्राप्रीस	رجاء				~~~~~~~~~~~
	<u>ए</u> च	संपूर्ण		ओडव	2	
2	रागाचा नाव	(१) भैरवीं		( २ ) मालकोश	( ३ ) भूपाल	

स्मार्ची नांबे	माप	क्ष हों हों हो है। छ	स् <u>निंड</u> ्रोंस हो से <u>निंड्रों</u> स्ट	हिंहिंगिर हिंहिंगिर	<del></del>	वादी स्वर	प्रम् हि।हम्	फ्र- ४ ए।ए <b>।</b>	आगोहावरोह स्वरूप	पकडं व सागंची विशेष माहिती	म् सम् समय	
(४) विञासत्तानी तोडी	 पाडन संगूर्ण			THE PERSON NAMED IN		ाठः	اخا	ागंप्रहरू	निसा, रेंग, मग, रेंगरेसा; गव, पयसां: रेंनीयव, पथगः	नीसा, <u>रे</u> सा, <u>धनी</u> सा, ग <u>ुश्म</u> , गग. रेगरेसा. ( अारोहांत	   दिवसाचा   दुसरा	( 8

क्र

(९) भैरवी मेलजन्य रागांचे स्पर्धाकरण. येरवी मेलचे स्वरः--सारे ग म प ध

( & e दुसरा

स्सा "

4

[ত।

**~** 

( ५ ) लाचारी तोडी

मिष, पयसां; रेंनीधष, पथम; धनीधष, मु; पष्युममः, रेंग, मम, रेसा.

आरोहांत गुद्ध व अवरोहांत दुर्नल आहे. सा, स्त, रेसा, ग म, प, नी साँ; साँ, नी घप, ग म प. ग, रेसा.

निपाद व अवरोहांत मध्यम स्वर् (आरोहांत ऋंभ दुर्वल आहे.

1

*

नी सा, गम, प, नींसां, सां, नींसा, गमप, धप; नींधपमपग, नी थ प म प ग, रे सा. रेसा. (आरोहांत शुद्ध निपाद न अवरोहांत शुद्ध ऋषम थोडेसे

<u>म</u> गिंह्गु

**.** 

। তা । जो

ऑडव संपूर्ण

(६) धनाश्री मेरवी थाट प्रकार)

-**;**=

वेतात. )

कोमल निपाद घेतात.)

जारोहांत

मग, रेगरेसा.

(१०) तोडी मेलजन्य रागांचे स्पष्टीकरण. तोधी मेलचे स्वरः सा रे ग मं प ध नी.

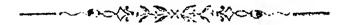
राम माण्याचा ती समय	<b>मंप,</b> दिवसाचा दुसरा प्रमाण प्रहर.	[युक्ताः] साः	मंद्र बं
पकड ब म रागांची विशेष माहिती	धुनीसा, रे ग, रे, सा; भैप, ध्रमेग, रेग, रे, सा. (हा रागांत पंचमाचे प्रमाण अंमळ कमी असते.)	बन्सारे, सान्ध्य, मृष्यसा, न्सि, रेम, पर्यम, रे, सा	ह्या रागाचा विस्तार मेड मध्य स्थानांत अधिक असतो
आरोहाबरोह स्वरूप	सा, रेग, मंप, थ, नी सो। सो नी धप, मंग, रेसा.	नी सा, रेंग, मैष, य, नी सां; सांनीय, प ग, मण, रेसा.	य पृष्ट् नीसा,रेग,रेसा; नीसा, ग, मरेग मंध्र नी धर्मा, रेग,रेसा
लंगविधिन्त	ांग्रह्छ .	23	
रुष्ट्र हिष्टि	l국	*	£ .
मही स्वर	रिग		n n
क्षे कि <u>निंडिंगि</u> के निंडिंग्रिक्ष इस्ते निंडिंग्रिक्ष		anginakin da kambi kenanin da	
ह्य क्राह्म <u>निंड</u> िंग्राम्स ह्या हो हो हो हो हो हो हो हो हो है			
नाति	संपूर्ण	٠.	*
रामांचीं नांवें	(१) तोडी	( २ ) मीयानी तोडी	(३) बहादुर्भ ताडी

स्मि सम्बन्ध	दिवसाचा दुसरा प्रहर	हिवसाचा चतुर्थ प्रहर
पकड व स्लांची विशेष माहिती	न्तिस, रेस, मंत्रमेस, नीथमेस, रेस, रेसा.	नीसा, मैग, षमैत्रपः, नीत्रपत्त, पग्, रेसा.
आरोहाबरोह स्वरूप	ने सा, रे म, मंत्र, नी सां, सां, नी य में म, रेम, रेसा.	नेसा, गुमे प, नी सां, सां नी युप, में गु, पुग, रेसा.
इनामामान्य	<u> मिर्फ्ट</u>	\$
प्रवृ हि हि	मा	स
रहरे हिष्ट	।তা	<u> </u>
्रेष्ट <u>क्रिक्स</u> हो हो हो हो हो हो हो हो हो है ।	<u> </u>	
म होड्डांग्रस	<u> </u>	ার। কা
ह्य हो <u>होंडों</u> स् होडोर्फ्स		
जाति	पाडव	अंडिय स्पूर्ण
रामांचीं नांवें	( ४ ) मुर्जेश तोडी	( ५ ) मुलतानी

(१०) तोडी मेलजन्य रागांचे स्पष्टीकरण. ताडी मेलचं स्वरः-सा रेम मे प य नी.

~•००% खुलासा. ॐ०७~ ~•००+४०७.- राग स्पष्टीकरण पत्रकांत पक्तडीच्या खाम्यांत ( in the Column ) कांहीच नमूद केंछे नेसेल तेव्हों, रागांचे आरोहाबरोह हीच त्या रागाची पकड समजावी.

## ्रि राग गाण्याच्या वेळेची भाहिती. 🔭





पत्या हिंदुस्थानी संगीतामध्यें प्रत्येक राग कोण कोणत्या वेळी गावा हा एक फारच महत्त्वाचा विषय आहे. रस व भाव वैगेरे साहित्याचा संगीत विषयाशी तंत्पट न्यायाने निकट संबंध आहे, म्हणूनच संगीतांत प्रत्येक राग गाण्याच्या वेळला महत्त्व दिलें आहे. मनाच्या वृत्तीचे निर-निराज्या प्रसंगी भिन्न भिन्न रूपाने व्यक्त होणें. किंबा मनाचे अथवा

चित्रांचे आनंदित किया द्रियत होणे याला रस (Sentiments) म्हणतात. रस हा तर्क्य, वाच्य, लक्ष्य, किया नित्य नस्त्न अर्थसंकेताच्या ज्ञानाचा मात्र तो अनुभव आहे. मुख्य रस नक्ष आहेत; जसं:—(१) शृंगार (Love), (२) वीर (Heroism, Valour), (३) करण (Tenderness, Compassion), (१) शांत (Quiescence, Trunquility), (५) रह (Anger), (६) हास्य (Mirth, Humour), (०) भयानक (Terror), (८) वीभत्स (Disgust) य (९) अद्भुत (Surprise). प्रत्येक रागाचा रस त्याचे स्वरावकृत व्यक्त होतो म्हणूनच प्रत्येक राग त्याच्या रसाला अनुकृल होईल अञ्चाच वेळीं गाणे योग्य आहे.

दिवस व रात्रीचे मिळून तास २४ व प्रहर ८, म्हणजे तीन तासाचा एक प्रहर होतो. त्याचा खुलासा असा:—-

पहिला प्रहर – सकाळचे	૭	वाजल्यापासून		१०	वाजेपर्यंत.
दुसरा प्रहर – सकाळचे	१०	<b>,</b>	दुपारचे	१	<b>;</b> ;
तिसरा महर - दुपारचे	१	"	दुपारचे	8	"
चवथा प्रहर - दुपारचे	δ	75	सायंकाळचे	Ø	,,
पांचवा किंवा रात्रीचा १ ला ,, - सायंकाळचे	0	23	रात्रीचे	१०	"
सहावा किंवा रात्रीचा २ रा. ,, - रात्रीचे	१०	17	रात्रीचे	?	17
सातवा किंवा रात्रीचा ३ रा. ,, - रात्रीच	?	"	पहाटेचे	8	7,7
आठवा किंवा रात्रीचा ४ था. ,, - पहाटेचे	8	; ;	सकाळचे	७	73

या प्रमाणें सर्व रागांचेहि ८ भाग करून ज्या प्रहरांत जे राग गाणें योग्य आहेत त्या प्रहरांत त्या रागांची नांवें पुढें " राग कालदर्शक पत्रकांत " दिलीं आहेत. प्रचलित हिंदुस्थानी संगीतपद्धती दहा थाटावर कायम केलेली आहे. ह्या थाटांत ज्या स्वरांचा उपयोग होतो त्यावरून त्यांचे तान वर्ग केलेले आहेत; जसें:—

१ पहिला वर्ग:—ज्या थाटांत कोमल ऋपभ व कोमल घैवत अथवा फक्त कोमल ऋपभ असतो तो. भैरव व पुर्वी ह्या थाटांत कोमल ऋपभ व कोमल घैवत असतो, आणि मारवा थाटांत फक्त कोमल ऋपभ असतो, म्हणून हे तीन थाट पहिल्या वर्गात यतात. ज्या ज्या रागांचा समावेश पहिल्या वर्गाच्या थाटांत होतो त्या रागाला संविप्रकाश राग म्हणतात, कारण हे राग. प्रातः काळीं व सायंकाळीं संधिप्रकाशचे वेळीं गाण्यांत येतात. ह्यावरून सिद्ध होते कीं संधिप्रकाश रागाचे दोन वर्ग आहेत.

र दुसरा वर्गः—ज्या थाटांत तीव्र ऋपभ व तीव्र धैवत असतो तो. कल्याण, विलावल व त्वमाज ह्या तीन थाटांत तीव्र ऋपभ व तीव्र धैवत असतो, म्हणून हे तीन थाट दुसऱ्या वर्गांत येतात. ज्या ज्या रागांचा समावेश दुसऱ्या वर्गांच्या थाटांत होतो, ते राग दिवसां किंवा रात्री गाण्यांत येतात, म्हणून ह्या तीन थाटांतील रागांचेहि दोन वर्ग पडतात, व हे राग संधिप्रकाशांचे राग गाईल्या नंतर गाण्यांत येतात. ह्या थाटांतील गौड सारंग राग दोन प्रहरीं व मालश्री राग दिवसा चवथे प्रहरीं गाण्याचा व्यवहार आहे.

३ तिसरा वर्ग:——उया थाटांत कोमल गांधार व कोमल निपाद असतो तो. काफी, आसावरी व मैरवी ह्या तीन थाटांत कोमल गांधार व कोमल निषाद असतात, म्हणून हे तीन थाट तिसऱ्या वर्गात येतात. उया ज्या रागांचा समावेश तिसऱ्या वर्गाच्या थाटांत होतो ते राग मज्यान्हीं व मज्य रात्री गाण्यांत येतात, म्हणून ह्या थाटांतील रागांचेहि दोन वर्ग होतात, व हे राग दुसऱ्या वर्गाच्या थाटांतील राग गाइल्यानंतर गाण्यात येतात.

वाकी राहिलेला दहावा तोडी थाट भैरवी व पुर्वी ह्या दोन थाटाच्या मिश्रणाने उत्पन्न झालेला असल्यामुळें त्याला मिश्र थाट म्हणतात. ह्या थाटाचे राग दिवसाच्या दुसऱ्या प्रहरीं गाण्यात येतात. ह्या थाटांतील मुलतानी राग एक परमेल प्रवेशक राग असल्यामुळें दिवसाचे चवथे प्रहरीं सायंकाळचे संधिप्रकाश रागाचे पर्वी गाण्यात येतो.

थाटाच्या तीन वर्गावरून गाण्याचे रस निर्णयिह करितां येतो. कोमल ऋषभ व कोमल धेवत वर्ग, अथवा संधिप्रकाश वर्ग करुण व शांन रसाला अनुकूल आहे. तीच ऋषभ व तीच धेवत वर्ग (म्हणजे यमन, विलावल व खमाज थाटांचे रागांचा) शृंगार रसाला अनुकूल आहे, आणि कोमल गांधार व कोमल निषाद वर्ग (म्हणजे काफी, आसावरी व भैरवी थाटांचे रागांचा) वीरादिक रसोपयोगी आहे.

# गाण्याचा वेळ ठरविण्याकरितां तीन गोष्टी महत्त्वाच्या आहेत

१ रागांचे वादीस्वर पूर्वांगांत किंवा उत्तरांगांत आहे.

२ तीत्र मध्यम स्वर त्या रागांत आहे किंवा नाहीं.

३ कोणकोणत स्वर त्या रागांत आहेत.

ह्याचा अधिक खुलासा असा:---

१ ज्या रागांत वादिस्तर पूर्वागांत असतील ते राग दोन प्रहरीं १२ वाजल्यापासून मध्यरात्रीं १२ वाजपर्यंत गाईले जातात, आणि ज्या रागांत वादी स्वर उत्तररांगांत असतील ते राग मध्य रात्रीं १२ वाजल्यापासून ते दोन प्रहरीं १२ वाजपर्यंत गाईले जातात. पडज, मध्यम व पंचम हे तीन स्वर पूर्वाग किंवा उत्तरांग, ह्या दोन्ही अंगांत वादी होऊं शकतात. ज्या रागांचा वादीस्वर पडज, मध्यम अथवा पंचम असतो, अशा रागांत रागाचा विस्तार होतांना कांहीं वेळा पूर्वाग प्रवलता हिप्तून येते. ह्यावस्त्रन हे स्पष्ट-पणें ध्यानांत येईल कीं, सा, म व प, हे स्वर वादी असणाच्या रागांचा विस्तार दोन्ही आंगांत होऊं शकतो, म्हण्नच गीतें रचणारांनी आपल्या इच्छेप्रमाणें त्या त्या गीतांत उत्तरांग किंवा पूर्वीग प्रवलता ठेविलेली असते. ही गोष्ट आपल्या सहो मध्य, मियाशामल्हार, वेगेरे रागांचे गीतांत उत्ताहरणार्थ वेतल्यास सहज ध्यानांत येईल. चांगले नामी गायक गातांना जो राग ते गातात त्या चिजेच्या आंगांनेंच त्या रागाचा विस्तार करितात, म्हणजे चिजेत ज्या आंगांचें प्रावल्य ठेविलें असेल त्याचीच छाया त्या वेळीं श्रोत्यांच्या मनांवर उठिवतात.

२ रागांत तीत्र मध्यम खरांवरून त्या रागाची गाण्याची वेळ सूचित होते, ह्यामुळें तीत्र म ला समयदर्शक स्वर म्हणतात. हा स्वर सायंकाळीं संधिप्रकाश थाटांचे रागांत येतो, व त्याचे पुढिल कल्याण थाटांतिह हष्टीस पडतो. मोठाले गुणी लोक दोन मध्यम घेणाच्या रात्रीच्या रागांत ह्या तीत्र म स्वराचा प्रयोग राग रिक्त संभाळून फारच कुशलतेनें करितात. पहांटेच्या कांहीं रागांत दोन्ही मध्यम घेण्याचा व्यवहार आहे. दोन मध्यम घेणाच्या रागांत कोमल मध्यम स्वराचे प्रावल्य असतें, व तीत्र मध्यम स्वर फक्त रात्रीच्या समयाचा इशारा करीत असतो. हिंडोल, तोडी, गौडसारंग व मुलतानी, ह्या दिवसांच्या चार रागांत तीत्र मध्यम स्वरांचा उपयोग होतो, पण हा अपवाद होय. ह्या चार रागांशिवाय दिवसाचे सर्व रागांत कोमल मध्यम स्वर असतो.

र सार्यंकाळचे रागांत गांधार व निषाद स्वर, आणि पहांटेच्या रागांत ऋषभ व धैवत स्वर नेहमीं असतात. कोमल ऋषभ, तीव्र गंधार व तीव्र निषाद हे स्वर संधिप्रकाश थाटांचे रागांची मुख्य निशाणी आहे. ह्या स्वरांत कोमल मध्यम स्वर घेतल्यास प्रात:कालचे संधिप्रकाश रागांची व तीव्र मध्यम स्वर घेतल्यास सार्यंकालचे संधिप्रकाश रागांची सूचना होते.

हिंदुस्थानी संगीत पद्धतीची उभारणी एखाद्या व्यक्तिमात्राच्या केवळ इच्छेवरून कशी तरी सालेली नसून पद्धतशीर व शास्त्रीय योजनेच्या पायावर झालेली आहे, हैं वरील विवेचनावरून कोणाच्याहि ध्यानीं येण्यासारखें आहे.

#### ( ६६ ) 🌇 गायनाचे संगीत छेखनपद्धतीचें शुद्धिपत्रक. 🔫 🕏 गुद्ध ओळ अशुद्ध पृष्ठ शुद्ध आळ अशुद्ध gy मंप ु १ सां सां ऩी म ध् नी सां नु 3 सा श्री श्री 188 8 ŧ गं ŧ ५ ग ·सां रें सां सां २६ Ę सा रे धृ नी सारे भृनी ९ व " ता रे दा नी ता रे दा सां सां | सां रें सा रें 130 - गग ग ,रे स्त २ सांनी सां कर क ,न करक ,न सानी सां 3 8 9 न न <u>ध</u> हां ६० 3 नी नी ध प हां भ प् ३४ O पि या -पिया -भ<u>ः</u> ह <u>ध</u> रा ध् २ ६३ सांध साध '३७

सुन

व

ध्य

सा हे

/३९

/ ४२

1 83

بوا

9

3

या - --21803

म ग

<u>ग</u> जि

ध

दि.

Ħ

गो

ग

ग

8

,,

৩

2

"

દ્ દ્

q

व

"

सां हे

म ध

-				_			
वृष्ठ	ओळ	अशुद्धः	ग्रद	पृष्ठ	ओळ	अशुद्ध	गुद
! ६९	v	सां सां सा यां छां डो	<b>.</b>	९५	હ્	ध में 	धु मै
300	8	सांधरे सां रामदोहाई		९६ ४		में घनी सां अंब वाकी	मंधुनी सां अंव वाकी
دور د	55	ग प ध साँ रें ग स्यामन व सियां	ग प ध सां रें गं भ्यामन व सि यां		٠ १	रेग य,	<u>रेग</u> ) य,)
। ७२	S	<b>प धु म</b> रत प र	<b>ध्रपध्रम</b> रतपर	ر ا ا	لع	गर्म	गर्म
v ,,	O	नी सां नी ध य न की -	नी सां नी धू यन की —	्र १००	٤	यां, गं गर्म	यां, मं गमं
10.3	33	नी रें हां तुं	नी <u>रें</u> लां तुं	1		मे — ×	में — •
١ ٥ ١	3	पुत्री	पूर्व्या	१०३	१	नी -	× 테 -
३ ७ ६	: 0	पथपसां जियसेग	प्यपसां जवसेग	८ १०७	દ્	आ -	आ —
7 33	77	<b>रेंगं</b> — पं कलनप	<u>रें</u> गं — पं कलन प	1		हे - र त	<u>नी</u> - सा ग् टे - र त
1 00	8	<u>†</u> † - 7	<del>1</del> <del>1</del> <del>1</del> <del>1</del>	११ <i>४</i>	२	म <b>-</b>	# -  :  :
৴७९	. 8	*:	 	33	ረ	सा <u>नी</u> सां – अ – हि –	<b>सां नी सां</b> — अ <b>–</b> हि <b>–</b>
/ <0	2	नी रेंनी मंध्र हो – री –	नी <u>रें</u> नी मं ध्र हो – री –	११५	ų,	मप <u>नी</u> प जा, –	मप <u>नी</u> प जा, –
V 17	9	हा — रा — नी रेंनी मंध झो — री —	हा - रा - नी <u>रें</u> नी में ध् ज्ञो - री -	ر 11	૭	प - 	т — —

•							
<b>B</b> B	ओळ	अगुद्ध	गुद्ध	वृष्ट	ओळ	अशुद्ध	शुद्ध
१२३	8	नीप पप ) जब	नीप पप - जब	१३६	ધ	परंनीसा गरजत	मरेनी सा गरजत
<i>,</i> ,	દ્	नीध नी - धु	नीध नी - धु	१३९	O	नी सा - <del>-</del>	नी सा 
^{ં.} ૧૨૬	2	ध्ग मेध	ध्रग मैध्	१૪ંપ	S	- सारे ना -	ग सारे ना —
१२५	3 3	थनी ऋत	धुनी र ऋत	१५३	ω,	<u>नी</u> घ ज –	नी <u>घ</u> ज –
<b>/</b> 11	२	धुनी साँ रें धी - र ज	<u>ध</u> नी सां <u>रें</u> धी – र ज	१५५ १५९	1	मध <u>ध</u> रेम	मध् <u>ध</u> रेम पिधुम्प
⁄ १२ः	€ Q.	ा धनी	ा । धुनी			रे म स्ं —	सूं -   R. एमट जूके
- 93	० २	नी प प र	नी प् पर	१६२		नी -। पप	नी - । प प
-' १३'	२ ३	पनीसारे र,,,	पृनीसारे र,,,	१६९	<	<u>गुरें</u> किय	म <u>ैं</u> किये

#### स्चना.

हिंदुस्तानी संगीत शास्त्राविषयीं माहिती, परिभाषेचा व रागिनयमांचा संरूर्ण खुलासा वेगरे सारे विषय श्रिमान् पंडीत वी. एन. भातखंडे, वी. ए. एल्. एल्. वी., वकील, मुंबई, यांनी लिहिलेल्या पुस्तकांपकी "हिंदुस्तानी संगीत पद्धती" व "क्रमिक पुस्तक मालिका" (संपादक:— पंडित दी. के. जांशी ) ह्या मराठी पुस्तकांत साविस्तर दिले आहत, म्हणून पुनः ह्या पुस्तकांत लिहिण्याची अक्रर नाहीं. ह्या पुस्तकांच्या साहाय्याने या विधेचा ऐतिहासिक दर्शने अभ्यास करणारांसही फारच उपयोग होत आहे. ही पुस्तके रा. रा. बी. एस. सुकथनकर, एम. ए. एल् एल्. वी. सालिसटर, २, मलवार हिल, मुंबई, यांजकड़े मिळूं शकतील.



# ्रकल्याण थाटाचे रागा

( કલ્યાણ થાટનાં રાગો )

—— 新中心中蒙——

यमन — तिताल (सरगम) यभन — त्रितास (सरगम)

+

| गर्मपथ | नीध - प | मेप ग - | गर्मप ध | नी ध - प | प मं - | ग - रे - | सानी सा ग q ग रे सा | सा नी ध - | सा रे - रे | ग - प सा - मं | गं मं पथ | नी ध - प | मं प गं मं ध R. 2 ध | प मं ग रे | ग प - ग | -नी ध - रें | सांनी ध - | गंरें सांनी | ध -सां प मं । ग रे सा - । ग ग - प नी घप | मंगरे सा | सा सा रेरे | ग P प मं । ग मं प घ | नी घ - प | मं P ध

## यमन — तिताल (चतरंग) यमन — त्रितास (यतरंग)

Ļ ाधप | गरेगरे ाचत | रंगगुनी ाथत | रंगगुनी मी ल લ - | - - ध प | ग रे रेग गरे | - | - - च त | रं ग गु, नी, | - | - - य त | रं ग गु, नी, | रे सा मी ग - ग रे | ग झा - ए - गु अ - એ - गु ग - ग ग जा - ए री ल - એ री गा ગા प - ग रे | ग लय - को - सं सय - हा - सं प પુ પુ 
 ग
 ग
 घ
 प
 ग
 रेग
 गरे

 खाः
 ए
 च
 त
 रंग
 गु, नी,

 भा
 श्रे
 थ
 त
 रंग
 गु, नी,
 सा R. 2 ग | q. ध ध रें सां - | सां गं - रें रे सा - | सा ग - रे रे सा - | सा ग - रे सां सां

•			
गें रें सां - ग रे सा - ग रे सा -	रेरे नी नी धप	नी नी ध प नी नी ध प नी नी ध प	र्भ प म प भ ५
ध - प म ध - प म ध - प भ	गरेध प सिरे गरेचत रंग गरेचत रंग	गुरे सि ध्र जुनी, य न	सा <b>रे</b> मी ल भी स
प - म - गा - ए -		ग ग प प ध दीर ती लाना तुम धीर ती लाना तुम	R. 2. प दीर धीर
सां सां सां त न न ता त न न ता	- न ता - : ओ देर	ध नी सां सां रें ना दे रे ना ता ना हे रे ना ता	में नु
सां नी ध मं दिं – त न हों – त न	न – दिं – त न	रें - सां सांसां सांसा न - घा किड किड न - धा डींड डींड	
धनी नीध प प किंड किंड धित्ता धीर धीरता	नीनी नीध प पर्म   गग गग किड	प ध   नी ,ध प धि त्ता   क्रा ,न धा धी त्ता   क्षा ,न धा	प धा धा
प गर्म पप में धा गड गीड धा धा गड गीड धा	प ध पधनी , ध प प प क ित का , न धा धा धा क ती का , न धा धा धा	मेमे पप मे प गड गीड धा क । गड गीड धा क	<b>ध</b> रित स्ती
पथनी ध प प का ,न धा धा ध ,न धा धा	क ती झा न सा धा धा धा धा पा न से से से पा पा न से से से पा पा न से से से पा न से से पा न से से पा न से से पा न से से से से पा न से से से से पा न से	ग गरे   सि ध सा , नी,   य न मी , नी,   य न भी	रें ल स २. 2
•	Y		

# यमन तराणा - त्रिताल (द्रुत्त लय) यभन तीक्षाना - त्रिताल (द्रुत्त सथ)

+				_				0						-			
न्।	रें	ग	रे	सा	नृी	रे	ग्	-	<b>-</b>	रें	<del></del> -	सा		सा	ऩी	रे र	सानी
ना	दंर	दरं	त	ना	_	तुम		-	<u>į</u>			ता		ना	ना	ता	ना,
ના	ર્દરે	र्धर	ત	ના	-	तुम . gभ	_	-	<b>-</b> !	તુમ	-	તા		ના	ના	તા	न्हें
មុ	ध	घ	सा	[ -	<b>सा</b> दिंम हांभ		सा	रे	<u> </u>	<del></del>		_		_			
<b>27-</b> /10°:/w	ध-रंग क	ना	दिंग	-	दिम	-	त	7	ग -		-	-			-		
ર્દ	₹	ના	દી મ		દા મ	_	ત	1 '	તા -	_	_	-	J	_	-	_	- R. 1
ध	घ	घ	सा	-	सा	<b>-</b> -(	सा	िरे	Ì	-	रे	रे		ग	मं	ग	मं
্ব্ৰা প্ৰত	ध्र		दिंम		सा दींम ही'भ	कर <b>ा</b>	<b>सा</b> त	7	11	-	त	ना		ग दे ह	रेर	ना	दींम'
દે	3	ના	દી`મ	-	દી`મ	-	ત	1	તા	-	ત	ના	1	ξ,	रे	ના	દી`મ
****	र्म	ग्	म्	प	<i></i>	q	मं	7	П	मं	q		1	_		_	فست
_	दींम		त	ना	-	<b>प</b> त	ना	1 5	ग हे हे	रे दे	ना	_	١	_		_	
	દી મ	. <b>-</b>	ત	ના	-	ત	ના		દે	રે	ના	_	1	-		-	-
ग	र्म	ग्	र्म	प	_	र्म	प	I	मं	Ч	धं	_	ı	q	ध	Ч	घ
ता	ना	ना	ता	ना		ता	-ना	1	ना	त	ना	_	İ	ता	ना	ना	त
તા	ના	ના	તા	∤ ના	-	તા	ના	1	તા	ત	ના		į	તા	ના	- ના	ત
नी	_	ध	र्म	प	ध	घ	नी	Ì	_	ध		प	į	प	र्म	प	र्म
ना		-	त	न	<b>-</b>	तुम तुभ	_	1	- -	तुम तुभ	_	त		ना	ना	त	ना
ના	1	<b>}</b>	ત	ી ન	. –	તુમ	-	}	-	તુમ		ત	ı	ના	ના	ત	ના
ग	ग	रे	ग त त	ध	Ч	ग	ग		<b>रे</b> नि	ग	_	रे	I	सा	नी	सा	सा
्रेखः २ः	रे	ना	त	न	ना	दर्	द्र		नि	ता		₹		त	र	दा	नी
કે	रे	ના	ત	ન	ા ના	દ્ર	६२	- 1	ની	તા	-	ર	l	d	ર	કા	ની
•••	•••	**		1 -1	. 4		•~	1	<u>.</u>	1	_,					]	R. 1,2.
ग न		् स	ग र रै	4	: भ र के	ધ ==	ધ 22		<b>भ</b> ===	सा	सा	<b>सां</b> ना ना		सां	सां	नी	रें
ગ ન	। र । रे	ના ના	٠ <b>٩</b>	1	। र । दे	а. Я			घर हर	ः ६२	d)	न्।		ना	ना ना	ता	ना
		•		•	-	9	- •	ī	- •	- (	** 1	411	•	ત્	તા	તા	ના

नी ध नी | - ध प मं | प मं ना नि ता | - र ता ना | नि त ना नी ता | - र ता ना | नी त सां त ता नी दीम हीभ 
 प ध ध नी
 - ध - प प

 ना - तुम - - तुम - त
 ना

 ना - तुम - | - तुम - त
 ना
 त ना 41 ग ग रे ग ध प ग ग रे ग - रे सा नी सा सा दे रे ना त ना ना दर दर नि ता - र त र दा नी हे रे ना त ना ना हर हर नी ता - र त र हा नी सा R. 1, 2.

#### यमन कल्याण — विताल यभन ४६४१ ॥ – त्रिताल

+ रें ग रें सा ध़ स त व च न स त थ थ न सा मा न भंधमं प - रे | ग रे गमं प | रे ग रे सा | ध्र हे ,, - - ह | मा - रा: - | स त व च | न थ ,, - - द | ग - ग - | स त थ थ | न मंधमं प मं ग मं भ मं भ नी भ मंधमं प ग रे ग हे, - रे - त न म न ध न स, व - अ र प हे, - रे - त न म न ध न स, य - अ र प ण् Ø रे सा - | नी सा ग रे | गर्म प मे ग | मेपध नी मं ध र के - | जो - गु रु | दे, - व रि | झा,, - वो -२ ३ - | को - गु रु | हे, - व रि | औ,, - वे। -क

धिमं प - रे | ग रे गमं प | प ग ग ग प - ना व रे, - - ह | मा - रा, - | मा - त पि | ता - सु त रे, - - ह | मा - रा, - | मा - त पि | ता - सु त प प पंधमं प मं ग । ग ग - ग । प न हि । पा,, - वे - । गुरु - च र न ही । पा,, - वे - । गुरु - च । र ण धु गमंघ नी प रे | ग रे गमं प | रे ग रे सा | ध सा हा :: - रा ह | मा - रा, - | स त व च न मा - रा, - | स त ज च न मा - रा, - | स त ज च न मा

# चंद्रकांत — त्रिताल यहांत — त्रिताल

ग रेसा नी हे - म ह - भ पृथं प्राप्ता से गरे सा - य, प्राप्ता से न को - मा - ई - य, प्राप्ता अ - अ - अ - ला - ध -सा ऌ

 $\mathbb{R} \times$ - मं ग प - मं गप रे नी रे सा ग प - प न ह - जो - ना - - ही : नि त ड - प न ह - को - ना - - दी नी त छ सा सा सां | नी रें गं रें | सां नीध नीध प | ग ग प प भ ट गं तुं - | फि र्, ता, - ! ह र रं ग का ८ ६ वं - | री रे, ता, - । द र रं ग सां सां सां Ŧ, 3 भे F 61 प्र प ग भ प ग प रे नी रे सा ग रेसा नी भ रें की, - ची - नी - ना - - हीं है - म न । भ - नी - ना - - दी है - भ न प्र ĸ

#### 

#### द्युद्ध कल्याण — चीताल शु^६५ ५६याण — यातास

+		0		0		
ग्	रं	सा र	सा सा	सा नीष	नी ध	प्प
ध	₹	₹ -	म न	ध र,	हुं -	नी त
ধ	2	ર્ચ ~	મ ન	भ र, भ र,	g -	ની ત
		ı	1	· ·	-	1
सा	सा	η -	ग रे	ंग ग	प रे	सा सा
प्र	H	के ·-		च र	न क	म ल
¥	ભુ	} -	ह ह	य २	ત ક	મ લ
सा	सा	ग रे	। ग -	ग -	) गरे प	- गरे
<i>হ</i> ,	स	द म	को -	का -	भ, रो	- <del>सें</del> .
A ,	`` સ	દ મ	31	\$1 -	गरे प भ, रो भ, रो	- सिं   - सें
	••	1	1	ł		
सा	रें	। गरे	सा रे	ग रे	सा रेघ	सा सारे
सो	***	च स	म झ	अ व	ġ -	<ul><li>मन</li></ul>
સા	~~	ચ સ	મૂ ઝ	અ, બ	g	- भन <u>्</u>
		j	,	•	1	- भन R. 1, 2

× प रा श		प साँ व रैं। व रें।	- सां   - क - क	सां -   जी -   ७ -	सां सां   व जौं   व कें।	रें सां - त - त
<b>सां</b> जा •	-	रं रं य च य य	गं रें तर' तर	सां - ए - अ ्	नीध नी क, औं क, औं	ध प — त — त
प ना ना	-	ध रें मो - भे। -	सां - टो - टे। -		ग रे टा ज टा ज	सा सारे हां मन क्षं भन R. 1, 2



## जैत कल्याण - त्रिताल कैत इस्थाणु - त्रितास

+	<b>-</b> .	ा ा ग	- पंगपध प
		ा । स	प ग पंथ प ज न तु, म
		ा । स	प ग पथ प ज न तु, म ० न पु, भ
<b>i</b> -	सारे   सासाधृप	सारेसाग	पि ग पधु प
和 一	सा र   सा सा धृ पृ हेना   ह री गुण हेना   द री गुध्	गा — त्रो स ग — वे। स	ज न तु, म ॰ न तु, भ
ži –	દે ના હ રી ગુથ્	गा – वे। स	प ग पध प ज न तु, म ल न तु, भ
रे -	सारे सासाय प् हे ना हिरी गुण दे ना दिरी गुण	सा दे सा -     गा - वो -     गा - वे। -	सा - ग प
্কা — ১। –	हे ना हि री गुण	गा - वो - गा - वे। -	ना - ह क
٤١ -	દું ના દિ રી ગુણુ	ગા – વા –	ના – ૯ ક
ч –	धग प सां - पी प -म, गु मां -भ, शु भां	रे - सा ग	पिंग पृथ प
ज — ~ —	न्म, गु मां -भ, शु भां	वो स	जन तु, म
≈ -	·મે, શ માં	વા સ	प ग पध प जन तु, म लन तु, भ

सा री री ગ ણ મું ળ મું **પ**્ सा वो वे। सा गा गा सा सां ह द ना ण કા ણ रं सां सां |-ज |-~ |-ध त त सं। सां प ग ग मो ર હ લ न्त्रि त यह यद ना अ n() 24 सां - पीं प रे - सा ग पिंग या - - - वो - - स ज न था - - - वे। - - स ल न रं सां ख म νį R. 2.

_____

#### भृप — त्रिताल भू ५ - त्रितास

घ प | ग ग णे | -ग छ | -रे ग ण 0[ P रे वि व प प ध — नि धि – नी धी ग स स ग या ग क ક ध ₹  $R. \times$ धसां धप गरे सासा ग -मा, - रे, - : छं -भी, - रे, - सं -ग - प बो - द थे। - ह ह ग ল सो रें नो -ता -सां सां | घ घ सां | -ह र : क र त्रि शु | -६ २ | ६ २ त्रि शु | -Ħ ξ

संहिं	मं	ŧ	सां र २	ध	साँ	ध	प्	ध		ध	सां	ध	प	ध	
গ্রু,	-	व	₹	धा		ŧ		: व्र		ह्या		दि	क	सु	₹
યુ,	-	q	ર	ધા	-	रे	<del>-</del> -	벽	-	લા	-	દી	ક	સુ	ર
ग	-	ध	प	ग	रे	सा	- - : -	सा	सा	ग	ग	प	प	ध	ध
ध्या		व	त	म	न्	मे	-:	羽	पि	मु	नि	ग	ण्	स	व
ध्या	-	વ	ત											સ	બ્
प्ध	सीं	ध	प	ध	सां धप	ग्रे	सासा	गप	<b>भ</b> सं	ो ध	प	ग	रे	सा	रे
दा,	_	स	ন্ত	मा	, –	रे,		ज,		ग	णे	-	য়	ग	ण
٤١,	-	સ	<b>प</b> ন্ত বু	भा	, -	<i>?</i> ,	सासा - -	12%	-	ગ	Q	-	રા	ગ	ણ

## हिंदोल-स्लताल ७ डेशस-स्सरा

T		O			_		0	
सां कों डें।	-	सां ध ठ - ः -	सां व य	सां र २	सांनी न,	संघ	सांम - -	ध र २
<b>मं</b> ंत त	<b>सां</b> व भ	सौं ध • गौं — गैं। -	<b>र्म</b> घ ध	<del>-</del> -	गर्म ) (वर ) (वर )	ग	<b>-</b> -	—— सा नि नी
सा गा गा	<del>-</del>	भ• _{/व} त	<b>नी</b> व थ	<b>मं</b> जा જા	ध - -	सा ^{वे} व	<b>-</b> 	<del>-</del> 
र्म मु सु	ધ ધ ધ	सां — ता — ता —	सां ऌ स	स्रां सों सें।	- -	संघ   गी, गी,	साम  -	ध त त R. 1,2.

ध म भ	सां ड इ	सं। ग ग	सां   न   न	सां क क	सां र २	<b>सां</b> गा गा	-	सो य य
गं र २	सां त त		सां म भ	सं   त त	भ के के	नी वे भ	<b>4</b>	ध ने ने
	ग	सा मं	-	ग	मं	ग	सा	-
	•		ध	मं	ग	ग	सा	Indicate
भ तेष	सांसां   धिर   धार	सांसां किट ४12	सांसां तक तक	सांसां   धर धार	नीनी किट ४१४	ध्ध तक तक)	नीमं गहिः गहिः गही	धध ) गिन गीन
		~ ~	D 2220	67.2A				

# मार्गाहेंडोल — विताल भाग ही डेास — वितःस

सां रें नी घ | मं घ नी घ | मंग - मं | ग - सा नी ध - - मृं | ध - सा - | नी नी ध नी | नी ध मैं गं ध मंग | मंग - सा | मंग - सा | - नी ध मं - - मं | ग - सा - | सा - ध - | ध - ध - | व - ध - | व - प - | ता - को - | सं - प - | सां सां सां धध मं ग ग न सा सा क र दि खा न य वा न को न सा न द त क र ही भा न य वा न है। न सा न ह त ध सा मं । मं ग - सा । ग - सा - । सा नी धं मं सि क गु नि मा - ने सी क थु नि मा - ने - - मं | ग - सा - | सा सा ग ग | मं ध नी ध मंग मंघ | सां - गंसों | - ट्रें नी घ | मंघ नी घ मंग - प | ग - सा - | मंग - सा | - नी ध मं

# मालश्री – अद्दो ( यमन थाट प्रकार )

| 1 1 1 सा | म प मं म ं - मंग | मं - प - | गिसा - सा | पृ.पृ - -ना - | क्रो - अ | ब्रो - -नी सा — — | सा — — — — म | प म प प नो — — — | भी — — — मे | — स — ली  $\frac{\pi i}{\xi q_1} = -\frac{1}{\eta} = -\frac{$  $\frac{q - \dot{\eta}}{\sin - - \dot{\eta}} = \frac{\dot{\eta}}{- - \dot{\eta}}$  $\frac{\pi i}{3i} - \frac{1}{3i} - \frac{\pi i}{3i} - \frac{\pi i$ 

#### केदारा – त्रिताल

न प मं प प मिंधमं प म - म - न - न - न - न q ध रा म म पध मंप मि रे सा - सा - सा - सा - औ -ध ल ना प्प सांसां रें नीसां | ध सां धपम म | म प ग 
 मं
 | प
 मं
 प
 प
 | म
 म
 म

 ना
 म
 य
 श
 चा
 र
 दि
 म् | ध रा Ħ रें सां - | सांध सां सां | सां -ग मे - | क्यों - न हि | छे -**सां** जी सां सां स**ां** ज व सीरें नीसां घ - | सां - घ मंप | सां सां सां ला म रें | \begin{aligned} \begin{align नीसां ध प म सां म् प वि द या ता पप सांसां रें नीसां ध सां धपम म | म प प Ч

#### छायानट-- विताल

+ प परे गम प गम रे सा रे अ ब, के, रा - खो म ग सा सा | - सा धे प प - ध ध सा सा न का | - ण मो री हों - अ ना | - थ वा ग गम प | गम रे सा - | सा - म ग | प - सां - थ, ज | गु, त के - | आ - प ही | ता - त प रें सां | सां धू नी प | प सां सां | सां - सां सां | णा - नि | धा - - न | वि प त वि | दा - र न सां सां - | सां रें सां सां | सां सां ध - | सां - सां सां नि - | सां - र न | द्व म रो - | ना - म स सां अ सां रें सां - धनी प सा सा म ग प - ज ग जा - न र ह र रंग के -सां प रें सां - ध नी प पर गम प गम रे सा रे म न का - - म अ ब, के, रा - खो भ ग सां रो

#### गौंड सारंग -- आडा चौताल

+ | सां ,नी | (प) -| ते - | रे। -. गुम | गुरे म | ग - | पं (प) | - म | गुरे सा | रे मुं | रु - | न - | क रुं | - मय | - अ | -

सा जो	_	<b>-</b>	<b>म</b> लो	ग -	. म र	<b>गर</b> )(表)	ਸ 	ग गो	<del>-</del>	सा घ	मग   ट्रु	प में	
	सांनी		1		ı		1		<u> </u>		,		
× प सु	<b>प</b> ख	<b>सां</b> सौं	-	सां प	सां   त	रें औ	सां   र	<b>प</b> सौं	नी -	<b>सां</b> त	रें   त	सां दी	-
-	(प) जि	<b>म</b> ये	गरे	म 	ग	<b>गं</b> दी	-	मं न	रेंच हुन	<b>सां</b> नी	₹ _	ंसां व की	नीसां _
<b>प</b> आ	संानी	सां -	Ť	सां -	(y) -	म -	गम	गरे —	मग   न,	<b>सां</b> ते	,नी -	(प) रो	

## हमीर – व्रिताल

*

| सां सां घ प | पंधमं प ग म ज वं तो छं | नी,, - प्र मु

| अ वं तो छं | नी,, - प्र मु

| अ वं तो छं | नी,, - प्र मु

| अ वं तो छं | नी,, - प्र मु

| अ वं तो छं | नी,, - प्र मु

| अ वं तो छं | में प प म प मरें ने सा

| अ कं तो छं | में प प ग मरें ने सा

| अ कं तो छं | में प प ग में - प्र में सा

| अ वं तो छं | में प ग मरें प्र में - प्र में प प ग में प प नी ध

| अ वं तो छं | में प प ग में प प ग में प प नी ध

| अ वं तो छं | में प प ग में प प नी ध

| अ वं तो छं | में प प ग में प प नी ध

| अ वं तो छं | में प प ग में प प नी ध

| अ वं तो छं | में प प ग में प प नी ध

| अ वं तो छं | में प प ग में प प नी ध

| अ वं तो छं | में प प ग में प प नी ध

| अ वं तो छं | में प प ग में प प नी ध

| अ वं तो छं | में प ग में प प नी ध

| अ वं तो छं | में प ग में प प नी ध

| अ वं तो छं | में प प ग में प प नी ध

| अ वं तो छं | में प प ग में प प नी ध

| अ वं तो छं | में प ग में प प नी ध

| अ वं तो छं | में प ग में प प ग में प प नी ध

| अ वं तो छं | में प प ग में प प नी ध

| अ वं तो छं | में प प प ग में प प नी ध

| अ वं तो छं | में प प प ग में प प नी ध

| अ वं तो छं | में प प प ग में प प नी ध

| अ वं तो छं | में प प प ग में प प नी ध

(१८)
सां — सां सां | सां रें सां — | नी ध नी ध | सां सां सां = | गा — ल क | सां — मी — | ग्रि म घ ट | घ ट के — नी घ सां रें | सारेंनी सां घ प | गं मं रें सां | — रें सां नी लं — त र | गा, — मी — | दी — न जा | — न क र घ नीघ सां रें | नीसां घ म प | सां सां घ प | मेंघमे प ग मः पे — र न | ज, रि या — | ल व तो छ | नी, — प्र सु र्याम — तिताल

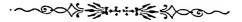
मंप ध प ग मिरे नी सा रे - गरे | मगप - | सां - नी नी | सां नी धप ने. - चें गु | जरी यां - | चं - द्व व | दन मृग मं प ध प  $\Big|$  म ग मं प  $\Big|$  प  $\Big|$  प  $\Big|$  प  $\Big|$  सां  $\Big|$  सां तां सां  $\Big|$  न | सां  $\Big|$  स  $\frac{\pi i}{\pi i} - \frac{\pi i}{\pi i} -$ सां नी ध प | गम पा मरे नीसा | नी सा रे रे | म ग प मं वि ज कि ड | गु. री. या. - | ल प ट इ | प ट ग्वा -ध प नी ध प मंप - | रें सां नी ध प मंप ध हि ना के - | श्री र की - | पट कि दी नी - म ग में ग म | नी सा रे. - | मैप ध प ग | म रे नी सा - च ग | ग री यां - | जी, - च न | म री द ध

#### केदार नट --- त्रिताल ( तराणा )

+ सा म गंप मं प घ प ना दे रेदा नी ता दा नी सां - ध नी प ध मं प ग म ग ग म नी ध प दीम - ते छे ला - ना - ओ दा नी ता नी ता दा नी रे ग म प | ग म रे सा | म पप पप सां | - नीं सां रें दे रे ना ता दा रे दानी ना दर दर दीं | - त न न सां - सां - | सां सां सां सां - ध - | सां नी सां सां दीम - दीम - | त न न न दीम - दीम - त न न न रें - रें - सांधिधप गाग, गपप गाम रेरे सा -दीम - दीम - त न न न कड़ा, न धाधा तर किट था -सासा मग मग मम | पर्म पर्म धप पप | मैर्म , ध मं प | सांसां धध प - धीर कित कित तक | धुम कित कित तक | कडा ,न धा धा तर कित धा -गम गग पर्म धप । गम,म रेसा - । सा म ग प । मं प ध प नक तर किट तक । कडा,न धा, - । ना दे र दा । नी ता दा नी

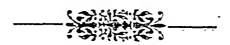
#### कामोद नट --- चौताल

<del>।</del> सा सां	<b>ध</b> व	॰   प   री	<b>ध</b> सु	_   मं   र	<b>प</b> त ़	o   म   मो	ग रे	— म म	<b>रे</b> न	<del>सा</del> व	सा स
<b>रे</b> ग	<b>, t</b> . fay	गम   ह ₂ ,	प र	<b>म</b> रं	ग -	्   म   -	<b>रे</b> ग	सा प्र	<b>रे</b> भु	सा कि	_
<b>प्</b> नि	<b>प</b> र	सा   ख	सा नि	<b>रे</b> र	<b>रे</b> ख	<b>सा</b> सु	सा <i>•</i> ध	भ वर्	<b>रे</b> घ	<b>ग</b> स	ग व
<b>ग</b> त	म न .	<b>प</b>   की	<b>-</b> .	म   भु	ग -	म 	<b>t</b>	सा   ल	<b>रे</b> ग	्री सा [§]	-
× <b>प</b> मा	_	सां   र	<b>सां</b> प	सां   खा	_	सां   मू	नी र	ਬ   ਰਿ	_	सां   ब	<b>रें</b> न
<b>सां</b> मा	. नी -	ध   ला	্ব —	<b>र्ग</b>   सो	<b></b> ф —	पं हे	<b>गं</b> च	<b>ਸੰ</b>   ਗੁ	र् <u>दे</u> र	सां   भू	सां ज
<b>प</b> का	सानी	सां   क	नी हुं	<b>ঘ</b> अ	<b>प</b> प	म ने	ग –	<b>म</b> म	रे. न	सा की	





# भन्ने कल्याण थाट समाप्त द्विष्ट



# * शंकराभरण किंवा बिलावल थाट *

# शकराभरण — तेवरा

+		. —	+		_
•			वयुं -	प   ध प क   र त	घ नी   अ भी
सां -	सां   ध	<b>प</b>   ग	म्   प - प	में <b>ध प</b>	<b>ध नी</b>
	न   मुं	ढ   म	न   क्युं - व	हरत	अ भी
सां -	-   ध	नी   सां	-   ध नी रें	रं   नी सां	ध नी
मान -	-   न	गु   मान	-   ख व र	र   न ही	तु ज
<b>सां नी</b>	<b>सां   ध</b>	<b>प</b>   ग	म गरेस	ा   ग म	.प ध
प ह	की   स	त   अ	व व ज त	हय म	धु र
प -	-   ध	नी सां	नी ध	-   नी सां	. <b>रें सां</b>
वां -	-   स	री प	र   मार	-   अ ति	त अ
नी -	-   सां	नी   ध	नी ∦ सां	- <b>ध</b> प	ग म
पार -	-   हे	बा   ज	न ∦ हा	- स म	ज तुं
प - क्युं -	प   ध क   र	<b>प   ध</b> तु   अ	नी   सां भी   मान	-	
× प ध दू ख	प   सां के   भू	-   सां -   ल	सां ∥ सांनी को ∥ क र	<b>रें   सां</b> - वे   चार -	
<b>रें गं</b>	मं   गं	रें   सां	नी ध	-   रें सां	नी घ
स त	हि   दे	ह   अ	न्हें कार	-   उ सि	को सं

 प
 | प
 | घ
 नी
 | साँ रें गं
 रें सां
 नी
 नी
 सार
 R. 2.

#### गुद्ध विलावल — तिताल

7 सां सांध पा गाम पम ग - रं ,सा | सा रे सा - | सा - ग - | ग प नी नी गा - - , छं | म न वा - | दू - जो - | ना - हिं श सां सां सांसां गेरें | सारें सांनी थप मग | प - नी नी | सां - सां सां र न वा. - | - - - | सा - चो छ | खी - को उ सों गं मं | गं रें सों सों | गं मं पं मेंगं | रें - सां सों ज ग मों न | दी - स त | हर र गं, | मा - न व नी नी सांसा गेरें | सारें सांनी धप मग | सां सां ध प | ग गम प म च न ना, - | - - - | र न सों - | ने - ह ल

₹+:0:+1€-

(२३)
अल्हेया बिठावल — चौताल ॰ ॥ । नी नी
十
्राध नी ध प गम प
सां -   सां य   ज व - ज व नि नी नी
ता मारे सा । स - । स ल ।
ध नी प स र - स R. 2, 3, 4.
प प   वि । ध   नी प न नी प न नी प न नी प न ना प न नी प न ना पा प   नी प न
सां दें । व व व र । व सां सां सा
अं सों   - ध   ता - स   र
म हा - जा — चीताल (एक प्रकार)
म हा - निर्मा निर्मा का का कि जाताल (एक प्रकार)  गुकल बिलावल — चीताल (एक प्रकार)  गुकल बिलावल — चीताल (एक प्रकार)  गुकल बिलावल — चीताल (एक प्रकार)
中町町町
十
रा –

<b>प</b> प	<b>मग</b> त,	मरे   -	. <b>रे</b> ख	ਧ –	<b>प</b> छ	<b>नी</b> ता	धनी —	<b>सां</b> न		ध के	<b>प</b> 
<b>म</b> क	ग र	<b>ग</b> ता	₹ -	म –	रेग -	<b>म</b> स	<b>प</b> क	<b>ਸ</b> ਲ	<b>ग</b> श्रे	रे	सा ष्ट
सा भ	<b>म</b> रं	ग   न	<b>म</b> पो		<b>प</b> ख	्ध न	<b>म</b> ये	गम 	<b>ग</b> रा	· -	<b>सा</b> जा
× <b>प</b> अ	<b>प</b> त .	नी   प्र	<b>नी</b> वी	सां   -	<b>सां</b> न	<b>सां</b> बी	- -	<b>1</b> 7	नी वा	सां`   -	स <b>ां</b> म .
नी नं	सां -	सां   द	सां न	सां   ज	<b>रें</b> ग	<b>गं</b> वं	मं ['] -	<b>। गं</b> द	<b>र्ग</b> न .	\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\	सां द
सां लि	घ	प	म —	· ध ह	मं र	ग   न	<b>म</b> को	-	म टि	ग श	<b>ग</b> शि
म कि	ग [े] र	म -	ग ['] न	ग यों	म _्	<b>प</b>   ला	म -	ग्   ग	गम त,	रे मा	सा नो
सा म	<b>ग</b> हा	<del>म</del>   —	<b>प</b> ज्ञा	-	प न	्ध   गु	<b>प</b> न	नी नि	<b>नी</b> घा	सां  -	<b>सां</b> न
सां ह	<b>प</b> र	_	<b>प</b> इ	ध   _ ×-	<b>म</b> ख ×	प न	<b>म</b> ए	ग	सा रा	-	<b>सा</b> जा
+	হ্	क्ल	बिला	वल - -	<del>-</del>	बौताल वीताल	( 5	स्रा	प्रका	₹.)	
•	•					ग   म	सा र	_   ग   न	<b>ग</b> जो	—   म   —	<b>प</b> ग
ग	<b>म</b> -	ग		ग हां	रेसा -	<b>।</b> स भ	सा र	     न	<b>ग</b> जो	म —	<b>प</b> ग

(24)

q नी ध ন ग नी सां ग रें प्र ८५३ **सां** को नी र प । प **म** ना ग ट सा न ग प ग न घ सा र ग भ नी द नी ट म | प - | ব - | য ्री शि गर्इ ग सा झां ग ल _ | म _ | ड प के ध ण नी व **रें** ह म ग मभे न नी ध प _ | सां रि | **रें** | छि सां नी के ग जो सा | ग र | न म - | म प ह

#### चौताल शुद्ध.

**म** से सा कै + ग | म **म** ज सां ग बी **म** रे | ग म | ना सा ज **सा** डी सा **प** जा 1 1 -सा के म से वा सा 1 = **सा** ढी म

× प ए	_	<b>सां सां</b> छे पा	-	सां र	<b>सां</b> का	सां न्ह	सां वं	<b>सां</b> सि	<b>रें</b>   यां	<b>सां</b> व
ध जा	प - \	म ग वे –	ग	ч —	े हे	नी पा	सां   -	सां र	<b>ध</b> ह	प म
<b>ग</b> ठा	म -	रे सा - डी	रे	सा -	सा   के	<b>म</b> से	ग –	<b>प</b> जा	नी   डं	सां 

#### नट बिठावल --- झपताल

-<del>--</del>ו× -

ग - | सा ग ग | म - | म म - | म प | प म प | म ग | ग ग मरे आ - | ज न व | ना - | ग री - | ला - | ल सों - | म च | र हे - |

रे रे | नी थ प | म - | प म ग | रे ग | ग म प | म ग | मरे सारे सा ल लि त सं - | के - | त व ट | नि क | ट हो - | - - | - - री |

प प | नी नी नी | सां - | सा रें सां | नी नी ध | नी सां सां | रे सां | सां ध नी प स ध | न दु म छं - | ज न व | वि पि, | न कु सु मि त | स दा - |

म म | ध ध घ | सां - | सां घ प | प नी | ध प म | म ग | मग मरे सा क र | त ध न की - | र को - | कि ल | च को - | - - | री |

#### देवगीरी — चौताल

+

( २७ )

सा शाह		ग –	<b>ч</b> -	q	aust.	<del>1</del>	म —	<b>+</b> +	ग . —	सा  -	
सा ते	-sanat ag	 सा रि	प भा	-	प ^क	ग   सु	म न	<b>ग</b> चें।	<u>रेग</u> -	<b>रे</b> च	सा क
न्। सा		सा   न		ग है। ×							स। र
सा ना	ध् <u>र</u> -	<u>-</u>	सा प	िप हा	ध -	ध   थ	<b>ধ</b> জা	-	ध् <u>र</u> र	प न	भ ज
सां र	मी दे	<del>†</del>	सां त	नी   न।	नी 	¥   লা	<del></del>	प न्	- -	ग   प	<b>प</b> हि
ग ना	<del>\</del>	र्न्।   न	र् त	ग हो		सा   ते		नी   रो		रें प	सा र

#### ーシッグにのぐー

#### यमनी — चौताल

+	C	)	-		O		_			
							सा   त्ं	ग -	<b>ग</b> कि	<b>ग</b> त
<b>ग</b> क	म र	रे मंग	<b>प</b> 	<b>प</b> ~न	प का	_	प न्ह	प सों	ग —	रें -
्रे ग	η -	सा रे – री	ग –	<del>-</del>	सा	रे -	\	सा ग्वा	_	सा ल
<b>नी</b> वा	· 벽 -	प् साध - ह,	सा -	सा नि	रे प	सा ट	-	सा . न ^८	ग ट	प -

	( २८ )
ग -   रे ना -   -	ग   रे सा   रेंध सा   ग -   ग ग ग   - र     तूं -   कि त
× प्रम प प प ते, – सी	घ   घ प   सां -   - सां   - सां तो     ही -   - ओ   - र
सींघ नींघ   नींघ दें, -   -	सां   - गं   रंसां -   - सां घि प स्वी   - न हिं, -   - स्वी
η -   - -   -	प   घरें   सांघ   सांप   गप सी   - च   तुर   - रु   - प
ग -   ग आ -   -	म   रे सा   रेंध सा   ग -   ग ग ग   - र     तूं - कि त
	सरपरदा — हिताल
· · <del>· ·</del>	- ° - न म किस म प । गम - रे   सा - ग म

ा सा | रे ग म प | ा गम - रे | सा - ग म ा ति | हा रे सें या । घूं, - घर | वा - छे -प - - सा | रेग म प | ागम - रे | सा - ग म वा - ल ति | हा रे से या | ा घूं, - घर | बा - ले -प - - - । ग म प | नी - सां - | ध प म ग वा - ल - । छूं घर | वा - ले - | वा - - ल R. 1 

ा ध - ध ध - प - । गम ध - । सां नी ध प । का - रे का - रे - । लट ना - । ग न से - । लट ना - । ग न से - । लट ना - । ग न से - । लट ना - रे । सा - ग म न न रे । ति हा रे से या । धूँ, - घर | वा - ले - ला - रे । ति । हा रे से या । धूँ, - घर | वा - ले -



## 'सरपरदा — त्रिताल

सा सा गम ग प प नीध नी ज न प, र सां - रें सां (सां) - ध प | ग्मगमप म ग | म ग म रें दे - स सि धा - रे - ति, व,, सें घि प त भ ई म प ग | गम रेग सारे सा | प - नी नी | सां - रें सां या में ह | मा, रें, आ, लि : रें - न दि | ना - मों हं गं गं मं दिं सां ध प प ध ध मग प - ध नी ग सी वि त त स व कि व आ वें, कि - ह र सां - ध्रम ध | ध्रम ग रे सा | सा सा गम ग | प प नीध नी रं - ग, ह | मा, रे लालि | ज व में, म | ज न प, र

# लच्छाशाख---चीताल

		लच्छाशाखचौताल चौताल	
	-{	॰   पूर्नी थि पूर्म म अ ज हिस म झ	
	ग रे	$ \begin{array}{c ccccccccccccccccccccccccccccccccccc$	•
	सा सां	-   सा म   - म   प प प घ   नी ध -   ज्ञ भो   - र   क र   त ज   - =	
	प जा ×	म ग प म ग म नी ध प म ग न ते ते - रो अ ज ह स म क	
	_+	प   नी ध   सां सां   सां सां   सां सां   - सां व   वा -   रि ध   अ ति   गंभी   - म	
· •		$\begin{array}{c ccccccccccccccccccccccccccccccccccc$	
सु		प   प   प   प   प   प   प   प   प   प	
<b>रें</b> अ	;	सिं ध्रिय म ग म नी ध्र प म ग हि सु वे रो अ ज ह स म झ .	
		可 罚.	

# कुकब — झपताल

 सा
 प
 प
 प
 न
 प
 न
 प
 न
 प
 न
 प
 न
 प
 न
 प
 न
 प
 न
 प
 न
 प
 न
 न
 न
 प
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न
 न - | नी ध नी सां - | सां - सां | ध नी सां रें - | सां सां | सां - ध - | ह - नी सू - | र-त | म न प र - | व स दी - -प - |ग मरे| म प |धनीधनी || सां - | धप ध प म |रे - - ने - नो - दी त प |त - वु || झां - | वे - लें। री - दि - -

# बिहाग -- सूलताल

प नी | सांनी | प म | ग गम | प म | ग - | - | रेसा नी | सा - | - नी | सां नी | र न | त र | न म, | र न | पो - | - - | सां न | न - | - - | प - | नी - | - सीनी सा - | सा नी | सा पम | प म | ग गरे | सा - | - - - ज ग | जि - | व न | ज न, | म - | - - - - - - - - |  $\frac{V}{V} - \left| \frac{\partial}{\partial t} - \left| \frac{\partial}{\partial t} - \left| \frac{\partial}{\partial t} \right| \right| - \frac{\partial}{\partial t} \left| \frac{\partial}{\partial t} - \frac{\partial}{\partial t} \right| + \frac{\partial}{\partial t} \left| \frac{\partial}{\partial t} - \frac{\partial}{\partial t} \right| + \frac{\partial}{\partial t} \left| \frac{\partial}{\partial t} - \frac{\partial}{\partial t} \right| + \frac{\partial}{\partial t} \left| \frac{\partial}{\partial t} - \frac{\partial}{\partial t} \right| + \frac{\partial}{\partial t} \left| \frac{\partial}{\partial t} - \frac{\partial}{\partial t} \right| + \frac{\partial}{\partial t} \left| \frac{\partial}{\partial t} - \frac{\partial}{\partial t} \right| + \frac{\partial}{\partial t} \left| \frac{\partial}{\partial t} - \frac{\partial}{\partial t} \right| + \frac{\partial}{\partial t} \left| \frac{\partial}{\partial t} - \frac{\partial}{\partial t} \right| + \frac{\partial}{\partial t} \left| \frac{\partial}{\partial t} - \frac{\partial}{\partial t} \right| + \frac{\partial}{\partial t} \left| \frac{\partial}{\partial t} - \frac{\partial}{\partial t} \right| + \frac{\partial}{\partial t} \left| \frac{\partial}{\partial t} - \frac{\partial}{\partial t} \right| + \frac{\partial}{\partial t} \left| \frac{\partial}{\partial t} - \frac{\partial}{\partial t} \right| + \frac{\partial}{\partial t} \left| \frac{\partial}{\partial t} - \frac{\partial}{\partial t} \right| + \frac{\partial}{\partial t} \left| \frac{\partial}{\partial t} - \frac{\partial}{\partial t} \right| + \frac{\partial}{\partial t} \left| \frac{\partial}{\partial t} - \frac{\partial}{\partial t} \right| + \frac{\partial}{\partial t} \left| \frac{\partial}{\partial t} - \frac{\partial}{\partial t} \right| + \frac{\partial}{\partial t} \left| \frac{\partial}{\partial t} - \frac{\partial}{\partial t} \right| + \frac{\partial}{\partial t} \left| \frac{\partial}{\partial t} - \frac{\partial}{\partial t} \right| + \frac{\partial}{\partial t} \left| \frac{\partial}{\partial t} - \frac{\partial}{\partial t} \right| + \frac{\partial}{\partial t} \left| \frac{\partial}{\partial t} - \frac{\partial}{\partial t} \right| + \frac{\partial}{\partial t} \left| \frac{\partial}{\partial t} - \frac{\partial}{\partial t} \right| + \frac{\partial}{\partial t} \left| \frac{\partial}{\partial t} - \frac{\partial}{\partial t} \right| + \frac{\partial}{\partial t} \left| \frac{\partial}{\partial t} - \frac{\partial}{\partial t} \right| + \frac{\partial}{\partial t} \left| \frac{\partial}{\partial t} - \frac{\partial}{\partial t} \right| + \frac{\partial}{\partial t} \left| \frac{\partial}{\partial t} - \frac{\partial}{\partial t} \right| + \frac{\partial}{\partial t} \left| \frac{\partial}{\partial t} - \frac{\partial}{\partial t} \right| + \frac{\partial}{\partial t} \left| \frac{\partial}{\partial t} - \frac{\partial}{\partial t} \right| + \frac{\partial}{\partial t} \left| \frac{\partial}{\partial t} - \frac{\partial}{\partial t} \right| + \frac{\partial}{\partial t} \left| \frac{\partial}{\partial t} - \frac{\partial}{\partial t} \right| + \frac{\partial}{\partial t} \left| \frac{\partial}{\partial t} - \frac{\partial}{\partial t} \right| + \frac{\partial}{\partial t} \left| \frac{\partial}{\partial t} - \frac{\partial}{\partial t} \right| + \frac{\partial}{\partial t} \left| \frac{\partial}{\partial t} - \frac{\partial}{\partial t} \right| + \frac{\partial}{\partial t} \left| \frac{\partial}{\partial t} - \frac{\partial}{\partial t} \right| + \frac{\partial}{\partial t} \left| \frac{\partial}{\partial t} - \frac{\partial}{\partial t} \right| + \frac{\partial}{\partial t} \left| \frac{\partial}{\partial t} - \frac{\partial}{\partial t} \right| + \frac{\partial}{\partial t} \left| \frac{\partial}{\partial t} - \frac{\partial}{\partial t} \right| + \frac{\partial}{\partial t} \left| \frac{\partial}{\partial t} - \frac{\partial}{\partial t} \right| + \frac{\partial}{\partial t} \left| \frac{\partial}{\partial t} - \frac{\partial}{\partial t} \right| + \frac{\partial}{\partial t} \left| \frac{\partial}{\partial t} - \frac{\partial}{\partial t} \right| + \frac{\partial}{\partial t} \left| \frac{\partial}{\partial t} - \frac{\partial}{\partial t} \right| + \frac{\partial}{\partial t} \left| \frac{\partial}{\partial t} - \frac{\partial}{\partial t} \right| + \frac{\partial}{\partial t} \left| \frac{\partial}{\partial t} - \frac{\partial}{\partial t} \right| + \frac{\partial}{\partial t} \left| \frac{\partial}{\partial t} - \frac{\partial}{\partial t} \right| + \frac{\partial}{\partial t} \left| \frac{\partial}{\partial t} - \frac{\partial}{\partial t} \right| + \frac{\partial}{\partial t} \left| \frac{\partial}{\partial t} - \frac{\partial}{\partial t} \right| + \frac{\partial}{\partial t} \left| \frac{\partial}{\partial t} - \frac{\partial}{\partial t} \right| + \frac{\partial}{\partial t} \left| \frac{\partial}{\partial t} - \frac{\partial}{\partial t} \right| + \frac{\partial}{\partial t} \left| \frac{\partial}{\partial t} - \frac{\partial}{\partial t} \right| + \frac{\partial}{\partial t} \left| \frac{\partial}{\partial t} - \frac{\partial}{\partial t} \right| + \frac{\partial}{\partial t} \left| \frac{\partial}{\partial t$ सां गं मं पं मं गेरें सां नी प नी रिंसां नी घ प म गरे सानी सा मग म म न च ब र ख, हो - - त त, ब ब र ख त, ध, न छ, ही

### (३२)

# विहाग - तिलवाडा

ा ए नी - सागम एमें गम ग - रेसा | नी - मेप गम | ग रेसा प नी | - सा गम पर्म सो, - - वत नी - - विरी यो - के से | - स हा -गम ग - रेसा | नी - र्मप गम | ग रेसा - - | - सा ग म सो - - वत | नी - - व्हि | वा - - | - स्था न नू प प नी घ | में प ग म | ग रेसा ए नी | - सा गम प र त नि त्त | च हि - - | - - के से | - छ ख: -मैम ग - रेसा | नी - मेप गम | ग रेसा - - | ग - म प सो, - - वत | नी - - वरि | यो - - - | सो - च सो सां सां - नीनी नी प नी सां नी नी - सा ग म स दा - न स क हा ला - द तं - स्या म नू प प नी घ म प ग म ग रेसा प नी - सा गम पर्म र त विल च हि - - - के से - सू ल, -R. 2

DO/FILL/00

# परविहाग - विताल (तराणा) दूत लय

+ | ा सा नी सा प - प | - ध प म | ग - - रे सा - सा नी | । । दर दर ता - - नुम | - त द र | ना - - - | - - दर दर प - प | - ध प म | ग - सा सा | ग म प प | नी - ध प | - - नी - - - नुम | - त द र | ना - ओ दे | ता ना दे रे | ना - - दिम | - - तुम -सां - सां सां | नी रें सां नी धप - ग म | ग रे नी सा | रे सा नी सा | - सा सा सा ता - ना रे | दर दर दर त | दा, - नी त | द र दा नी | ओ दा ना दिम - ता ना ना ग म प घ - नी - घ प - म ग - सा नी सा रे रे सा नी - सा ध नी दर दर त दे - ना - दे ना - दे ना - दा - नी ता ना त दा - नी द रा - सा - म | ग रे सा नी | सा प - प | - ध प म | ग - - रे | सा - सा नी - दिम - ता ना ना दर दर | ता - - नूम | - त द र | ना - - - | - - - -ग - प - | नी - सां - | नी सां रें गं | मं गं रें सां | नी ध सां - | नी - - - | दिम - दिम - | तूम - तूम - | ता ना ना ना ना ना ना ना ने दे रे - - | ना - - -सां मं - गं | रें सां नी ध | प म ग ग | - नी सा - | सा ग - म | प नी - नी ध ला - ना | ता ना त दि | य न रे दिम | - त नूम - | ओ दे - ना | त रे - ना ध नी - सां | - ध - नी | प - ध प | म ग - म | प म ग ग रे सा नी नी दे रे - ना | - दिम - त | नूम - ता ना त दा - नी ता ना त दा - नी द रा - सा - म | ग रे सा नी | सा प - प | - ध प म | - दिम - ता | ना ना दर दर | ता - - नूम | - त द र

# बिहागडा - त्रिताल

+ सा - म ग प - नी घ सा - नी प - - म ग गा - व त रा - ग वि हा - ग डा - - - -सां - निध प - म गाम पग म ग - नी सा नी सा रेरे नी साग म नी - स र को - म लमें, - द दी खा - व त रा - ग वि हा - ग स 
 -</ ॰ सां - गं - रिंगं मं गं रें | सां - सां सां | नी - प नी | सां - नी ध | प - म ग हो - नो - म, - ध्य म | का - हु क | हे - गुनी | नी - सु र | अ - ग ख गम प ग म | ग - सा सा सा - रेरे | नी सा ग म | प म ग म | ग - नी सा मा, - जिव | ता - व त जा - म द्वि | ती - य च | द्व. र नि स गा - व त सावनी केदारा – एकताल ( मात्रा १२ ) विलंबित लय

+

| - ,नी सा ग | - पर्म धप मंप | म ग ,रे सा | नी ,नी सा ग | - पर्म धप मंप | - ,प री - | - है, - -म ग ,रे सा | नी नी ध प | मं प मग मं | प - ,मं प | - मं प - | - नी - ध प - - यां | - पिया - | - - मो, ए | आ - - ज | - की रें - | - न - अ नी - ध प | - नीघ प - | - म - म | म धप मंप मग | म रे ग - | - पर्म धप मंप चा - न | - क, आ - | - ई - ज | गा - - ,ई | - प री - | - हं, - - म ग ,रे सा | नी ,नी सा ग | - प नी नी | सां - ,नी सां | - - सां नी | ध नी रं सां प - यां | - ,प री - | - जा गी हं | रें - - न | - - वा छ | - म सं ग नी घ प म | म मग मं प | - प नीध नी | सांनी धप मंप मग । सा ,नी सा ग | - पर्म धप मंप वा - हे | हं व, छै यां | - ग र, - | वे, - - यां, - ,प री - | - हं, - - |

# शंकरा — त्रिताल

+ सासागग पप सां नी पप गप गप गंसा सि स कर दु स हर इ म दा - ता - - -सा - ग ग प - नी थ सां - नी थ प नी थ सां नी ग ग प प सां नी प - दे - त दि ला - व त ए - से वि धा — ता - ध न ध न ज ग के -प प ग प ग सा प पसां सां सां - सां सां सां सां नी प प सां नी छ म ता - ता - - स व ज न सी - स च र न पर निमा - दे प - सां सां मां मां सां सां सां सां नी प प नीध सां नी | सां सां गं गं पं पं सां मां - ग न | मां - ग त | द र तो रे आ - - वे क मं ग क | मं ग म न + सां - नी प | गप सां नी | ग ग प प | सां नी प - प भ ग प | ग - सा - मा - व न | पा - व व | स क ल ख | ल क के! - | तुम ना - | था - - -

# शंकरा-त्रिताल (तराणा)

+ ा सा - सांसांसांसां धनीरें सांनी पपप - नी - ध -सां - सां नी | प - - ग | प ग प ग | प - प ग | ग रे ग ध | प ग - रे ता - - र | दा - - नी | त न तदा | नी - ऊ दा | नित त दा | रे दा - नी + - ° - ×+ - - सा रे ग सा | रे सा सा - | सां सां सां सां | ध नीरे सां नी | प प सां सां | - सां सां - ता - - दी | - नि तों - | त न न न न न न न त न दे रे | - न्ना तों -सों ध सां सां सां सां सां सां न । ग ग ग रें | पं - गं गं | पं - रें गं | रें - सां - त न न न दे रे ना - | - त दा - | - - र दा | नी - - - | - - - -सां सां नी प | - ग ग ग ग रे ग ध | प ग - रे | सारे ग सा रे सा सा - त न त दा | - की ऊ दा | नि त त द | रे दा - कि | ता - - दा | - नी तों -一多+x+除一 इांकरा कल्याण - तिलवाडा (विलंबित लय) ा । सं | - सां - सां | नी - मं - | ग ग गृग मंमं । । । वी - री - ख | वा - - - | - व त, -धनी सां - मं भ ग - प ग - रे - सा - सा - - - सा सा ग - ग - - - पि यको - - वा - - - - म - - - न क सो - ए प - प - प प प प मंपधनी सांप - ग - प ग - - सा - सा - ते - मं - पि य मुख सों, - -का - हु - को ना - - - - म -

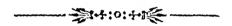
# देशकार (शुद्ध विमास) — त्रिताल

### ( ३८ )

# पहाडी --- धुमाळी

- ग ग म | गरे साधृ ग ग सारे ग ग रे | सा नी धृ ए | धृ सा सा रे - के सी व | जा, ई, तु ने | वा, - स री | यां - सू न | वं - सी -सारे गम ग । गग प गप गप गप घ ध ध ग रे ग रे | सा - ग ग ग रे ग रे वा, - हे - । जिया को आ, व, - ना हीं च ये - न | रे - दि न रें - - न सा – सारे गम गरे सा नी | ध नी ए ए | ध सा सा रे | सारे गम ग – | – ग ग प रे – क्या, – क हे ना – | रे – सू न | वं – सी – | वा, – छे – | – हे रे सु गप घ घ घ | - गरे सा सारे सारे गरे सानी घ - प्य सा सारे सारे गरे सानी घ | - प्य म सा ना, ये ग यो | - जि, को हू, मा, ,ये ग, यो - अम त वर सा, ,ये ग, यो - व्याक़ ह सा रे रे ग | ग प गप ध | ध - ध ध | ग रे ग रे | सा - ग ग | ग रे ग रे में - तो री | वं - सी, - | से - दि न | रें - - न | रे - ना हीं | च - - न सा-सारेगम गरे सा नी । य नी प प । य सा सा रे । सारे गम ग - रे - क्या, - कि हे ना - रे - सू न वं - सी - | या, - हे -**୭००१**-}}-÷+**₹**₹\$००७

## मांड - पश्तो



## मांड--रुपक दादरा

# आशागोडी — दीपचंदी

 $\frac{1}{4}$  प ध  $- \left| \frac{\pi}{\pi} - \frac{\pi}{\pi} \right| = \frac{\pi}{\pi} - \frac$ ॰ ग - | मपध - || सां - - | सां - - सां | नी सां - | ध - प - |
जिय - | रा - - | रा - - | म - - म | ज न - | क - र - $\frac{1}{8}$  सं  $\frac{1}{8}$   $\frac{+}{\pi}$  सं  $-\frac{-}{\pi}$   $-\frac{\pi}{\pi}$   $-\frac{\pi}{$ े ग - | म प ध -

# जलधर केदार---झपताल

प | म प प | सां - | रेंसां सां | सां नी | ध प म | ध प | म म रें | सां ने | ध प म | ध प | म म रें | सां ने | ध र के | दा - | र गुनी | क ह | त स व | च तु | र ग न , सां रें | सां म रें | प प | ध प म | सां नी | ध प म | ध प | म रें सां | सां रें | सां नी ध | प म म म म म | प म प | सां - | सां रें सां | सां रें | सां नी ध | नी ध | प म म प | म रें सां नी | ध प म | ध प | म रें रें | प रें | म रें सां प प | म रें रें | प रें | म रें सां नी | ध प म | ध प | म रें रें | प रें | म रें सां |

# मलुहा केदारा — झपताल

### ——到3666——

# हेम कल्याण — चौताल

## सावनी कल्याण — त्रिताल

रा मा, न त नवरोचिका — तेवरा पथप | घप | मग | म - - | पग | मेरे | सासासा सारे | ग प | म प | घ प | नी नी सा सा - | रे सा | ग रे सा | सा सा ग न व रो - | चिका - रु - | प व | खा - ने को ई न प - प | म म | प ग | म रे सा सा रे | ग सा | ध ध प | प ग | प रो - व त | र न व त | र रे - सा | खा - ने |

## (83)

# गुनकली—स्लताल

## भवसाख — चौताल

# दुर्गा — झपताल ( मल्हार अंगका )

थ - | म - प | म म | रे - सा | सां सां ध म प | ध सां | सां म म खा - | जे - मो | ई नु | दी - न | तु म | हो - पी रों के | पी - र × म प | ध ध सां | सां ध | सां - सां | प सां | सां - रें | सां ध | म - रें अ - | ब्व - न | खां - | गु - ना | वि न | ती - क र त | है - -ध - | म म प | म रे | सा - सा | सा ध | म - प | ध सा | सा म म वे - | ग - द | र स | दी - जो | मो - | पे - ब | री - | भी - र

पटमंजरी — झपताल (बिलावल थाट प्रकार ) सा ग  $| \hat{t} \hat{\eta} - \hat{\mu} | \hat{\tau} | \hat{\tau} | \hat{\eta}$  सा  $| \hat{\tau} | \hat{\eta}$  सा  $| \hat{\tau} | \hat{\tau}$ प ए रेरे रे रे ग | नी सासा | सा ग | रेग - म | ग रे | नी सा नी सा है क दि - त रे - | प - क | ना - | य, - क | बै - | जू - -प प सां - सां प प रिं - रें प प सां - - प मप म गरे मो र छं - द प र वं - द ज न ता - - - - रे - -

# पटमंजरी — धमार ( होरी )

-| सागगम | गरेसारेसा | साधसासाग | रे सा पृण् | हा - पजो | बनगु - न | ख - हा तहो - री नयो रे-गग | मगरेसा- | साग ग म | प-सांसां- | सां - सांसांरे | सां सां गं गं - जो - वन | कमा - र-ं ह्व - प जो | वं - ग म - | मू - त नै - | न म द ते मंगं रें सांप | सां-पधप | म ग रे सा | सा पपधप | म-गरे सा भरे-अठ | ला-वतव | न ब - न | आ - वत - | ना-र - - |

# भिन्नषडज — चौताल

साग म ध निसं सां - सां नी सां सां सां मं मं मं मं नी ध म ग म म से व त म ह - जो - र अं - श प्र थ म प्र ह र म ध्यमन्या - स ध नी | साग मिं घ | नी घ | नी घ | म म | सुग | र गा | - वे | गुनी | री झा | - वे |

# हंसध्वनी — रुपक दादरा

प | नी नी | सां सां | नी सां | रें गं | रें - | गं रें | सां नी सां रें | सां सां नी परें - खी या - | ज छ | भ र | न ग | ई - | दे - | खी रु | - प | छ कि त भ ई -प | नी नी सां सं | नी सां | रें गं | रें - | गं - रेंगरेंसां नी सां रें | सां - | नी पानी सां रें | नी पानी सां रें | ने 
# सावनी केदार - एका

# **ि बिलाबल थाट समाप्त** 🔊



# श्लि झिझोटी किंवा खमाज थाटाचे रागा शि

झिझोटी--त्रिताल ( एक प्रकार )

### पहाडी झिझोटी-रुपक दाद्रा

### खमाज—चौताल

# तिलंग — सुलताल

 +
 0
 0
 0
 0

खम्बावती —आड चौताल

	रागेश्वरी —झप्रताल
+	- 0 - + - 0 -
	ा प्रथ म छ - र सा - वि - र टे - ना - म
म्	-   ध - नी   सा -   गमध   म - ध   सां - ग   सां सां   ध नी ध
जो	-   ध् - नी   सा -   ग मध   म - ध   सां - गं   सां सां   ध नी घ -   छों - र   हे -   या - हि   घ ट   में - प्र   ग ट   प्रा - न
म	$- \left[ \frac{1}{2} - \frac{1}{2} \right] = \frac{1}{2} \left[$
सा	-   ग - रे   नी सा     म म घ ध सा   - सा   सा - सा - सा   - सा - सा   सा - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा   - सा
सां	गं गंगमं गं रें सांनी य ध नी ध म म ग रे नी सा -
गु	ान । जनवा सा − । न − - ∥आ व   न − ग   व , न   की − −
सा	-   नी ध नी सा सा ग म ध म ध नी सांगं सां सां ध नी भ
बि	-   धा - क   छ न   म - द   पा -   वे - ग्र ह न से - वे
म्	
आ	- । ५ - ४। थ म । स - । सा - । धे - र   टे -   ना - म
	दुर्गा—त्रिताल (खमाज थाट प्रकार)
	· L .
ŢŢ	ग म   ग - सा नी   ध - नी सा   म   ग - ग म   ग - सा नी म न   का - हे को   शं - क क   रे   म न   का - हे को
T	म न   का - हे की   शं - क क   रे
<del>-</del>	नी सा    म   ग - ग ग   म - घ नी । घ - मं नी    प
शं -	नी सा   म   ग - ग ग   म - ध नी   ध - सां नी   ध म क क है प्र मू ना - म से सिं - ध त है
_	+ - 3/1/2
ग –	ग म   ग - सानी   घ़ - नी सा    म   ग   ग मधनी
	गम   ग - सानी   ध - नी सा   म   ग   ग मधनी       म न   का - हे को   शं - क क   रे     अ ध म ऊ
_	+ - + +

सां — सां सां | सां — नी नी | घ — म ग | म ध सां — | गं सां नी ध | म — ध म धा — र न | त — र न | ता — र न ज ग जि — | व न ज ग | धा — र न ग - ग म | ग - सा नी | घ - नी सा | ए - म न | का - हे की | शं - क क |

## सोरठ — झपताल

# देश सोरठ — त्रिताल (तराणा)

# देश —सुलताल (तराणा)

 †
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0

### देश-धमार (होरी)

ग सारे म प | नी - - सां - | सां सां रं - नी | ध नी प - | रे म प नी ध ए - अ ति | ध - - - | म म चा - | ई - - - | क न्हे - - - |

प - म ग रे | नी प ध म | प - प पम प | म - रे - सा | ग सारे म प

या - ने - - | स व स खि | य - न के, - | सं - - - ग ए - अ ति

+ ×

ग प - नी - | नी - सां - सां | सां - सां - | नी - प म प | नी नी नी सां - अ वी - र - | ग - ल - स र | रं ग सं ग - रें - - | नी नी - सां - | सां - रें सां - | नी - ध प | ग सारे म प - है - - - | कु म - कु - | मा - प र - | त - है - | रं - ग के - म - रें - सा | ग सारे म प |

# तिलक कामोद-नित्रताल

े र र प | मगरे नी सा | नी पनी सा | रे ग नी सा | रे म प घ | म प सां सां नी - र म | र न, के से | जा - ऊं स | जि - अ व ं ड ग र च | छ त मों से से - सां प घ म | गरे ग नी सा | रे ग रे प | म ग नी सा | म म म म प प प नी नी क र त रा | - र में - नी - र म | र न के से | ए सो चं च | छ च प छ ज मां सं सां नी नी | सां सां नी सां | रे रे सां रे | गं नी सां सां | प नी सां रे | नी सां - सां ह ट न ट | ख ट मा न | त न का ह | कि वा - त | वि न ति क | र त - में - सां प घ म | गरे ग नी सा | रे ग रे प | म गरे नी सा | ग ई रे हा | - - र में | नी - र म | र न, के से |

## तिलक कामोद—त्रिताल (दुसरा प्रकार)

सा पृ ती सा । ग रे प म | ग सा सारेग रे | ग सा ती - | म रे म म | प नी नी नी नी सां - रें क लि मो रे | गू लि खि ला इ ज, व | र व ने - | च म न से | ग इ मो रे | च हा - र सां नी ध प | म गरे नी, ध | प म ग रे | रे नी ध नी | प ध मप म | ग रे नी सा | ग रे प म आ इ वा दे | खि जा, शा - | हा सू नो रे | ग यो गू ल | मू र झा, य क लि मो रे | गू लि कि खि - | म रे म - | प - नी - | नी सां - रें सां नी ध प ला इ ज, व | र ब ने - | - - - | ना - जा - | नूं - के - | सो हा - ल मो रे गू ल

## छाया तिलक—झुमरा ( विलंबित लय )

### बिहारी-दीपचंदी

# जेजेवंती—चौताल

सामगमगरे सा नी सारे ध नी | - ध प ध ध रे सारे | -- सा नी सारे नी ध ता ना छं दे | -- दा नी ता रे दा नी | - त दा नी | ता ना छं दे | -- दा नी ता रे दा नी | -- सा नी सामगमगमगरे सा नी सारे ध नी | -- ध प ध ध रे सारे | -- ध नी न त दा नी ता ना छं दे | -- ध नी न त दा नी ता ना छं दे | -- ध नी ता ने दा नी | -- त दा नी ता ना छं दे | -- ध नी ता ने दा नी | -- त दा नी ता ने छं दे | -- ध नी सारे ध नी | -- सा नी सा रे ग रे सा ते | -- सा नी सा रे ग रे सा ते | -- सा नी सा रे ग रे सा ता ना छं दे | त दे दा नी | ना दीर दीर त | दा नी ना दीर दा नी | -- त दा नी | त न छं दे हो नी | ना दीर दीर त | दा नी | ना दीर दा नी | -- त दा नी | त न छं दे हो नी | ना दीर दा नी | -- त दा नी | त न छं दे हो नी | ना दीर दीर त | दा नी | ना दीर दा नी | -- त दा नी | त न छं दे हो नी | ना दीर दीर त | दा नी | ना दीर दा नी | -- त दा नी | त न छं दे हो नी | ना दीर दा नी | -- त दा नी | त न छं दे हो नी | -- त दा नी | त न छं दे हो नी | -- त दा नी | त न छं दे हो नी | -- त दा नी | त न छं दे हो नी | -- त दा नी | त न छं दे हो नी | -- त दा नी | त न छं दे हो नी | -- त दा नी | -- त दा नी | त न छं दे हो नी | -- त दा नी

नी सा सानी सारे नी घ़ - सानी सा सा सा ग ग ग मरे ग प - गम। गरे नी सा त दे दानी तारेदानी - त दानी नादीर दीर दीर घेते लाना दीं - त न न न न प्सा - ग | म ग रे - | प ग - म | ग रे नी सा | म रे - ग | रेसा नी सा | रे सा - नी त दीं - त | न दे रे - | त दा - रे | त दे दा नी | त दा - रे त दे दा नी | त दा - रे ध प म म | * त दे दा नी | R. ना दीर दीर त — तारेदानी तदानी ा ध नी ध नी सा - नी सा - - । । ग - ग म रे - ग सा - -ा सा ग ग ग | रेग ग ग ग ग ग ा रे ग ग ग | रेग - | म प - | वा कि चित | वन से मो हे - | ा घा य लकी यो - - | री - -ग रेसा ध | ग रे ग | सा नी सा रे नी - | ध - - | - - म | ध नी - | रे सा - हां - को | न अल | वे - - | ले की - | नार- - | - - झ | मा - - | झ म -मंजरी—धुमाळी नीसां धनी पथ प । - पथ म,ग रिग रेम रेग सा । रिग म - पथ | पथ प म ग | - गग ग ,रे हा, गी, मो,री | - चम क,ने हा, - गी, हा । गी, - मोरी | विं, दीयां - | - चम क ,ने

( 40)

## नारायणी—मूलताल

 +
 0

# प्रतापवराळि-निताल

र रेमप | घ सां सां रें | गं गं सां सां | घ प म ग | रे ग रे प | म गरे ग सा | रे रे म प ं त रसे जि | या – नि स | दि न पि या | वि न मो रा | मो – हे – | प ल, छी न | चये न न | घ प ग रे | म ग रे म | प ध म प | घ सां सां रें | गं रें सां – | पं मं गं रें | मं गं रें सां | आ – वे – | त र प त | र प जिया | न न सां प घ | प म ग रे | म ग रे म प | घ सां सां रें | रें सां प घ | प म ग रे | रे रे म प जा – त स | खिरी मो रा | त र से जि | या – नि स | दि न पि या | नि मो रा | त र से जि

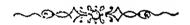
# नागस्वरावाले—जिताल

### भटियार-धमार (खमाज थाट प्रकार)

+
- सा प- म। ग रेसा -   रे सा- रिसा नी यस। रे-सा-   साध नी प-   - प पध-
- खे छ - त जा - ल्ह -   हो रो -   सं   ग □   छि ये -   -अवी
ध-ध-   धनी-प-   ध-धसां- नी - ध-   सां-नी धप- धपम-   पमग-
र - गु -   ला ल -   भ - र   ज्ञो
$\hat{\tau} = - \times \hat{\tau} = - \times \hat{\tau}$ $\hat{\tau} = - \hat{\tau} = - \hat{\tau}$ $\hat{\tau} = - \hat{\tau} = - \hat{\tau} = - \hat{\tau}$ $\hat{\tau} = - \hat{\tau} = - $
ग - खे छ - त का - ह - ए - क - ग - व त ए - क - मू - दं - ग
+ + -
-मं गं  रें सां - सां  रें - सां नी घ घ प घ प म   गरे सा सा   प म गरे सा - सा प-म
- च जा -   - व - त   ए - क ना - च त - रा -   था कि   शो री - खे छ - त
- x x +
गरे सा - सा सा ध - ध - नीध - नीध नीध नीध नीध नी प प - प - घ - ध सां - नीध पमग का - नह - ह म जा - न, - त, जि. म, व - हो - है - खे ला नी
भा - न्ह -   ह म जा - न, - त,   त, म,   व - डो - हे  - खे हा री -
+
भभ नी पप - मप -म गरेसार पमगरे सारे - पमगरे सारे सा म-प
स व स - खिय - न सं ग करत हैं - चो री - अ - व

(49)

# ्र खमाज थाट समाप्त 🎾



मल्हार रागाचे सारे प्रकार काफी थाटांत दिले आहेत.



# - 🗯 भैरव मेल जन्य रागा 🐉 --

# भैरद--चीताल [तराणा]

### भैरव--तिलवाडा

### वंगाल भैरव--चौताल

( ६३ )

# अहीर भैरव-चौताल

### आनंद भैरव--- अपताल

## शिवमत भैरव-चोताल

# कोमल भैरव-चोताल

# साराष्ट्र—तेवरा

सा सा य नो सा - सा म म म म म म म न म न म - म - च च च म घ सांसां म स किर ना - र न न हो ज पा - र में - हे - ज र न त म नि न (६३)

हिजाज (वसंतम्खारी)—झपताल

रामकली—विताल ( एक प्रकार )

ा म नी घ | प प मं प | घ प म - | - - ग - | म ग म ग | छे - ग प | म ग म ग म ग | हे नि घ ट | हि हि हि हि | ज प ना - | - - - - | ज व ल ग | प्रा - न र | हे - घ ट | र - सा सा | नी सा ग म | प ध नी सां |  $\frac{1}{2}$  सां य नी |  $\frac{1}{2}$  प म - | प - प प |  $\frac{1}{2}$  - नी -  $\frac{1}{2}$  सां सां | नी सां सां |  $\frac{1}{2}$  सां य नी |  $\frac{1}{2}$  प म - | नी - मां सां |  $\frac{1}{2}$  सां सां | नी सां सां |  $\frac{1}{2}$  सां य नी |  $\frac{1}{2}$  प म - | नी - मां सां |  $\frac{1}{2}$  सां सां |  $\frac{1}{2}$  सां सां |  $\frac{1}{2}$  सां य नी |  $\frac{1}{2}$  प म - | नी - मां सां |  $\frac{1}{2}$  सां सां |  $\frac{1}{2}$  सां सां |  $\frac{1}{2}$  सां य नी |  $\frac{1}{2}$  प म - |  $\frac{1}{2}$  सा सा | नी सां ग म | प य नी सां |  $\frac{1}{2}$  सां  $\frac{1}{2}$  नी |  $\frac{1}{2}$  प म - |  $\frac{1}{2}$  सा सा | नी सां ग म | प य नी सां |  $\frac{1}{2}$  सां  $\frac{1}{2}$  नी |  $\frac{1}{2}$  प म - |  $\frac{1}{2}$  सा सा | नी सां ग म | प य नी सां |  $\frac{1}{2}$  सां  $\frac{1}{2}$  नी |  $\frac{1}{2}$  प म - |  $\frac{1}{2}$  सा सा |  $\frac{1}{2}$  सां ग म | प य नी सां |  $\frac{1}{2}$  सां  $\frac{1}{2}$  नी |  $\frac{1}{2}$  प म - |  $\frac{1}{2}$  सा सा |  $\frac{1}{2}$  सां ग म | प य नी सां |  $\frac{1}{2}$  सां  $\frac{1}{2}$  नी |  $\frac{1}{2}$  प म - |  $\frac{1}{2}$  सा सा |  $\frac{1}{2}$  सां मा |  $\frac{1}{2}$  सां  $\frac{1}{2}$  ना |  $\frac{1}{2}$  सां प म |

## रामकली—तिलवाडा (दुसरा प्रकार)

 े
 +
 ०
 +
 +
 +

## रामकली—ित्रिताल (तिसरा प्रकार)

### रामकली-निताल (दो गंधार प्रकार)

े प्रसासारे ग - म थ - प प थ म म प ग म थ - प - थ म म - प -ा भो - र मा, - - ई डी - ट छं ग र वा - में - कैं - जा - ने - ना - - =

$$- \frac{1}{2} \times 0 - \frac{1}{2} \times$$

# कोमल रामकली—चौताल

# गुणिक—सूलताल

 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प</

## जोगिया—चौताल

## जोगिया आसाबरी--दीपचंदी

$$\frac{\tilde{\tau}}{2} - \pi i - \frac{1}{|\tilde{\tau}|} \frac{\tilde{\tau}}{2} - \frac{1}{|\tilde{\tau}|} - \frac{1}{|\tilde{\tau}|} - \frac{1}{|\tilde{\tau}|} \frac{1}{|\tilde{\tau}|} - \frac{1}{|\tilde{\tau}|} - \frac{1}{|\tilde{\tau}|} \frac{1}$$

सावेरी--दीपचंदी (दक्षिणेंच्या जोगिया)

## झिलफ—एका (तराणा)

#### झिलफ-झपताल

 सा - | ग म म | प प | प - प | प - | घ - घ | सां - | घ घ प | प म | ग म म

 मे - | री - म | द द क - रो | या - | शा - ह | मे - | रे - - | द ख | द ि द

 ० - | रे - | द क | क - रो | या - | शा - ह | मे - | प प | घ - प | सां - | सां - सां - सां | द र क - रो | छ ख | दो - घ न - | रे - - | अ लो यो - न | वी - | ते - री

 प थ | सां - सां | प प | म ग म | प म | म ग म | प म | म ग म | प य | सां - सां | घ घ | प प म | प म | म ग म | प य | सां - सां | घ घ | प प म | प म म | म म | प य | सां - सां | घ घ | प प म | प म म | म म | म म | प य | सां - सां | घ घ | प प म | म म | म म | म म | म म | म म म | म म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म म | म म म | म म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म | म म म | म म म | म म म | म म | म म म | म म म | म म म | म म म | म म म | म म म | म म म | म म म | म म म | म म म | म म म | म म म | म म म |

## विभास—चौताल (भैरव थाट प्रकार )

( ६९ )

## विभास-त्रिताल ( नी विवादी )

## शुद्धं विभास—खेमता

साध सा --- रे  $| \mathbf{n} - \mathbf{q} | \mathbf{u} + \mathbf{n} | \mathbf{u} - \mathbf{v} | \mathbf{u} + \mathbf{u} | \mathbf{u} + \mathbf{v} | \mathbf{u} + \mathbf{u} | \mathbf{u} + \mathbf{$  $\vec{n}$  - - - - - | सां रें सां  $\vec{i}$  रें सां | घ - -  $\vec{i}$   $\vec{i}$  - | सां रें सां | घ - -  $\vec{i}$   $\vec{i}$  -यां---- स व तो र ड री यां - - क रो - दे लो न ल र के यां - - को ऊ -सारें सां गेरें सां | घ - - - - | सारे ग पध रें | सां - - सां सा घ - धरें - सां स खीं जो सुन पै | यां - - - - | आ - - - जै - | यां - - छां हों | छां - हो - जी थ - रें सां - - | - - - - - | ग - प ग - रे | ग प घ सां - - | घ सां घ गं रें गं पे - - यां - - | - - - - - | चु - रियां - मो | री कर काई - - | दे खो दे खो तू मे

सांघ रें सां - - | गं रें सांघ - प | ग ----- | सारेग पध सां | ग पध सां रें गं रा मदो हाई - - | कां पे हिया - जि | या - - - - | ए म न र सि यां क्या म न ब सियां गें रें सां रें सांघ | सांघ पध पग | सारेग पध रें | सां - - सांसां - | आ वो जी आ वो जी | ना त र सा वो जी | ए - वां की ज नि | यां - - छां डो - |

## देशगौड—तेवरा

## मेघरंजनी-झपताल

नी र | गमम | म - | ममम | म - | ममम | म - | समम | सा - | सम | सा - | सा सा - | सा सा | सा - | सा - | सा सा - | सा सा - | सा सा

$$\frac{\hat{\eta} \hat{\eta}}{\eta} \frac{\hat{\xi}}{\eta} \frac{\hat{x}}{\hat{z}} \frac{\hat{x}}{\eta} \frac{\hat{x}}{\eta} \frac{\hat{x}}{\eta} \frac{\hat{x}}{\eta} - \frac{\hat{x}}{\eta} \frac{\hat{x}}{\eta} - \frac{\hat{x}}{\eta} \frac{\hat{x}}{\eta} \frac{\hat{x}}{\eta} - \frac{\hat{x}}{\eta} \frac{\hat{$$

पान चहे फूल चहे और चहे मेवा

मातजाकि पारवति पिता महादेवा--जिटि. तिसरा "

भालचंद्र सब विलोक सक्छ देववारी

तानसेन गिरिजानन गावे सुखकारी--जिटि.



## कालिंगडा--दादरा

÷ गमन प्रमान प्रमान संनी सं नी धान धरोन प्रमान प्रमान प्रमान संनी सं नी धान धरोन प्रमान प्रमान प्रमान स्थान संनी संनी सं नी धान धरोन स्थान स्था

#### कालिंगडा--त्रिताल

## भैरव थाट समाप्त

## — 🗯 पुर्वी मेल जन्य रागा 🐉 —



## पूर्वी-चौताल (तराणा)

## पूर्वी—चौताल

े 
$$\frac{1}{1}$$
  $\frac{1}{1}$   $\frac$ 

र्युनं -चौताल ( दुसरा प्रकार )

रे सा नी - | नी रे | गर्भ मिम मग | रेग मिग | रेग नी रे | नी घ | नी - हि - | - - | एक | छिन | - - | को - | ना - | पर | - त कि - | छ - | - -में थ | नी रे | गग | थमें थ | मंग | सां सां | सां - | सां सां | रेंना - | ध नी | य प पिया | विन | क ट | तो , - व - | ग च | क - | सं - | गन | के , - | मां - | का -प म म म म ग ग र | ग म म म म ग र सा | नी र | ग - | म - | ध नी प छ | -- | प छ | च र | ख न | -- | स मा | - न | रो - | ए - | रो - | ए -र नी | - य | मं य | भंग | रे ग | रे नी रे नी य | नी - | ग न | मं - | यर् य म रे | - - | ज - | छ - | - - | यु - | ह - | - - | नो - | प र | ना - | याः -घ घ नि मं | - घ | मं - नि दें | नी घ | नी घ प - | मं ग | य नी | घ प | - मं कर कि - | - - | मि - छा - | - का | - पि या - | - - | हि या | जिया - मं भेभ म गिर्म में गिर्म होते हे सा-ति है। ग - | ग भे में में घम घ -- ना - ही - प र - न कि, - | न - | आ - | न - द न न त ह, -मंग रे रे गिमं य य नी य मं य य मं य मं ग ग रेनी रे नी य नि न प त - हि य रा - हो - छ त - च छ - हा - छ हा - छ - - -

## ( 94)

## पुरियाधनाश्री चौताल

े पूर्म | गरे | सासा | नीरे | मरे | गग | प - | प प्र | - प | ध्रम | गम | रे ग | र जा - | छं हो | - व | भ व | - पा | - र प्र | छ म | र न | ह र | को - | करो | - रे जा - | छं हो | - व | भ व | - पा | - र प्र | प्र | में | गरे | सासा | में ग | - में | - घ | सां - | सां रें | - सां | सां नी | रें गं | रें सां छ म | र न | ह र | यह | - सी | - ख | जा - | न मा | - न | क हो | - हे | - प्र | सांनीध्र | रें नी | घ्र प | प पमं | ध्रम | - ग | में घ्र | रें नी | घ्रप | नी में | ग में रे ग | रा | - | न | मों - | भ ग, | - वा | - न | अा - | - प | ही - | क र | - ता | - र

## जेतश्री—चौताल

## ( ७६ )

## दिपक—झपताल

## रेवा—ित्राल

## श्री-त्रिताल (तराणा)

मं प नी सां | रें सां नी ध | परें प - ध मं गरें रें मं गरें | सा रें नी ध मं प नी सा ना दर दर तुम | त न दे रे | ना - - | त न दे रे ना त न न | त न न न दीर दीर दीर े  $\frac{1}{2}$   $-q - | \underline{u} + \underline{u} + \underline{v} | \underline{t} | \underline$ 

## श्री-चौताल

## गौरी--त्रिताल ( पुर्वी थाट प्रकार )

े प्रमा रे नी - सा ध् नी - - रे | -रे सा - | मं - ध् ध् नी नी सा - | रे - रे रे रे में टकत का - हे फिं रे - - वा | -व रे - | न - श्वर त न को - | की - न म

## गौरी-चौताल (दुसरा प्रकार)

## गौरी—दादरा (कालिंगडा अंगकी)

 -- | ा म | गमग | प घ - | प - - | - सां - | घ - प | घ म प - - | चो - | र - ब | स त - चो - | र - ब | स त - चो - | र - ब | स त - चो - | र - ब | स त - चो - | र - व | स त - चो - | सा - र | म ग - | ह ये - | ा ढा ल त ल वा - र | ब र छ | बां - - | ध - च | लो - - |

## गौरी—त्रिताल (परज कालिंगडा अंगकी)

- सानि धुनी | रे ग रे म | ग रे सा रे | नी नी सा - | - - - | में धु में धु नी नी सा सा कहा करं | प ग न च | छ त स खि। घ र को - | - - - - | न य न वि | मु ख ज न न रे - रे रे | रे - सा सा | सा - प प | प धु मं प म | ग म ग - | - - - | में धु मं सा दे - ख न | जा - त न | छो - भ त | अ रु ण अ, | घ र को - | - - - - | श्रव ण क न सा सा सा - | रे रे रे रे रे सा सा | नी - सा रे | ग म ग रे सा | नी नी सा - - - - | ह त वे - | ब च न स | न त न हिं | री - स पा व त, मो - | प र को - | - - - - | सम म म | म - ग ग | म धु प म | म म ग ग | धु धु धु थु प धु म प | ग म ग ग म च न अ ट क्यो - र स | म धु र ह | स न प र | ड र त न | का - ह - | ड र को - | ड र को - |

## तिरवन (त्रिवेणी)—चौताल

## तिरवन (त्रिवेणी)—चौताल (मारवा थाट प्रकार)

## श्रीटंक--ित्रताल

## मालवी-धमार( होरी )

## मालश्री—त्रिताल, हुत लय ( दुसरा प्रकार )

## हंसनारायण—त्रिताल

सा रे ग मं प - प - मं ग गमं प मं ग रे सा सा रे ग रे सा सा प प मं ग में रे म ज म न ना - रा - यण हैं, - स ना - म प - रत स व तो रे म न के शां

o Rx- + - - - - - - + स ना - म प - रत स व तो रे म न के शां

o Rx- + - - - - - - - + स न - रे में सां - रे मां सां - रे नी प प प प प प प प प प मां मां रे सां - रे मां सां - रे नी प प प प प प प प मां मां ने मां - मां - म ले निधान पी - र त जा - श र न च त र मं ग गमं प मं में रे सां सा रे ग मं ज म न

# विभास—चौताल (पुर्वी थाट प्रकार)

 $\widehat{\text{Hi}} \ \ \frac{1}{2} \ \ \frac{$ सा घ | -सा | - रे | गप | प घ | - घ | गंरें | संग - संपध | सो घ | प ग | रे सा मि खो | - अं - घ | का - र ऊ | - ठा | ज न | नी - छ, ख | पा - | - - | - ई सां घ नी घ - प प घ ग प घ सां दें सां घ निघप ध प गप ग दें सा व न व हा - ल ति व ध ता - प मिळो जो जा - ल त न न, सा - ई

े  $\frac{1}{1}$   $\frac$ 

## परज कालिंगडा—त्रिताल (तराणा)

## वसंत-नित्रताल [ पुर्वी थाट प्रकार ]

## वसंत-त्रिताल (पुर्वी थाट प्रकार, दो मध्यम )

ा नी घुप | पप मंग | मंधु नी सां | रें - सां सां | - नी घुप | पप मंग | नी मं - ग ाका - हे | न छे - त | प्रमुकों - | ना - मं | - मा - न | व म् - छ | प डा - रे मंगरेसा | सारे साम | ममगग | मंघ नी धुनी | सांनी धुप | - प - प | प प मंग -म्-द म ज हुं स मझतज सव अ मि, - मा - न - का - हे न छे - त + र्म घुनी सां |र्ने – सां सां | र्म म न | र्म में घु – || सां सां सां – | सां रें सां सां|सां – सांसां प्रमुको - ना- - म अपनी - अपनी - कर के - दो - र त अ - तस र्गें — सांसां || नी — सांरें | नी — युष्य | में धु नी यूप्प || में — ग मं | गरे सा — में — क छु || ना — वत | का — — म | पा — प पु | — ण्यते रे || सा — च सं | गा — थी — सारं सा म म म ग ग म घ नी घ सां नी घ प | अ ज हुं स म झ म ज रा – म सि री रा – म वसंत-त्रिताल (दो वेवत प्रकार) मेग मेघ सां - | नीघु - पर्म | में - गर्| ग - मे प | गर्सा - | नी देग म | म - ग -

मा मेघ सां — नीघ — पर्म मं — गर् ग — मं प | गर् सा — निर् ग म | म — ग — जा, — ई — ह, — तब | सं — त न | वे — — ह रियां — वो हे रे प | प — या — मं य नी सां | — गगमंघ | सां — — नी रे सां — | — — नी ने यं प — न वे — ह रियां — — — वे — ह रियां — — वे से प यसां | नी घ प — मं गरे सा गगमंघ सां — फ् — — ह ल ल — वे हा ह र | शा हा के — व र वा र | जा, — ह — व हा ह र | शा हा के — व र वा र | जा, — ह —

## वसंत—चौताल (मारवा थाट संपूर्ण प्रकार)

सा ग मनी घप मंग मंग मंघ नी सां नी दें दें नी सां नी धनी मं प व सं - त रुत आ - इ - म न हुल - सा - इ फ़ -मंग मंध नी नी | मंप प मं | ग मं | ग रे | सा - | सा सा | नी रे | सा नी ध नी ह र ही - | फूल | वा - | री वा | - री ढा - | री - | स व | छ क छ क प रें  $- \eta | - \dot{\eta} | \dot{\eta}$ साग मनी ध प म ध - नी सां - ध नी निहें - सां - सां - सां - सां - त ह रे - म रे - स व वि - - ई - स रे - फ -नी ध | नी मं | ग - | प प | ग प | प ग | मं नी | मं प | प प | ग प | मं ग | नी रें छे - | फ छे | - - | त रे | - ढ रे - | ग ड | बा - | स मा | - न | ब न | आ -मंध सां - धनी मंग मंग रेसा मन इ - च्छा - फल पा - ए -

## वसंत-धमार (तोडी थाट प्राकर)

गौरी रागाचे आणखी कांहीं प्रकार खालीं दिले आहेत.

## गौरी--त्रिताल (परज कालिंगरा अंगची)

रेंगेरें सां | रें नी सां नी | ध पध सां नी | सां -- | नी - ध प प म प नी | ध प म ग रे | - सा सा नी त बस ध | - दै हों - | - सा, - री | रे -- - | में - प र घ रकी - | ना, - री इया - म मो ए

## लिता गौरी—चौताल

ा सा | नी  $\frac{1}{2}$  | ग - |  $\frac{1}{2}$  ग |  $\frac{1}{2}$  सा | - सा | - सा | नी  $\frac{1}{2}$  | ग - |  $\frac{1}{2}$  ग |  $\frac{1}{2}$  सा | - प | - सा | - जो | - ग | न - | ह - | - प | - सा  $| \mathbf{u} - | - \mathbf{u} | - \mathbf{u} | \mathbf{u}$  $\frac{\text{Hi} - ||\mathbf{Hi} - ||\mathbf{$ 

## लालेता गौरी—तिलवाडा

प मंग म म म गग ग म | धुमं धु निधु नी सां रें सांनी धू नी सां सांनी धूनी - - - ग | - क, कही | - च - च्या - न है, - री च मा, न

## पुर्वी थाट समाप्त

# — ३३ मारवा मेलजन्य रागा 🍪 —



## मारवा-निताल

## मारवा--एक ताल

े सा 
$$\frac{1}{1}$$
 सा  $\frac{1}{1}$  स

( < 9 )

## पुरिया ( रेनकी )—ित्रिताल ( तराणा ) 🦈

नी घ - - | मं घ नी नी | सा - - - | - सा - सा | नी घ - - | मं घ नी रे त दी - - | - य न --- | --- सा | नी --- | --- रे | म -ग - | रे --- | --- र | ता -नुम - | ---सानीनी - रे| ग ग ग म म म ध सांसां | - सां सां सां | म ध ध म | म म म गग त गडान — धिडानक तर किट तक धुम तर किट धिलांग — धिर किट तक ना तर किट तक धुमतर किट धिलांग - रे रेरे - | सा सासा - सा | ग ग ग ग म म ध ध म सां - सां | नी रें सां - त गडान - त गडान - तां | धि ति लि ति ता ना दर दर ता दीम - दीम त न न --- सां नी | रें गं - मं | गंरें सां - | नी ध नी - | सा नीनी - रे | ग ग ग ग -- सा नी रेग - म गर सा - | नी ध नी - | त गडान - धिड नक तर किट तक में में घ सांसां |- सां सां सां∥मं घ घ मं | नी नी में गग |- रे रेरे -|सा सासा - सा धुमतर किट घिलांग — धिर किट तक ना तर किट तक धुम तर किट धिलांग — त गडान — ता

## पुरिया ( रेनकी )—त्रिताल

 $-\frac{1}{12}$  | सा नी ध नी |  $\frac{1}{12}$  |  $\frac{1}{12}$  |  $\frac{1}{12}$  |  $\frac{1}{12}$  | सा नी ध नी |  $\frac{1}{12}$  | सा नी ध नी |  $\frac{1}{12}$  | सा नी ध नी |  $\frac{1}{12}$  | सा नी ध नो |  $\frac{1}{12}$  |  $\frac$ 

## दिनकी पुरिया—चौताल

नी रे | गर्म | रे - | ग - | म - | प - | म - | प प | म - | ग ग रे - | सा - प य | म म | ण - | माहा दे - | व -नी - | रे ग | ग - | मं ग | मं प | - - | ग - | मं ध | नी ध | प मं गरे | सा - जा - | न म | ण - | गो - | रख | - - | वे - | द म | ण - | त्र - | हा - | - -ग - | ग ग म थ | नी सां | नी सां | - - | सां नी | ध म | ग म | ग - | रे - | सा - | नि - | या म | ण - | स र | ख ती | - - | न दी | म ण | गं - | - - | गा - | - -नी - |  $\frac{1}{2}$   $\eta$  |  $\eta$  - |  $\frac{1}{2}$   $\eta$  |  $\eta$  - |  $\eta$  - |  $\eta$  - |  $\eta$  + |  $\eta$ नी - |  $\frac{1}{2}$  |  $\frac{1}{2$ ग - | मंध | नी सां | नी सां | - सां | - - | सां नी | ध प | मंग | मंग | रे - | सा - वा - | ज न | म ण | मृ दं | - ग | - - | ता - | र म | ण - | - - | वि - | णा -नी  $-|\frac{1}{2}\eta|$  मं  $\eta|\frac{1}{2}\eta|$  मं  $\eta|--|\eta|$  मं  $\eta|-\eta|$  से  $\eta|-\eta|\frac{1}{2}\eta|$  सा क  $-|\frac{1}{2}\eta|$  नो  $\eta|-\eta|$  नो  $\eta|-\eta|$  स  $\eta|-\eta|$ नी रे ग ग मं प प - मं - ग - ग - मं ध नी सां ध प मं ग रे सा दिन म णि सू - ये - ओ - र - रे - न म णि - चं - दा - - -

## जेत—चौताल ( ओडवं प्रकार )

## जेत-अपताल (दोनो रे, ध षाडव प्रकार)

ासा  $\frac{1}{2}$  ग  $\frac{1}{2}$  - सा  $\frac{1}{2}$  सा  $\frac{1}{2}$  -  $\frac{1}{2}$ 

## मालीगौरा—चौताल

 †
 ०
 †
 ०

## मालीगोरा--त्रिताल (कोमल धैवत श्री अंग प्रकार.)

## साजगिरी—चौताल

## वराटी (बरारी)—सुलताल

 4
 0
 0
 0

## वराटी (बरारी)—चौताल

### सोहनी-एकताल ( एक प्रकार )

नी सां | धनी | मं भंध | म ग | मं ग | रे सा | नी सा | ग - | मं ध | सां नी | सां नी | मं ध | सां नी | सां नी | सां ह | नी सां ह | नी सां ह | नी सां ह | नि सां ह | नि सां ह | नि सां ह | नी सां ह | नी सां ह | नी सां ह | नी सां | सां हे | सां हे | नी सां | नी ध | नी सां | नी ध ह ह | स त | स व व न | स म ध | रव व न | स म र सां हे | नी सां | नी ध | नी सां | नी

## सोहनी—त्रिताल (दुसरा प्रकार)

```
\frac{\pi i \pi i \pi i}{\pi i} / \frac{1}{2} \pi i / - \frac{1}{2} / \frac{1}{2} \pi i / / 
                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                            \frac{di}{dt} = -\left| -\frac{di}{di} \right| = \frac{di}{di} = \frac{di}{di
                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                           \frac{\pi i \hat{\pi}}{\hat{\pi}} / \frac{\vec{z}}{\hat{\pi}} = \frac{\pi i \hat{\pi}}{\hat{\xi}} - \frac{\pi i \hat{\pi}}{\hat{\xi}} - \frac{\pi i \hat{\pi}}{\hat{\pi}} = \frac{\pi i \hat{\pi}}{\hat{\pi}} + \frac{\pi i \hat{

\frac{\eta \eta}{\eta} \frac{1}{\xi} \frac{1}{\eta \eta} \frac{1}{
                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                   लिलत—चौताल (कोमल धैवत प्रकार)
                                                                                                                                                                                                                                                                             \begin{array}{c|c} \eta & \mu / \underline{y} & \eta \dot{\eta} / - \underline{\tilde{\chi}} \hat{\eta} & \mu & \underline{y} / \dot{\eta} - / \eta - / \eta & \eta / \eta & \underline{\tilde{\chi}} / \eta & \eta / \eta & \eta / \eta & \underline{\tilde{\chi}} / \eta & \eta / \eta 

\frac{\eta \eta \eta}{|\dot{\eta}|} \frac{\dot{\eta}}{|\dot{\eta}|} \frac{\dot{\eta}}{|\dot

\frac{\dot{\eta}\dot{\eta}}{\dot{\eta}} \left| \frac{\dot{\eta}}{\dot{\eta}} - \dot{\eta} \right| \frac{\dot{\eta}}{\dot{\eta}} - \dot{\eta} - \dot{\eta} \right| \frac{\dot{\eta}}{\dot{\eta}} - \dot{\eta} - \dot{\eta
```

## पंचम-चौताल (दुसरा प्रकार)



## लालेत पंचम-धमार (तिसरा प्रकार)

#### ->>>%

## पंचम ( वसंत पंचम )—ित्रताल ( चवथा प्रकार )

ै  $-\frac{1}{2}$   $-\frac{1}{$ 

- R.x ° - + - ° - - ° - प्रमा न न मं | - प्रमा न न मं | - प्रमा मं | - न मं | - प्रमा मं | - न मं

## पंचम-त्रिताल (पांचवा प्रकार)

## भटियार—त्रिताल (मारवा थाट प्रकार)

प्षपम पग - मं घ - - सां | रें - सां - | नी - घप | म घ प म | ग - रे सा क हा क रुं न मा - ने | री - - स | खि - री - | मो - र स | कुट वा रो | धी - ट लं न से सां मां मां प म घ प म ग मं घ घ सां नी सां घ नी प घ | ग मंघ घ सां - नी सां ग र ड ग र च ल त पनी यां मा र त ठ ठो ली क र त क द र पि या - मो री मा - न त ना - हीं - | सा - रें ग | - म प म | घ प म ग | ग रें रें सा | मा - न त ना - हीं - | बा - र वा | - र मों से | ब र जो री क र त - |

#### (90)

#### भरुखार—चौताल

#### भरुखार—न्त्रिताल

## बिभास—त्रिताल (मारवा थाट प्रकार)

## बिभास—चौताल

## बिभास—झपताल (मारवा थाट ओडव प्रकार)

## पुरिया कल्यान—आडचौताल

## मारवा थाट समाप्त



## —🐉 काफी नेलजन्य रागा 🐉 —

#### ~~

## काफी सुरावर्त-जलद त्रिताल ( द्वंत लय ).

॰ - + - ॰ - + - ॰ - + - ग्रे सा ग्रे ग्रा सा - रे ॥ प - ग्रम - ग्रम - ग्रम - १ ॥ प - ग्रम - ग्रम - १ ॥ प - ग्रम - सा ग्रे सा ग्रे म । ग्रे सा ग्रे सा ग्रे ग्रा । सा - रे ॥ प - ग्रम । प ध नी सां। नी ग्रे रं ग्रम के प - १ ॥ प - ग्रम । प ध नी सां। नी ग्रे रं ग्रम के प - १ ॥ प - ग्रम । प थ नी सां। नी ग्रे सा ग्रे थ नी ॥ सां रें ग्रं मं। ग्रे सां नी । ध प म प । प रें - सां ॥ म प - म । ग्रे सा नी

## काफी-निताल ( द्वत लय )

ा । नी | सा रे - रे | रे म - म | प - ध प | ग म - म | सा रे - रे | रे म - म | प - ध प | ग म - म | सा रे - रे | रे म - म | प - - म | च ल - च | ट के - ली | ना - र अल | वे ली - च | च ल - च | ट के - ली | ना - र अल | वे ली - च | च ल - च | ट के - ली | नार - - - | - - म ग | म नी ध नी | ध नी प घ | नी सां नी ध | प म म प | म ग ग म नार - - | - - का हे | दौ र त फि। र त इ त | रा ई व ल | सा ई ये छ | गा ई ह र र - - | - - - का हे | दौ र त फि। र त इ त | रा ई व ल | सा ई ये छ | गा ई ह र र - - | - - - - का हे | ची प घ | प ध नी सां | नी सां - सां | रे ग म ग | रे सा - नी जाई - नि | प - ट नि | ल ज क हां | जा ते ही त | के सा - र | अत ही ग वा र - चं ल ल ने | ट के - ली | ना - र अल वे ली - चं | च ल - च | ट के - ली | नार - - - | चं ल ल के हो | ना - र अल वे ली - चं | च ल - च | ट के - ली | ना ह क हो | - त गो री + - - - | चां - द क | ह त मो रे | म न ह न | मा - वे - | ना ह क हो | - त गो री + - - | चं ल ल के हा - र | चं च ल च | ट के - ली | नी सां - सां | सा रे रे रे | रे म - म | मो रे ग ले को हा - र | चं च ल च | ट के - ली |

#### काफी-दीपचंदी ( होरी )

+ -  $\circ$  - + -  $\circ$  -  $\frac{1}{4} + \frac{1}{4} - \frac$ म नी -  $| \mathbf{u} - - \mathbf{u} |$  म  $\mathbf{n} - | \mathbf{u} - \mathbf{n} |$  से सा सा -  $| \mathbf{t} - \mathbf{t} - |$   $| \mathbf{t} |$  म -  $| \mathbf{u} - \mathbf{u} |$  से  $| \mathbf{u} |$  से पध नो ध | प --- | --- | सो रें - | रें - रें - | रें मं - | गुं - - रें हों, -- | रो --- | --- | वी ख - | स - म - | जा -- | नी - - -नी धनी सारें | सां - - - | - - - | नी - - | नी - - नी | नी ध - | प - - ध रो - - | री - - - | - - - | ए - - | सी - - हो | री - - | न - - र नी -- | सां -- रें | सां नी - | ध -- प | नी -- | नी - नी - | सां -- | सां - सां -ना -- | री -- जो | खे -- | ल -- त | ता -- | ही - को - | वं -- | ध - क - $\frac{-1}{2} - \left| \frac{-1}{1} + \frac{-1}{2} - \frac{-1}{2} + \frac{-1}{2} - \frac{-1}{2} + \frac{-1}{2} - \frac{-1}{2} + \frac{-1}{$ 

#### जिल्हा—जलद त्रिताल, (मिश्र राग)

ा नी र सा नी - ध म ध - नी सा - - - | - - नी ध | नी - ग - | र - - ग | ा अ व | न मा - नुं गी तो - री | वात - - - | - - मुं न से - यां - | रे - - - | म म ग रे | सा - नी ध | नी - म - | ग - - म | प म ग रे | सा - नी रे | सा नी - ध धां डो मो रे | हाथ - अं व | न मा - नुं

#### जिल्हा—जलद त्रिताल, द्वत लय

#### सेंधवी—चौताल

 मा
 0
 +
 0
 0
 -<

#### सैंधवी-ित्रताल

#### सिंदुरा—त्रिताल (सुरावर्त)

### सिंदुरा-धमार

#### धनाश्री-चौताल

#### ( 30 & )

#### धनाश्री-निताल (तराणा)

#### पीछ धनाश्री—धुमाळी

## भिमपलासी—चौताल

ती सा / म ग / रे सा / ती सा ग / म म / प - / प ग / म म / ग म / म प / ती ती वी सा ता / - ल जो / - ल जो / - ल  $\frac{q \cdot \vec{n} / \vec{n} \cdot \vec{n}}{\hat{r}} = \frac{q \cdot \vec{n} / \vec{n} / \vec{n} \cdot \vec{n}}{|\vec{n}|} = \frac{q \cdot \vec{n} / \vec{n}}{|\vec{n}|} = \frac{q \cdot   $\frac{q \cdot f_1}{a \cdot a} / - \frac{\pi i}{a} / - \frac{\pi i}$ ग् म। पम। ग्म। पम। ग्ग। - म। पप। नीसां। गंगं।। रें सां। नी ध। पम गुम।पम।गुरे॥सा-/रेनी/सासा/

# भिमपलास—तिलवाडा (विलंबित लय)

है सा धृ पृ / मृ पृ नी नी | नी सा - | सा रेरेसानी सा साम  $| \hat{\mu} - \hat{\eta} - \hat{\eta} |$   $| \hat{\eta} | \hat{\eta} |$   $| \hat{\eta} | \hat{\eta} |$   $| \hat{\eta} | \hat{\eta} |$   $| \hat{\eta} |$  |॰ पग्रे सासा / पपमग्रम पिनी सां सां / सां नी सां गं / रें सां घप / पग्रम प -- हैं अब ं में ब रें, जं जा - ल में | आ - न फ / सी - हूं - ने म व सा -म ग रे सा | नी नी नी सा | म - - ग | नीसा मग म पम | प - म ग | गसा मग प - | म ग रे सासा । ज र में - | ग ह प क | रो - - - | नि ग रे सासा । ज - - - - है अब

#### भिमपलासी—त्रिताल (कोमल धैवत प्रकार)

#### धानी-त्रिताल

े प - प प | प प ग प | प नी प म | ग सा नी सा ग म प नी प नी | सांगं सां नी कि - रण म | रा री वि न | ती क र त | में तो हा री | नी ठु र क | ना ई वि न | ती क र त | प ग ग सा | ग ग प | नी नी सां नी | सां सां गं नी | सां नी सां सां | नी म प | म म म तो हा री | नि प ट नि | द र न ट | व र छो रो | नी ठु रा ई | सा - स न | नं द ज व प नी म प | ग सा नी सा

#### धानी--त्रिताल

जाने देवे में की गारी

#### पटमंजरी-निताल (काफी थाट प्रकार)

ा सा सा रे म प ध मगुगरे नी सा नी सारे नी सा नी सा रे सा नी ध ध प प प प प के र हरी को म ज, नि त कि ठ मो रे म न हरी स ब के ता र न हरी म न नि सा से नी सा सारे रे म प नी नी सां सां नी सां रें सां नी ध प प रे म प नी सां रें प ती त पा व न जा ही जा व त श र न जा ही ध र त च र न वा को ट र त ज म सां नी ध प प मगुगरे सा सा प नी सारे म प नी सां नी ध प ध मगुग रे सा सा सा म ना को हर, तम र न ए से ति छ क म व न भ ज च तु र, सु ज न क र

#### पटमंजरी—चौताल (काफी थाट प्रकार)

े रे | नी | पू म | पू नी | पू नी | सा सा | - सा | सा सा | रे प | म - | प म | प ग | म - | रो - | म न | ह र | - छी | - नो | - र | स ब | ति - | यां - | - - | क र | - र | रे प | म प | ग - | रे ग | सा सा | रे - | नी - | थू म | म - | प नी | प नी | प नी - र | रे - | हा - | र - | हा - | - र | म - | रो - | म न | जो - | छो - | न दे | सा सा | नी सा | सा | नी नी सां - | ग रे | सा ध | नी प प - | प म ग | सारे प - प - | सा सा | - हे | क छ ना - | प र | त मो - हे | की - | न जु, ग, वा | - त | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र | - र

#### पटमंजरी—चौताल (दो गंधार मिश्र प्रकार)

#### पटदीपकी--नित्रताल

ा पप ग न रे सा | - सा सा रे | नी - सा सा | सा - सा सा | नी सा ग म | प - प प । प ट दी - प की | - छ र त | ए - सी व | नी - ज व | दो - नो गं | धा - र क । प प म म | गम प ग म | मां - सां - | ध - प प | ध प म ग | ग म प प | प - प - र त म न | रं, - ज न | ध - ना - | श्री - जें ग | स ज त धा | ना - प ट | जा - रो - म म ग म | प प नी नी | सां - सां सां | नी - नी नी | सां - सां सां | गं गं रें सां | नी ध प प ह न रि घ | चिन स व | सं - म त | रं - ज नी | रो - ह नी | रि घ को - | स म ज त । नि सां सां मां मां प - प - | ध प म म | ग प म | सां सां सां सां सां च - प प | ध प म ग ग म प प म | म - च्य म | वा - दी - | स् - न त | च म क त क र त व | चा - ई प | ठा - सी गु नी - प ट

# पटदीपकी—तेवरा $\frac{1}{q} \frac{1}{q} - \frac{1}{q} \frac$ $\frac{q - - / \pi - / \pi - / \pi \pi}{\hat{\pi} - / \hat{\pi} - / \pi} \frac{\hat{\tau} - / \pi \pi / \pi}{\hat{\pi} - / \pi} \frac{\hat{\tau} - / \pi - / \pi - / \pi \pi / \pi}{\hat{\tau} - / \pi - / \pi} \frac{\hat{\tau} - / \pi - / \pi \pi / \pi}{\hat{\tau} - / \pi \pi / \pi} \frac{\hat{\tau}}{\hat{\tau}}$ नी $-\frac{\mathbf{H}}{\mathbf{H}}/\frac{\mathbf{H}}{\mathbf{H}}/\frac{\mathbf{H}}{\mathbf{H}}/\frac{\mathbf{H}}{\mathbf{H}}/\frac{\mathbf{H}}{\mathbf{H}} - \frac{\mathbf{H}}{\mathbf{H}} -$

### अहिरी-त्रिताल

े अहिरी-त्रिताल 
$$\frac{1}{|I|} \frac{1}{|H|} \frac{1}{|H$$

 $\frac{1}{1}$   $\frac{1$ 

#### वागीश्वरी—त्रिताल (तराणा)

#### वागीश्वरी—त्रिताल

नी सा नी घ नी घप धनीसां नी घ - म ग - मग रे सा निसा नीसा रे सा नीसा नी धं से व ग ण क ही, न, ही जा - - त - माई अ व न ये - न ये - नि त - से - प्राप्त म म ग म ग म ग म ग म घ नी सां नी घ म ग - मग रे सा - मम ध नी खं - ज ग ि न में - क र त का - न क, - सा सा - त - माइ अ व - पानिया म - सां सां सां - नी - सां रें सांनी सां नी घ - नी घ प धनी सां नी घ म ग र न म - जा - त र ही, - री - मि ल्यो - ति हा - री, - के - - -

- ° प्रा र सा | - म ध नी | सां सां सां सां सां सां सां सां नी सां मां नी मां ने न न न न न न न न न न मां सां मां नी ध म ग | - मां र सा | न मां र सा |

#### वागीश्वरी कानडा-तिलवाडा (वागीश्वरी व सहा कानडाचे मिश्र राग )

#### मालगुंज—त्रिताल

#### सुहा कानडा---त्रिताल (तराणा)

### स्रहा कानडा—चौताल

$$\frac{1}{\sqrt{2}} = \frac{1}{\sqrt{2}} = \frac{1$$

#### मुघराई कानडा—सपताल

#### हसिनी कानडा-निताल (तराणा)

#### हसीनी कानडा-निताल (विलंबित लय)

सा - म - म म - प | पथ - नी | घ प - पं | म - म - | म - - प - - जा - | न त - ज | गमें - - | को - - य | जा - न - | त - - ज नी सां  $-\frac{1}{2}$  | सां --- |  $-\frac{1}{2}$  सां - | -- सां - |  $-\frac{1}{2}$  सां - | -- |  $-\frac{1}{2}$  सां - | -- सां - |  $-\frac{1}{2}$  सां - | -- सां - |  $-\frac{1}{2}$  सां - | -- सां - | - सां - सां - | - सां -नी ध - नी | ध प म - | म - - प | प ध - नी | ध प - प | म म म - | म - - प म म - - प ने से क - | र - - नि क स - न | हो - - य के से क - | र - - नि प सां - सां | नी प - म | ग - रे सा रे नी सा - | - - रे - | प - म - | म म - म क स - न | हा - - - | - - य ल | ग - न - | - - र्। - | नूं - प - | र द : म प्म प - - | - - - प | म नी - प | नी प - - | - - म नी | प म - ग | ग - - ग प, रे - - | - - ड | रे - - - | न ही - - | - - न ही - - | - - न ही - - | - - - ग 

#### नायकी कानडा—त्रिताल

ा नी - प | पम पसां | - नी पम | पम - म | - ग - म | म म नी प ा पा - पी हरी मुख | - वो - - | छ रे - वुं | - सा - र | थ क क र - - - - - - - - - - - | सां - रें सां | रें सां - सां - हें - वा - | सां - रें सां | रें सां - सां - हें - वा - | ने म म म नी प - हर रें | नी सां नी प | म प - म | पम - म | - ग - म | म म नी प - हर रें | ग अ क्षियां | - खो - | छ रे - वुं | - सा - र थ क क र छे या तनको.

#### नायकी कानडा-धमार

#### देवसाख-निताल

#### देवसाख--- झपताल

- सा सा म | रे सा | रे सा | नी सा | ग - ग | ग ग | प प नी | प नी | सा | सा म | रे सा | सा सा म | रे सा | सा सा म | रे सा | सा सा म | से म प | प नी प | नी सां | सां - सां | सां सां हें - सां | नी सां च म त | च च च च - प - | छ - ज | ग त | ज - ग | ता - सां नी प | ग | म रे | सा सा म | रे सा | रे सा | रे नी - च - क | व ती | च क - | ता - म | रे सा | रे नी - च - क | व ती | च क - | ता - म | रे सा | रे सा | रे नी - च - क | व ती | च क - | ता - म | रे सा | रे नी - च - क | व ती | च क - | ता - म | रे सा | रे सा | रे नी - च - क | व ती | च क - | ता - म | रे सा | रे सा | रे नी - च - क | व ती | च क - | ता - म | रे सा |

#### शहाना कानडा—त्रिताल ( चतरंग )

सा नी प नी म प प म | रे - रे - | म प म ग | - - ग - | म - रे - | - - सा - जो दे ना त ता - ना - | ना - ना - | ता - दी - | ईम - ता - | - - ना -म प नी - || प म ग म | नी - - नी । सां - - - | - नी - सां । सां - - - | - सां - नी - ता - || ना - - - | सां - रें - । - सां - नी ।। प - नी - । म प नी सां । रें - सां - । रें - सां - ।। प - सां -- नी - प। म - - - । - नी - सा। रे - - - | सांनी पनी | म प प म | रे - रे - | ओ दे ना त | ता - ना - | ना - ना -म प म नी | नी ध - प | ध - म - | - म - प | सां - - - | - - नी - | - - प - ता - दीं च | त रं - ग सों - - - | - ग - त | हे - - - | - - त - | - - ब -प ध प ध | प म ग - | - - ग - | म - रे - | - सा सा - | नी सा रे म | प नी सां रें ज - प - | त - - | - - ता - | न - मा - | - न वं - | धा - - - | - - - -सां नी प नी | - सां - नी  $| \dot{\pi} \dot{i} - - \dot{\eta} \dot{i} |$  सां - सां - | - सां नी - प - | म - म - | म म म म | प - प प | नीनी पपनी ,प | नी प नी सांसां य - न - धि - द्रि - धिर कि ट धा - धि नता तर गिन धिला ,न धि नता धा तर नीनी मां नीनी सांसां नी पसांसां,सां नी पसांसां,सां नी प सांसां,सां नी - प म | प म गु म गिन भा नर गिन था - कड़ा ,न था - कड़ा ,न था - कड़ा ,न था - द्धा - धा ---

#### ( १२१ )

#### शहाना कानडा-दीपचंदी

$$\frac{1}{1} = \frac{1}{1} = \frac{$$

#### मुद्रीक कानडा —चौताल

#### मुद्रीक कानडा-धमार

#### सिंदूरा कानाडा-नित्रताल

#### खमाजी कानडा—चौताल

 $\frac{q}{d} = \frac{1}{|\eta|} \frac{$ रें नीसां नी ध | ग म | - नी | ध ध | थ नीध नीध नी सां रें | सां नीध नीप नी सां सां सां सां सां कि कि ख है सा सा $\left| -\frac{x}{4} \right| = \left| \frac{y}{4} \right| = \left| \frac{$ सां  $\frac{1}{2} \left| \frac{1}{2} \right| \frac{1}{2} \left| \frac{1}$ जैजेवेती कानडा—चौताल म  $\underline{\eta}/\mu$  रे/ नी सा  $\|\hat{\tau} \underline{\eta}/\hat{\tau}\|_{\dot{\mathcal{E}}} = \frac{1}{2} \left(\frac{1}{2} \frac{1}{2}   $\vec{\xi} \stackrel{\text{di}}{=} |\vec{\eta}| \stackrel{\text{di$ ध प | म प | म ग | रे ग | रे नी | ध नी | प नी | रे - | रे - | ह मे | - - | - श | - म | न - | सा - |

#### बंहार—त्रिताल

 म प - म | (प) - ग - | म - प म | नी प ग म | ध - नी नी | सां - नी प | म प ग - य हा - र | आ - ई - | - - व - | ल रियां - | फू - ल र | ही - अ म | रै - या 
 - सांध - | नी सां - नी | सां नी धनी | सां - - सां | सां नी धनी | धनी सांरें नीसां, सां | नी नी - प - व थां - | व थां - | किस | निवा - ले | ला - - लवे | लवा - ले | ला, - - , ल | व हा - र (प) - गु - | गुगम नी | - ध नी नी | सां- नी सां | - नी सां सां | नी नी नी नी नी सां सां आ - ई - | डा - र डा | - र औ र | पा - त पा | - त प र | भ व र फि र त अ म रें रें सां सां ||नी सां रें सां | नी सां नी ध | नी सां रें सां | नी सां धनी सां || नी नी - प | हस न 'व || सं - त छ | ना - ई - | अ त म न | भा - हूं, - || व हा - र

#### वसंत वहार-नित्रताल

सां नी ध प | (प) ग म ग | भंध सां – नीसां। ध नी सां रें | रेरेसां नी सां नी मं ग | मं नीनी मं गमं य जों – न | मा – न | ए, री – । व र न को | य,,, , िल या – | कू – क वु, । ले या – | कू – क वु, । ले या सां सां म ,म | म प नीनीप पमग्म | गृ म ध नी | सां – नी ध | प – धुग मंध ला – रं – । ते सो हि ,प पां य रा,,, – । पि यु पि यु । – क र | ही – – ।

#### सुहा कानडा वहार—त्रिताल

ा।  $\frac{1}{1}$  प  $\frac{1}{1}$  प

#### अडाणा बहार—त्रिताल (तराणा)

ा, सां नी | सां सां सासा सा रे रे रे रे | गु - म - | प - , नी - | नी सां - सां | नी सां रें सां ा भो दे त न दीर त नादिय न रे - - - - दीम-तानुम - ता ना ना दे रे नी प नी प | नी प नी - | नी सां - सां | नी सां रें सां | नी प नी प | नी - नी - | प प प प ना --- | -- दीम- ता नुम - ता ना ना दे रे | ना -- - दीम- दीम- त न न न म प - म | ग म प म | ग --- | म - म - | रे रे सा सा | सा - सा म | - म गग मम दे रे - ना ता - - - नुम - - - दीम-दीम- त न न न देर - ना देर - ना दर दर प प प नी | - ध प प | मं - मं म | - म - प | ग म प ध | नी सां रें रें | सां सां प सां त न न न न न न देर – ना देर – ना – त दा नी ताना हुं दर तद र दा नी त सां प सां नी |सां सां सासा सा | रे रे रे रे | ग - म - | प - - - | म म म म | नी प नी नी दानी ओ दे त न दीर त नादियन रे --- -- अ ल ली अ लि ली अ ली प प प सां | - प प - | सां - प - | म प प म | ग रे सा - | म मम मम म दर दर दर ना - त देर - | ना - दीम - त न न न दे रे ना - | ना दर दर तुम पप पप नीनी नीनी | सां मं - रें | सां सां रें - || सां सां प सां | सां प सां नी | धित लान – तुम दर दर ता – रे दा नी त दा नी ओ दे | दर दर दर दर भैरव वहार—त्रिताल (तराणा) ााधनी सानीधप ग-म,ग रे-रे-सा--ध नीसा-रे ग-मग ा। ला - न - न ता - - - न - न - न त द रे -त द - रे -रे - सा - |सासा नी सा नी ध्रम् ध्र |नी सा सा नी|सा ध्र- नी |सा रे मग रे | - रे सा रे दानी - - तन कद तनना दे । है है तद रेदा - नी ता - -दा - नी त न 

#### हिंडोल बहार--त्रिताल

सांसां धर्म गसा ,सासा | पू - सा नीसा | सा ग म ग | म घ सां - | सां (सां) सां घ | म गर्म ग सां काय िया बोल ,तल | जा - - - | - - त - | ए - - - | न ई ना - | र न, की - - सा ग म घ | सां घ सांम घ | नी धनी सां नीसां, सां | सां सां - नीसां | सां नी रें सां | रेंरेंसांनी सां नी घ घ मा - र | जा - - गें | सो ,त पी ,,,री | म ई - - | ए - - से | जै ,,, - से - - | घ नी प नीम | प्या मसा रे सा | सा सानी रे सा | म प्यमग मम | मम नी घ मग | गम धनी सां रेंरेंसांनी स र सों - | - - - | ख हा , - ग रीं - ,ग | बर - स त, | तिन कुं ख बे - - | सां नी घ ग | मघ सांघ सां मंघ | - वा - ग | - - - - |

#### मध्यमादी सारंग--त्रिताल (तराणा)

#### मध्यमादि सारंग—सूल ताल ( विलंबित लय )

 +
 0
 0
 +
 0
 0
 0
 0
 0

#### वृंदावनी सारंग—झपताल

 रे
 0
 -

#### विंद्रावनी सारंग--एका (दुसरा प्रकार)

 सं सां | प्रथ | प प | म प | प्रथ | प प | म प | प्र प | नी प | म प | प्र प | म र | सां सां | प्रथ | प ने | प ट | प र | टा डां | य म ना त्र ट प र है | वां सी वा रा | र र | म प | प प | म प | म र | सां सां | म म | प प | सां - | नी सां | रें रें | सां - क ह | न गां | पा य | न क ने यां का रां | स व | स खी | यां - | नी क | स त | है - | सां सां | रें सां | रें सां | रें सां | प्र प | म म | प प | प | प | म प | नी प | म रें | प नी यां भ र न | य म | ना की ना रे | विच | मा र | ग मि लो शा | म सुं द र | रें | सां सां | नी प | म रें | प म | रें सां | यें प म ने नी छ | र वा | 

 रें रें सां सां | नी प | म रें | प म | रें सां | य म ने नी छ | र वा |

#### वडहंस सारंग—एका

 ०

#### सामत सारंग---झपताल

 प
 प
 प
 नी
 प
 प
 नी
 प
 प
 नी
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प
 प</td

#### शुद्ध सारंग—चौताल

### मियांका सारंग—चौताल

,	सां -   सां सां रें सां   सां सां -   नी प   प प   प नी   पथ सां   सां रें   सां सां   नी प क -   कर   हर   दुख   द -   छि -   द्रप   तित   — -   पा -   वन
	प -   घ रें   सां -   नी प   म -   रे सा   - सा   नी घ   रे सा   ने च   ने च   ने च   ने च

·
<del></del>
लंकदहन सारंग—झपताल
्रासार र र सा सा सा सा नी - पा ग ग ग म ने -
पूर्तीसारे रे रिसा सा सा सा नी - पृ गृग् गृग् म रे सा सा सा नी प् राग ट ह र प्रि या को ना - म नित मो - रे र स ने
भागतामा - र र स ने
म प नी नी सा रेरे   सारे सा गुग गू म रे   सा सा नी - प्रम न ह   रित   ध - न   कर हे - तू अप ने
ं न न मन ह रित थ - न ह र सिसा नी - प
× । गर्नित् अप नि
म प   नी सां सां   सां -   नी सां सां   मं मं   मं रें सां   सां :-   सां नी प जो है   जो - ई   ध्या -   व - त   प र   म फ ल   पा -   व त -
ा शाला = इ । ध्या - व - त पर म फ ज सा नी प
प रें रे म रे   सा -   नी सासा   गुग   म रे सा   सा सा   नी - प
सा -   रे - म   सा -   नी सा सा   गुग   म रे सा   क -   न
ं भा न जा न को । म ज च त र सा ना न प

## सावन ( लंकदहन )—पंजावी

•		-	,			
•			+			
1	TT	U =	2110	-	0	
-	• •	7   3 4 4 4	ना ॥ ना सा 🕳	icro 1	•	-
7	, .	= 1	1 11 11 -5	144   भ	प्राप्त ।	•
i	1	हों से मान	<i>⊊</i> ,	<b>ー</b>	374   4 - 11	$-1\pi$
		2 1 0 0 m	기 1 3	ī. =	$\sim$ 1.	1 4 - ₹ -
1					आ   यो	
1		-	_		(J) 1 1	_ _   म - रे - _   - री -
777	-2	1 >	9	_	<u> </u>	1 (1 -
*41		सा र - प	_	1.5	+	
	•	, ,	<u>- 1                                   </u>	2 _ = 1	. It	-
-	- 7	7 777	1 - ' ''	. 1 / 41	सा <b>–</b>	122 > -
	7	1 141			1 41	रिर रमः गरे क
		•	1 - 4 0	ां अ - ग	1 77 2	1000 41
				•	11 4 न	ਜਾਂ 🔾
					•	1111
						-   री -     रेरे रेम ग्रे सा   नां,

हे स प म | प - - नी | - नी सां रें | सां प रेंसां नीघ | पम गुरे सा म | रे म प नी - त प त | है - - प्रा | - न प्या रे | का न्ह विना - | - - हे | री स - खी  $\times$ + - | - | नी सां रें रें | रें गुं - - | - मं रें सां चहुं - ओ - र सें - | घ टा - - | क म ढ गु | म ढ - - | - - घे री  $\sim$  - | नी सां - सां नी | सांनी सां - नी, | रेंसां नीध सांनी धप | मप नीध प - | प रें सां रें आ - - | ई - मो री | छिति यां - - | दर की, - | - - जाय - हे जी मो री + | - छित यां - | - दर की, - | - - नी सां रें | सां प रेंसां नीध - छित यां - | - जाय - | नि सां रें | सां प रेंसां नीध - छित यां - | - दर की, - | - - नी | नी सां रें | सां प रेंसां नीध - छित यां - | - जाय - | नि सां रें | सां प रेंसां नीध - छित यां - | - हे | री स - खी | |

#### सावन —चौताल (देस अंग)

#### (838)

#### सावन-रुपक (पीछ अंग)

<u></u> :	· ش	0		-	O.			0
ष्यः) हा,	प्य   नी —   गं	नी   सा - र   ही -	-   सा स -   अ र्	ता   सा	<b>प                                    </b>	य प मि	ग   सा ग -   - झ	ण — रे म — रे री — —
र् अ	म प्यनी	भ्रप् प्रा (सा भें, भि, ज	ेनी प्य प् त ऊ,	गृध्   नी व न,   वि	नी़ ∦सार न ∥क	सा -   प ब -   की	-   गुरे गु -	नी सानी खडा –
त् <u>त</u> धाः आः	प्ध नी	ऩी   सा - र   ही -	· -   नी स · -   ख	सा   ग प   ने	म ∥ प प मे ∥आ ये	थि प । में पिया   मे	ग मध प	पगरे सा ली – नो
नी द	सा   ग	म्   प - यो   री -	_   प _   अ	प   ध सु   व	प ∥ म ग न∥की -	ा -   सा   -	ग   - प -   - झ	<del>                                    </del>
<b>रे</b> ए	म प्रधः	्रिधप प्रमु (स , मैं, भि, उ	ा)नी प्र जत क	धू   नी ने न   बि	गे∥सास न∥क	मा -   व -		•

#### स।वन--चौताल ( बरवा अंग )

+	0	-	2		quelles.	+	0	<b>.</b>	0		
गुरे गु	सा रे यो सा	प <u>ग</u> - व	रे <u>ग</u> न –	सा सा – सो	सानी हा –	ध्र प् व न	प् नी सो रं	सा सा - ग	सा - रं -	सानी गसो	सा सा - हे
											प ध
म -   जा -	प नी की अं	सां सां   - ग	सां - अं -	सां नी ग जो	सां सां — त	नी नी झ ल	सां सां कत	गं रें जो -	ग <u>ुं</u> सां व –	नी ध न –	प - की -
गुसार	<b>म म</b> व त	प प वि त	प - चा-	प प र ते	ध सां - नै	- नी    - न	भ त	गुरे वा –	गु सा ली -	रे म हैं -	प घ

#### (१३५)

#### शुद्ध मल्हार—चौताल

 †
 °
 °

#### मेघ--- त्रिताल

+ - श्रे सा | सा - | नी - प | रे - | रे - | सा - - | रे - | रो - | रे - | रे - | रे - - |  $\vec{x}$  प |  $-\frac{1}{2}$  प |  $\vec{n}$  |  $\vec$ म म प − प | रं रं | सां − सां | नी प म प − | म रं | सा − − − प छ छ − न | पि या | वि − न | जि या | त र − | सा − | वे − − − |

## मूर ( मूरदासी ) मल्हार—त्रिताल ( विलंबित लय )

े सां - नीध मप नि ध प - रेम प - अरे नी सा और - म म प - नी सां |रें-सां नी सां - नीध मप नि ध प - रेम प - अरे नी सा और - म म प - नी सां |रें-सां नी अा - द र वा - अ त हीं - सु हा अा - - वे री - मां - - - गर ज त बा - द र वा - अ त हीं - सु हा - R.× + - प्रमाप - नी नी |सां - सां - |नी - सां - ||सां नी पम |रे मप - प्रमे सा || म - मग |प - नी नी |सां - सां - |नी - सां - ||सां नी पम |रे मप - प्रमे सा || म - मग |प - नी नी |सां - सां - ||मां से मुख्या | चत है - प्रमे - ||मां से सुख्या |चत है - प्रमे - ||मां से सुख्या |चत है - प्रमे - ||मां से सुख्या |चत है - |  $\frac{1}{2}$   $\frac{1$ 

### मूर ( मूरदासी ) मल्हार—तेवरा

 $=\frac{1}{2}$  सार् |  $\frac{1}{4}$  प |  $\frac{1}{4}$  प |  $\frac{1}{4}$  प |  $\frac{1}{4}$  सां  $\frac{1}{4}$ 

सासा रेप | मरेरे गिरे - | सानी सा | म - पप | सो नी सो | से मेरें मेरें मेरें - | वि - र | - वि के - | या - - | ए - | सो हि | हो - - | हा - मे - | को - -

#### ( १३७)

प - म रे सा-नीसासारे प म रेरे, गुरे रे - सानीसा रा - ग ह है - ने ग ह है - बि - र - ब है - या -

#### मियांकी मल्हार—चौताल

ा , रे | सा नीसा नी प, मप नी नी भी तो सा सा सा सा सा सा सा सा प ग | ग म | रे -ा क | री - | - म,,, | ना - | म ते | - - | रो तूं | - सा है व | सरता | - - | - -° ×- - + c - ° - + सा,नीसा, रे | पप प. नीध | नीध नी | सां - | सां सां | रें सां | नीध नीध नीध नीध सां सां | रें सा (सां) ध नी प म प मप नी नी प गृग म रे रे सा म प मप नी ध सां सां न को - अ दा - रों - ग विन त क र त सु न - हो 
 प ग | ग म | रे - | सा, नीसा ,रे | सस्ता | -- | - | रु,,,

 सस्ता | -- | - | रु,,,

#### मियांकी मल्हार-नित्रताल

ि सा रे नी सा | ध़ ,नी प - | म प नी ध़ | सा - सा - | - - नीसा सा | रे - सा नीसा वि ज छी - | च ,म के - | व र से - | - - मे - | - - - ह | र - वा -

े सा रे नी सा  $\begin{vmatrix} y \\ 1 \\ 1 \\ 2 \\ 3 \\ 4 \end{vmatrix}$   $\begin{vmatrix} y \\ 1 \\ 4 \\ 4 \end{vmatrix}$   $\begin{vmatrix} y \\ 1 \end{vmatrix}$ 

# मीरावाईकी मरहार—चौताल

म र | सा र | नी सा | मरे मप | नीध नीध | नी सा नीसां | सां र | सां - | ध - | नी प नी प न | म र | जे - | - - | - - | न र | जे - | - - | - - | म प सांध नी प म प गम म | - म प ग | म म नी प | प - | रे म | प ध ग र ज ग र ज कहीं | - अं | - त | जा - | - य | व र | से - | - - | हो -नी सां | रें गं | रें सां | सां घ | नी सां | सां रें | नी सां | म रे | सा रे | सा घ | घ - | घ -  $\pi$  -  $\pi$  -  $\pi$  न त |  $\pi$  र  $\pi$  -  ी प म म प सां | ध - | नी प | प ग | स म | प - | ग म | स म | नी प | प - | ने ने - | क रा | ना प | ती - | जी - | जी - | र न | के - | - - | प ग प र | से -रं म प ध | म प | निपनी | सांसां | सां सां | नी सां | रें सां | सां ध | नी प | म प | निपनी | सांसां | सां सां | नी सां | रें सां | सां ध | नी प | म प | निपनी | सांसां | नी सां | नी सां | रें सां | सां ध | नी प | म प | निपनी | सांसां | नी सां | नी सां | रें सां | सां ध | नी प | म प | नी प | न नी सां रिंगे दिसां | सांध नी सां सां रे | नी सां | या - | न न सर | मे - | - - | हो - | - - |

#### रामदासी मल्हार—चौताल

सा सा | रे सा | सा - | ग - | म रे | प - | प - | म गम | रे म | रे सा | रे सा | नी सा ज हां | - - | का - | नहा - | - - | - - | री - | प - | र दे | - स | ग यो | - -सा म | म म | गम म | म प | नी प | नी - | सां सां | - सां | - सां | सां सां | नी सां | रें रें | कि त | क दू | र | जो - | जो - | सु - | ध आ | - व | - त | क ल | ना - | प र सां - नि ध नि प पगम प म नि प प म रे सा सा - ग - मरे प - त - मो - - हे आ - र्जी - - कहां - - का - हा - - - - -प - | मगम | रे म | रे सा | रे सा | नी सा | सा म | म म | गम म | सा म | म - | म गम | री - | र दे | - स | ग थो | - - | कि त | क दू | - र | ऊ न | के - | द र, म म म ग प - | प म | नी प | म प | ग - | म रे | सा नी सः | नी घ | नी प | प प य व न व न - | न - | न - | क्या - | कु - | क - | हो - | ने त | म न प सा | नी सा | सा - | ग - | म रे | प - | प - | म गम | रे म | रे सा | रे सा | नी सा क हां | - - | का - | नहा - | - - | री - | प - | र दे | - स | ग यो | - -- - | - - | - - | म - | प प नी सां | सां सां | - सां | पां सां | नी ध | नी प | प - - | - - | से - | व क | रा - | म दा | - स | सु न | धा - | - - | यो -प म | रे सा सा - | ग - | म रे | प - | प - | म गम | रे म | रे सा रे सा नि सा ज हां | - - | का - | न्हा - | - - | - - | री - | प - | र दे | - स ग यो | - -

#### चर्जूकी मल्हार—चौताल

#### गोड मल्हार—चौताल (काफी थाट प्रकार)

		0		-			+		o		-		0					4	•	٥	
1. 1.	प -	ч 5	-	प : की :	다   t -   e	र ध झ स	व	- -	<del>ग</del>   –	ч —	प री	म प	<b>प</b> पि	ध या	सां की	नी   व	<b>प</b> ति	म ∥ ए यां ∥ सु	ग <u>्</u> गुन	मं हे	₹ -
रे स	म दे	<del>र</del> ।  -	सा   स	नी व ख	सा   य	रे प रें -	प    ला	<u>ग</u> —	रे	सा -	रे प्राक्	प   -	प - द्र -	-	<b>प</b> म की -	न   ।	प अ	× ध ∥ र्न् स ∥ ग	ो नी र	<b>सां</b> ज	सां द
																		ग∥ <b>म</b> न∥ ब			
																		प का			
																		∥ म   ओ			
म् रहे	<b>प</b>	्य ला	-	गू - ता	-   1	सरे सङ्	मा ट	र् न	नी वि	सा र	₹   ₹	प न	प जा-	-	गु - 	-  <del>{</del>	रे स ो -	xxx ा   नी -   क	नी हैं	नी मि	सो -

# गौड मन्हार—त्रिताल (तराणा) ( शुद्ध गंधार प्रकार )

#### गौड मल्हार—त्रिताल ( शुद्ध गंघार प्रकार )

ा नी प | म प ग म | रे - सा सा | रे - प म | प - | - | प प प प | प - म ग । में तो | व द रा - | दे - ख ड | री - - ड | री - ! - | एक जुघ | टा - मो री । में तो | व द रा - | वी - ध नी | सां - नी रे | सां - - नी | प म नी प | म प ग म छ ति य न | क म गी - | पी - छें - | जि - द ख | री - - छ | री - में तो | च द रा -

- सा सा | रे - प म | प - - | प प प - | प प म ग | म नी घ नी | सां नी सां - दे - ख ड | री - - ड | री - - | अ प ने - | अ प ने मं | दिर ते - | नि क सी - | नी नी प | म - म म | रे - सा - | प - प - | प प म ग | म नी घ नी को ऊ गो - | री - को ऊ | छा - छ ह | री - - | में - चं - | च छ पिय | बा - ट दे ला नी सां - | घ नी घ नी सां - सां रें | सां - - नी प म नी प स नी प स ते हे - | आं - ग न | वि - च ख | री - - ख | री - में तो

#### नट मल्हार—आडचौताल

#### नट मल्हार—त्रिताल

#### कामोद मल्हार--त्रिताल

ा । सा रे प - प प प ध -  $\| \mathbf{u} - \mathbf{u} \| \mathbf{u} \| \mathbf{u} - \mathbf{u} \| \mathbf{u} \| \mathbf{u} \| \mathbf{u} + \mathbf{u} \| \mathbf$ 

#### सोरठ मल्हार—ांत्रेताल

ामप | सांनी धम |रे - सारे | म - मप | परेमप , |रे - रेरे | प - धम व र खा - रूत आ - ई म ल्हा - रस खी - वर दिवा - दश मे - दे क – मरे | सारेनी सा | रे – म म |पपनी नी ∥सां – – नी | घपरे म प ॄसांनी घम _ गुनी वहुमंत सो — हत अत — नी ∥वा — — र सखी, वर खा — रूत रे - सा रे || म - म प | प - - - | य - प नी | - नी नी नी || सां - सां सां | नी सां सां सां सां आ - ई म || ल्हा - र स | खी - - - | ग्रु - द्ध गो | - ड ज य || व - ती छ | - र न ट नी-नी सां - सां सां - सां रे सां नी ध प - - सां - नी - ध - म म  $\parallel$  रे - म रे रा - म दा - सी धुं - डी - मी - रां - - - मि - यां - सा - म त  $\parallel$  सो - र ठ नी - सा - | रे - म म | प प नी नी | सां - - नी | ध परे म प दें – शी – | गा – वत | सवन र | ना – – र | सखी, वर देस मल्हार—नित्रताल ा गम प्राम रेसा सारे नी सा रेग गम पम गरे --- | नीघपनी|घपमग

- म म प - प - ोम - प प नि नी सां सां ||नीसां रें सां नी|घप गम प, |ग म रे सा व - न च हि - - - पा - पी प पी या पि यु | पि, - यु क रे - रू, ऊम, सू - ऊम वा सारे नी सा रिंग गम पम गरें -- म-म म प - नी नी सां सां -नी सां नी सां - द र वा - वरसे, - --- महं - म द शाह - पि या स दा - रंगी - हे -सां नी सां नी सां सां नी सां | रेंगें रें सां नी धप - | ध सां धप मपमग | रे - म म क न विन जियरा - | तरसे - | - - - - ना निना निव्द दनवा | मे - हा व

प प प प | सां - नी नी | सां - सां सां | नी रें सां नी | ध प गम प, र म रहें भी - ज ग हिं - सा री | त न से - |

# देस मल्हार-तेवरा ( देस अंग)

#### जयावंती (रूपमंजरी ) मल्हार — तेवरा

#### पीछ--त्रिताल

#### पील--त्रिताल (तराणा) (कोमल रिपभ प्रकार)

े सा गू रे गू | - रे सा रे | नी सा सा रे | सा नी घु प | मृघ प सा नी घु प सा नी सा - गू ना दीर दीर दी | - त न न | दे रे ना त | दा रे दा नी | ना दे रे हे | रे त न दे रे तों - त - ×+ - रे सा नी सा सा गा - गू गू रे गू म प म | गूरे - सा | गू - गू - रे - सा -दो रे दा नी | दीर दीर दीर ता | - न त न त न त दी य रे | नी ता - रे | दी - तों - तों - तों -नी सा - रे | सा नी घू प | मृघ प सा | नी घू प सा | नी सा - गू रे सा नी सा | ना - - न | न दे दा नी | ना दे रे दे | रे त न दे | रे तों - त | दा रे दा नी |

#### पिॡ — धमार (होरी) (कोमल रिषभ प्रकार)

#### बरवा--- त्रिताल

# पीॡ वरवा—धुमाळी

 $\frac{1}{3} \frac{qq}{q} = \frac{1}{q} \frac{q$ - प - पम | प्य नी य प | - ग - मप | रिग सारे नी सा | - या - रेंजो | व, न प र | - या - रेंजो | व, न, प र | R.1 

# पील् वरवा—चुमाळी (कविर पद्)

 $\frac{\eta}{\eta} = \frac{1}{\pi} \frac{1}{\eta} = \frac{1}{\eta$ नी — नी — ॣ सां — सां सां | सां नी नी थ प प सां | नी थ नी थ प — — ना — का — शिव के — | छा — — श्र मे — — —

#### जंगलो—त्रिताल (पील व झिंझोटीचे मिश्र राग)

#### जीला जंगलो—तिलवाडा(विलंबित लय)

ा।।।।।

प — | भू नसा — रेगू — | — सारे — सानि ध्र प | — ध्र सा — रेरे प | मग् — रे — न ही — सा न रे प | मग् — रे — न ही मग् में — न ही मग् में — सा में मिल है । — करु — न ही मग् में — रे मं — करु — न ही मग् में — रे मं — करु — न ही मग् में — रे मं — करु — न ही मग् में — रे मं — करु — न ही मग् में — रे मं — करु — न ही — सा से सा न ध्र प | — ध्र सा — रे प — अा — — वे — गो — | पा — रु — मं — रि — करु — न ही — रु — न ही — रु — मं — रि — गृ — मं में मिल है — न ही — रु — मं — रि — गृ — मं — पा — रु मं — न ही — रु — न ही — रु — मं — रि — गृ — रु मं मा हे मा सा न रे — मं — न हो — न हो — रु मं — रे मा सा न रे मा सा

#### किवीणी-दादरा

 
 +
 0
 +
 0
 +
 0
 +
 0
 +
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0
 0</ थप मग रिग मप धम प रिग पम - प थ पिथ सांनी थप मग रिग मप वा, - ला, - - स ग णा - क वि वा, - ला, - - -म म | प ध | (सां) - | नी सां | रेंगं | (रें) - | नी सां | नी धुनी | सां नी व द | न म | णी - | म ज | र म | णी - | अ चु | क दा, | - वि थुनी सांनी थिप मा। रेग मप मप थ प ग रे सा है ग म ग (म) -मा, - गां, - ला, - है, - व या - नि है - ह थ रे -गुर | गुम | प म | प घ | मुप घ | प - | म म | प घ | (सा) - अ म | र वि | म व | गुण | सा, - | रे - | स क | ल क | ला -नी सां | रें गें | (रें) - | नी सां | नी ध | प्य सांरें | गेंरें सांनी ध्र मग् | रेग मप क वि त नु जा - | च र ण म | ला, - | - - | - - | - - - | गं र सां नी युनी सांनी युनी सांनी युप मग् रेग मप

# काफी थाट समाप्त

# —३३ आसावरी मेलजन्य रागा 🐉 —

#### 一一一

## आसावरी सुरावर्त—त्रिताल

० — ﴿ — ० — + — ० — + — १ म । प सां ।। प्र — । प — । म प । ध्रम ।। प ग् । रे सा। ग् — । रे म ।। गु रे । सा — नी ध्रा सा रे ।। नी ध्रा प्र — । प प । ध्रु ध्रा । सा — । सा सा। रे म । प्र मपा। नी ध्रपा। गुरे सा सा × × रे म । प सां ।। ध्रु — । प — । — — ।। म प । ध्रु ध्रा । सां ना । सां सां ।। गुं — । रे सां रे नी । ध्रु प ।।। ध्रु रे । सां नी । ध्रु — । प — ।। म प । ध्रु मप । मप ध्रु सां। रे नी ध्रु प ।। मनी ध्रु प । मनी ध्रु प ।। सा प । ध्रु प ।। सा 
#### आसावरी-नित्रताल (मध्य विलंबित)

#### (१५२)

# जौनपुरी सुरावर्त—त्रिताल

॰  $-\frac{1}{2}$   $-\frac{1}{$ 

#### जौनपुरी--निताल

#### (१५३)

# देवगांधार (गंधारी) — सूलताल (एक प्रकार)

 म
 0

#### देवगांधार (गंधारी)—धमार

### देवगांधार (गंधारी)--चौताल (दुसरा प्रकार)

सां नी सां सां |- सां |+ 
#### आभीरी-झपताल

 +
 0

#### आभीरी--त्रिताल

ा पसां नी थ | प म प ग | रे सा ग म | प म प - | ग - रे सा | ग रे नी सा | ग म प सां । परी ए - | वा - के - | पा - य न | स ज नी - | जो - न मा | ने - ग नी | य न की - | प - प - | नी - सां सां | नी - ग रें | सां नी ध प | ग - ग रें | सां नी ध प | ग - ग रें | सां नी ध प | ग - ग रें | सां नी ध प | ग - से मा | न स के - | प - से मा | न स के - | म म म प | प - नी सां | ग रें सां - | सांनी ध प मग रेसा | य - ग न | न - ए - | द र श क | हां - वा सो | ल री ये - | हां, - - - |

### सिंधभैरवी सुरावर्त--त्रिताल

#### सिंधभैरवी—धुमाळी आणि दादरा (तराणा सरगम )

 +
 +
 +
 +
 +

# सिंधभैरवी—तेवरा

 $\hat{A}_{i} = \hat{A}_{i}  सां रं िसां नी ध् | प - | प सां | सां नी ध | प - | ध प | म ग म | ग के म - | के - न | कर - | कि र ज | ग - | त मे | स्वा - मि के 

# सिंध भैरवी-एका

+ ° पसां ध नी प ध मिप ध पम ग रे ग नि सा ग म पिध नीसां प ध प प प म प : ज ज म ते ज ते जा, - रा, का - न हैं ग की - ग हैं। - ग ह री - - -म  $-|\frac{\pi}{2}|$  थ  $|\frac{\pi}{2}|$  विश्व  $|\frac{\pi}{2}|$   $-|\frac{\pi}{2}|$   $|\frac{\pi}{2}|$   $|\frac{$ 

#### देसी-सूलताल

#### देसी-धमार (दोनो ऋषभ प्रकार)

- प प | घ - - प - | घ म | म प - | नी - नी - | सां नी घ प - | प नी मो - कल | घू - - म - | म चा - | ई - री - | पि या - - - | वि दे च - - म चा - | ई - री - | पि या - - - | वि दे च - - - | म चा - | ई - री - | प या म म | प रे म प घ - - | सा म म म | प रे म प घ - - स मो हे पा - | य अ - के - | ली - | बिर हा - | आ - न स | ता - - ए - - | म म हे मा प - प प | म प - प - | घ - | प प - | सां - नी सां अ, ब - मो हे गो - कल | कही - ना - जा - | त मो - री - - - |

#### देसी-झपंताल (दो घेवत प्रकार)

ग रे सारे | म ग | रे सा सा | रे म | प ध मप | ग - | रे सा म | ग - री - - - | प - | म - द | ज -रं सा सा | नी नी | नी सां सां | सां - | नी सां सां | रं गं | रं सां सां | सां - कं - नि | त ही | द - र | क - | र - त | द खि | य - न | के -नी य प | रं म | प - प | नी सां | प - प | म प | रं म प | म दु - ख | प् - जा - क | रं - स - च | जि च | जं - छ | ते ग रे सारे | म ग | रे सा सा | रे म | प श्रु मप | सा म | म - म | प री - _ | प र | ता - प | सं - | - - _ | नि र | गु - न को पपप | रेम | प - घ | म प | ग - रे | म ग | रे सा रे | ग - कर न | वि - | - - - | व्या - | वा - न | नि र | ध - न | को -र - सा र म | प - ध | म प | म - रे | नी नी | नी सां सां | सां - व - न | मा - | या - व | ने - | री - - | द र | स - म | हा -

खट ( षड्राग )—झपताल

र एमर प्रक

#### खर---झपताल

ध सां सां | नी प प - प | रे सा | ग - म | म - | ध - नी | सां सां रा - त | जि - ये - ज | ग - | ज - है | ए - सो - व | द ल नी सां सां | सां सां | नी सां रें | गं गं | रें सां - | नी - | सां - रें | सां नी वे - व | द ल व ल न कर | स के - | का - | ह - न र हे ध - प | ग - | म प प | ध ध | रें सां रें | नी सां | नी प प | रे सा सां - स | त्रा - | स व न | ध न | सिंध प | ज त | ग ऊ प | ग -

प गुम म  $- \| \underline{q}\underline{y} \ \underline{q}\underline{y} \ \underline{q}\underline{y} \ \underline{\eta} - \| \underline{\eta} \ \underline{\eta} \ \underline{\eta} - \| \underline{\eta} \ \underline{\eta} \ \underline{\eta} \ \underline{\eta} - \| \underline{\eta} \ \underline{\eta} \ \underline{\eta} \ \underline{\eta} - \| \underline{\eta} \ \underline{\eta} \ \underline{\eta} \ \underline{\eta} - \| \underline{\eta} \ \underline{\eta} - \| \underline{\eta} \ \underline{\eta} - \| \underline{\eta} \ \underline{\eta} - \| \underline{\eta} - \| \underline{\eta} \ \underline{\eta} - \| \underline{\eta}$ + सारें नीसां पनी मप गम | सारे - | सा - - | बो, - - - - | - - | री - - |

# कौशी—त्रिताल (तराणा)

ा । नीरं | सारें धनी थ ,नी | सां -- थ | नी सां - नी | ध म - पग | म ग रे सा । । त, | न, न, दे ,र | ना -- त | दा -- नी दीं -- ता, | नों - त न  त दा - रे | दा नी दा - | नी दो - ता | नो - त न | तिकि दिधि किह नग | नुंग नुंग धि चा |

- क्वां - भ्रिष्ट मम | ग्रा , रे ग म | ग्रा रे सा नीरे |

क्वां - किंड नग | तगी , न तान क्वां , न धा धा त,

#### कौसी--तेवरा

#### कौसी--झपताल

सां नी ध नी - | ध म ग | ग म | ध - सां | सां नी | ध - नी | ध - गी र ह | त - | है - - | त न | म - न | अ ति | अ - कु | ला - प म प प म ग म ग | त - सो ध रि ध - रि |

#### दर्बारी कानडा सुरावर्त—त्रिताल

## दर्वारी कानडा—तिलवाडा (विलंबित लय)

#### दबीरी कानडां — त्रिताल ( दुत्त लय )

<del></del> 0		+	*****	e
ा नी सा रे सा नी प	नी म - १	सा	सा – नी स	। रेसा नी प्
ा विलं किलिया -	- हा - ;	[] डा	आर – खि ले	किलिया –
- +	-	0	Annumal	+
नी म - प सा - म म - डा - र   डार - व ने	म - नी स	॥ रेसा नी प	नी म - प	सा
<ul><li>डा – र   डार – व ने</li></ul>	हार - खि	है   किया -	- डा - र	डा
o ·		+		•
सा - सा रे   ग - रे रे	सा - नी स	। म − रेसा	ध् - नी सा	रे सानी प
आर - गुल शन - व ने	वन - फिर	दिन – हो व	हार - खि ले	कियां —
- · +	-	X o	-	+
नी म - प   सा - डार - र   डार		म - प प सो - ग तू	नी पनी नी    रा - ह म	सां सां नी स प ना —
0		+		o
सां - सां सां । प नी प नी जा - न त ं अं - ग तो	साँ - सांस रा - दर	नी रें सां रें   पन विन	नी सां नी प	नी नी प प
· + ·	. 0		4	•
म-पम   पग्मसा रे				
री- म क हितनारी मि	लेन रोष्ट	गरि और  झरेः 	दूख   पात	साथ िख हे

#### अडाणा कानडा तराणा—अद्धा

#### अडाणा कानडा—त्रिताल

#### मांझी-दादरा (मिश्र मेलाचे राग)

### —आसावरी थाट समाप्त—

# — ३३ भैरवी मेलजन्य रागा 🎨 —

## भैरवी—त्रिताल ( चतरंग )

- · + - · + -
नीसागम   य - पम   गरेगम   गरेसारे   नीसागम   य - पम   गरेगम
चतरंग गाई- ये सुनाई एगु रुन से - चतरंग गाइ-एसुनाई एगु
- +
गरेसा - । सा ग - ग ॥ म म म म   - गुरे गु म   गुरे सा - । सारेगमप्य - प -
ग रे सा - सा ग - ग म म म न गरे ग म ग रे सा - सारेगमप्य - प - हन से - अ ने - क ह प रंग - औ, - र म द सू - जा,,,,, - मे -
$+$ - $+$ - $\mathbb{R}.\times^{\circ}$
प - प - ि मी ध प म ग रे सा नि सा ग म थ - प प मगुरे ग म थ नी
हो - वे - र स कि - ता न च त रंग गाई - ये , सु ना, ई ए गु दीर दीर तों -
सां सां - सां   सां - रें नी   सां सां नीय -   ध म ध नी   गृं सां - सां   सां - रें नी
त नों - त नों - ता न् दे रे ना, - दिर दिर तों - त नों - त नों - ता न्
- 0 - + - 0 -
सांसांनीय्य प प ग म नि य ग रे सा य नी सा - दे रे ना, त दा रे दा नी तों तों तों य नी सा -
दे रे ना, त दारे दानी तों तों तों घंनी सा-
+ + -
गुरेगुम   गुरेसा -   धुनीसा -   धुनीसा -   गुरेगुम   गुरेसा -
मगरे सू नि - सा - धंनी सा - धंनी सा - मगरे सू नि - सा -
+ -
् ^{ध्रम} <u>ध्रम्भ नीनी</u> सां सां – सां   सां – रें नी   सांसां सांसां ध्र –   प पप पप पप
त् ना किंड किंड धा क्रांग - धा क्रांग - तू ना किंड किंड धा - धा किंड किंड किंड
+ - 0
प पप गा मम   नी - घ -   प म ग म   ग रे सा रे ।
प पप गुग मम नी - ध - प म गु म गु रे सारे   धुम किंड किंड किंड कांग - कांग - कां आंग गर चे हा - रे -

#### (१६६)

#### भैरवी--रुपक दादरा

प<u>य नीसां घ प म ग (म) - | रे</u> - | नी सा तं, - | ही - | स व | से - | न्या - | रा - | R.1 $(\underline{u}) - \mu (\underline{u}) - \underline{\eta} = \underline{u} + \underline{\eta} =  सां <u>रें</u> | सां <u>नी</u> | सां <u>नी</u> | ध प | ध प | म म म र | ग म | (रें) - | - सा | - - स क | ल ज ग त में - | - ए | - क | ते - | - रा | - प | सा - | - रा | - -भैरवी—पंजाबी ( विलंबित लय ) ा सा सार् पम | गुम रे सारे ,सानी | सा -- ,प | पप थु,पम गु रेनी | ,सा - सारे पम । ना - हिंप | र, त - ,मैकां | चै -- ,नसां चिर या,,, - - ,ना - हिंप गुम रे सारे ,सानी सा --- सा सा सा ता ,रे । गु - म - | गु - म ,म र, त - ,मेका चैन --- | द र स ,ि | या - को - | चे - ग ,िंद गुगमप धुनिधिप मगरेसा रेनीसा सा सा सा तरे सिरिगम पुधनिधि पुमगम ,म ग - म ,म खा,,, - - ,को वे - ग ,दि

थ्यमंग गुम रे सा | सा ध प प | प - - ध्सां | ध प ग ,प | पप प्धनिसां निध्यम गरेसा, खा,,, - - वो | मा - न त | ना - - दिन | रै - न ,सां विर या,,, - -

# मालकोश तराणा—त्रिताल, दूतलय.

ा सा सा | नी सा सा घ | न सा सा | म - ग - | म - सा सा | नी ग नी सा | नी - घ - |

। ता ना | ना दर दर हम | - ता ना दर | ना - - | - - ता ना | ना ना ना ना | ना हम |

प नी सा नी घ घ म म | घ नी सा - | घ नी सा - | नी सां नी | घ म ग म |

अो दे ता ना | ओ दे ता ना | दे रे नुम - | दे रे नुम - | ता दीम - ता | ना दर | ना - - | म - - - |

- सा सा नी सा म - सा | - ग सा सा | नी सा सा घ | - नी सा म | म - ग - | म - - - |

- ता ना ना | धी तुम - धी | - जा ना ना | ना दर दर हम | ना ना दर | ना - - | - - - |

- सां सां - सा नी नी घ - | नी - घ म | म ग म - | सा सा म - | सा सा म - | सा मा ग म घ |

- त दी - ना | दे रे ना - | दी - य न | रे - - - | दे रे नुम - | दे रे नुम - | ओ दे ना दे रे ना | नी सां नी सां - | नी सां नी | घ म ग म |

नी सां सां सां | घ नी सां - | सां नी सां - | गां सां - सां | - नी सां नी | घ म ग म |

रे ना दे रे | ता ना दीम - | ना ता दीम - | ता दीम - | ता दीम - | ना ता ता ता ना ता ना ता ना ता ना 
# मालकोश—त्रिताल (तराणा)

#### ( १६८ )

#### मालकोश-निताल

#### आसावरी-धमार (कोमल ऋषभ प्रकार)

# धनाश्री—त्रिताल (भैरवी थाट प्रकार )

साग म प | -ग म म | प - ग रे | सा - - नी | साग म प | - मम प प | नी नी ध्र प म त को ई | - प्रे म के | फं - द प | रे - - ए | म त को ई | - प्रे त सो | नि क स त | म - म नी | साग म प | -ग म म | प - ग रे | सा - - - | - - - | प म प प | नी - ध्र प म - - नी | नी - सां हो | नी नी सां रें | नी ध्र प - | - ग्म प प | नी - ध्र प म - - नी | मा - न क | म ल र वि के - से - | - विछ र त | सो - ई म रे - - ए

दुसरा अंतरा--वृंदक कारन, पिया पुकारे, दिपक पतंग जरे, ए मत कोई.

तिसरा अंतरा—आनंद धन पिया, मोहे मिले तब, विरह्की पीर टरे, ए मत कोई.

#### भूपाल--- झपताल

20111168
्ध प्राप्त — क्षा — — — — — — — — — — — — — — — — — — —
् । व न व । स स । न न न न न न न न न न न न न न न न
साधाना = =   =   =   =   चा   सार्वान =   चा   =   चा   चा   =   चा   चा   चा
ा " " भीर ती हो — । अपन निर्माण पा सा । भव म
ध प । प
$+$ $ \circ$ $ +$ $ \circ$ $+$ $ \circ$ $  \circ$ $         -$
साध । जा : =   = =   = =   (1) सा हे   ज =
" कार त हो । " रें है । य - प । ध छ ।
$\begin{array}{c ccccccccccccccccccccccccccccccccccc$
ध प्राच
z = z + 1 = z + 1 = z
कतं । व्याप्त चार्
"। " - छ   शा -   उ - घ   म न । =
्राचा साधा चा चा चा चा चा चा चा
$\begin{array}{c ccccccccccccccccccccccccccccccccccc$
2 2 1 1 4 4 1 n g l g
कती विच —   दे १   व थ थ ॥ प छ । —
"   " < 可   市 司   u; = 二   ( 三   1   一 t   mr + 1 >
सार्गापप गाप प्रध्य प्रश्राम के ते ता - ल के ते मू - ल के ते
सारी म
= = = = = = = = = = = = = = = = = = =
of a b = 2 1 2 1 70 1 7 3 1
" ताच्या - वि =   हिंदे सा - घ व व
्रा विश्व में किया किया किया किया किया किया किया किया
थ पान ना भारता । १९ निवान - १ - १ वर्ग
सा $\hat{z}$   $\eta - q$   $\frac{g}{2}$   $q$   $\frac{1}{4}$   $-\frac{1}{6}$   $\frac{1}{6}$   $\frac{1}{6}$   $-\frac{1}{6}$   $\frac{1}{6}$   $-\frac{1}{6}$   $\frac{1}{6}$   $-\frac{1}{6}$   $\frac{1}{6}$   $-\frac{1}{6}$   $-\frac{1}{6$
भ व   ना — क   न न   <del>चे   चे   सा के   क</del>
22' "「「有」的」 「 1 2 2 2 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1
न कि ते कि न न
ा न था ता न है थ
, 'T

 $\frac{u}{u} = \frac{u}{u} - \frac{u}{u} = \frac{1}{u} = \frac{1$ 

#### लाचारी तोडी—चौताल

 +
 0
 0

#### लाचारी तोडी--धमार

#### विलासखानी तोंडी—चौताल

नी सां धुध सारे गा गरे रेसा - - सा सा - ग गरे रेसा में - - रेतो - अ छा - ना - म - - अ धा - र जिन - र सा ग रे रे सा नी सा ध ध ध ध सा - रे ग ग ग ग रे सा ग रे ने सा | - ध | नी सा | ध ध | सा रे | प ध | ध सा | सां - | सां सां | सां सां | रें सां जा | - छ | मे - | - रे | तो - | जि न | - र | चो - | अ र | स कु | र स थु थु सा रे सा सा सा रे - म गुग प थु थु थु - थु थु प थु - न से तो - का है को हू - जे गुन हगा - र - का है को लि -भ ग ग प - ग ग ग ग प प भ भ ग ग ग ग रे सा रे सा जे ए तो भा - र सो इ स वा - द क्यों - न तें लियो जा

		0				_	XX	×+		0		_		0				-	
_	<u>ग</u> म	<u>₹</u>	<u>i</u>	<u>₹</u>	सा	-	<u>.</u> A	Ġ	ग्	ग	ग्	ग्	ग्	ग	ग्	ग	ग्	ग	ग
-	म	भ	ज	ओं	का	-	₹	प्र	भू	वि	ला	-	स	4	हे	_	पा		韦
+		0				0		_		~		+		0				0	
<u>ग</u> स	मा	<u>†</u>	<u>र</u>	हैं।	सा -	रे य	_	सा त	सा या	<del>-</del>   -	सा र		<b>सा</b> ज	सा   न	<u>ग</u> म	<u>ग</u> _	प जि	<b>प</b> त	.प च
		_		+		0		_											
	भ्र ।	-	प हिं	<u>ध</u> वा	<u>ग</u> —	<u>ग</u> र	<u>रे</u> वा	_	सा र										

#### विलासखानी तोडी-धमार

# * भैरवी थाट समाप्त *

# कोडी मेलजन्य रागा कि

#### े तोडी---एका

ा नी रे ग म ग म - ध ध - ध नी सां - नी ध नी ध - म ग म - य - य न जा - य - रि झा - ये - छे -य नी मं मं प ध मं मं ग मं ग रे सा नी रे ग मं ग ग मं मं ध - हा - स व वि ध अ प ने गुरु न की सा चे सुर न गुनि ज न कि -नी -| सां नी सां -| ध -| ध -| ध नी सां रें| नी -| ध नी सां रें| नी -| ध -| सें| -| ग त सों -| रा -| ग पु | र -| स +| स +प - | - मं | - - | ग - | - रे | - - | सा - | सा रे | ग मं | ग रे | सा - | सा रे ग म। प म। ग रे।। सा -। सा रे। ग म। प ध। प म। ग रे।। सा -। सा रे। ग प थानी सां। - नी।। - धा - पा - मा - गा - रा - सा नी नी नी सासा रेरे गुग गुग गा

मं भं अञ अञ नीनी सांसां नीनी नीध अञ मंम ग रे सा नी रे ग मं ग धि ता तिर किट धिड नग निग नत गिन तक धि ता धा सा च सु र न

#### तोडी-नित्रताल

: ती सा ग ग | रे रे सा -  $\| \underline{\eta} - \underline{\eta} + \| \underline{\eta} + \underline{\chi} + \| \underline{\eta} + \| \underline{$ मंप धनी सांनी थप मंप ध्य मंग रेसा गृग मं मं प प ख - नि नी नी सां सां सां ना मं - नि स दि न हु म रो - ध्या - न ध र त हुं -गं - रें रें सां - नी सां गुमं पृथ पूर्म गुरे पूर्म गुरे सग रेसा नी सा ग ग रे रे सा - नि मा है - र व सां, - - - हैं, - रें, - सि द र स जि न वा -

( १७१ )

#### मियानी तोडी—त्रिताल

 वहादुरी तोडी—सुलताल

 +
 ०
 ०
 ०
 ०
 ०
 ०
 ०
 ०
 ०
 ०
 ०
 ०
 ०
 ०
 सा
 सा
 २
 मा
 ०
 सा
 २
 मा
 मा
 मा
 २
 मा
 मा<

# जौनपुरी तोडी—त्रिताल

# गुर्जरी तोडी—मूलताल

० गां जिल्ला के सामा निस्ता के स्थान के सम्मान के स्थान के स्था के स्थान 
#### गुर्जरीं तोडी-दीपचंदी

## मलतानी—त्रिताल (तराणा)

नी सा गु में | प -- ध | मं प गु मं | प नी - सां | - हें सां नी | ध प मं प | मं गु मं प ना द हों द्र | दीं -- त न न त न दि रे - ना |- त न दे | रे ना त न दि रे ना त मंग्रेसा | ध पगमं | नी - सांध | - नी प - | ध मं - प | - - प मं | प सां - सां दारेदानी ना द्र हु इ दीं - तादीं - तादीं - तादीं - तादीं - त न | न ना - ना - सांनी सा मंगुरे सा नी साग्मं प सां - सां | - दें सांनी ध प ग्प ग - रे सा - ना ना रे | ना रे ना रे | ना द तुं द मौ ला - ऐ | - सें सुर | शदको मि ला - दे -रे - सार् | नी सा ग मं | प - ध मं | ध्ध मंप मं ग | प सां - प | नी प ध मं | प ग मं प या - द ते | री को स हो | जा - म पि | ला, - दे - | प सा - प | नी प ध म | प ग म प नी साग मं पनी सांगं रें नी घप ग - रे सा | नी साग म पनी साग रें नी घप ग - रें सा

# मुलतानी—त्रिताल

नी सा मंग् | रे रे सा - | साग्मंप यं घ | मंग्रे सा | प्रमं ग मं प | नी - सां - दू जे न लो ग न को - | सं,, - ग न | करी ए - | ए, - री - | ए - री -रेंसां नीध पर्भ प्य प्रा मंप भग रेसा पर्म गर्म प न नी - सां रें सां - नी ध प प मा, - - - कि है, - - - कि बामे - तो - री - प्रि - ती - नि सदि न पंपध्य प मंग्मं प मंग्रे सा नी साग्मं प ध्य प मं प नी सां रें ला - गे - री - - पि - या - अ व मो से तो रे बि न दि न ना क सांनी ध्रुप भेप नीसां सांनी ध्रुप मेग रेसा

# The National Anthem.



GOD SAVE OUR GRACIOUS KING, LONG LIVE OUR NOBLE KING, GOD SAVE THE KING! SEND HIM VICTORIOUS, HAPPY AND GLORIOUS, LONG TO REIGN OVER US, GOD SAVE THE KING!

#### सरामी (शंकराभरण-दादरा)

				•		
+ सा God	-   祝「 -   save	-   ₹ -   our	-   -   -   -   -   -   -   -   -   -	-   -	सा रें cious King	_
ग long	-   ग -   live	-   ¶ -   our	-    π -    no	_   _	रे   सा ble   King	~ ~
रें God ×	_   सा _   save	-   नी -   the	– ∥ सा – ∥ King	-   सा -   ा	रे   ग । ।	<b>म</b> 1
<b>q</b> Send	-   प -   Him	-   q -   vic	-    प    to	-	म   ग rio   us	_
म ha ्	-   म -   ppy	-   म -   and	-   म -   glo	-   -	ग   रे rio   us	_
	-   म -   to				HYverus	_
ધ God	,म   ग save	-   t -   the	-   सा -   King	-   -	-   -	_



